दैनिक सुप्रभात रायपुर

प्रतिदिन राजधानी

आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 25 | अंक : 262 रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 हरित विकास और आर्थिक...

हिना खान ने बिग बॉस ... 6

छग में 3 प्राचार्य-व्याख्याताओं को मिली नई जिम्मेदारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ स्कूल शिक्षा विभाग ने प्राचार्य और व्याख्याताओं के तबादलों की नई सूची जारी की है। जारी सूची में 3 शिक्षकों के स्थानांतरण शामिल हैं।

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक ये ट्रांसफर नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत की गई हैं। विभाग ने सभी शिक्षकों और प्राचार्यों से अपेक्षा जताई है कि वे नए स्थानों पर समय पर कार्यभार संभालें।

ट्रांसफर सूची शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है, जहां शिक्षक अपने नाम और नए पोस्टिंग स्थान की जानकारी देख सकते हैं।

सूची के मुताबिक, बस्तर के टी संवर्ग नेगानार शासकीय स्कूल में पदस्थ प्राचार्य सालिक राम पचौरी को बस्तर के कोलावल विकासखंड बकावण्ड भेजा गया है।

वहीं, गौरेला में पदस्थ व्याख्याता रूपा दीक्षित का ट्रांसफर बिलासपुर कर दिया गया है। इसके अलावा, चारामा में पदस्थ एलबी की व्याख्याता रूना साहू को कांकेर के भिलाई विकासखंड भेजा गया है।

रक्षा मंत्रालय ने 79 हजार करोड़ के सौदे को दी मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है। इस निर्णय से थलसेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा। यह मंजूरी आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य की दिशा में भी एक अहम कदम मानी जा रही है।

23 अक्तूबर 2025 को नई दिल्ली स्थित साउथ ब्लॉक में हुई इस अहम बैठक में तीनों सेनाओं की कई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई। इस मंजूरी में भारतीय थलसेना के लिए नाग मिसाइल सिस्टम एमके–द्वद्व, ग्राउंड बेस्ड मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस सिस्टम और हाई मोबिलिटी व्हीकल्स की खरीद शामिल है। वहीं नौसेना और वायुसेना के लिए भी कई उन्नत हथियार प्रणालियों को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की रक्षा तैयारियों में बड़ी छलांग लगने वाली है।

थलसेना को मिलेगी नई ताकत

थलसेना के लिए स्वीकृत नाग मिसाइल सिस्टम एमके–II दुश्मन के टैंकों, बंकरों और अन्य किलेबंद ठिकानों को नष्ट करने में सक्षम है। यह मिसाइल सिस्टम 'ट्रैक्ड वर्जन' में होगा, जिसे कठिन इलाकों में भी आसानी से तैनात किया जा सकेगा। ग्राउंड बेस्ड मोबाइल सिस्टम सेना को दुश्मन की रेडियो तरंगों और इलेक्ट्रॉनिक उत्सर्जनों की 24 घंटे निगरानी की क्षमता देगा, जिससे खुफिया जानकारी जुटाने की गति और सटीकता बढ़ेगी। वहीं हाई मोबिलिटी व्हीकल्स से रसद आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा, जिससे सैनिकों तक भारी सामान और उपकरण कठिन भौगोलिक इलाकों में भी पहुंचाए जा सकेंगे।

नौसेना की बढ़ेगी समुद्री शक्ति

भारतीय नौसेना के लिए डीएसी ने लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स, 30 मिमी नेवल सरफेस गन, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो, इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल इंफ्रारेड सर्च एंड ट्रैक सिस्टम और स्मार्ट गोला–बारूद की खरीद को मंजूरी दी है। इन आधुनिक प्रणालियों से नौसेना की उभयचर युद्धक क्षमता और समुद्री निगरानी शक्ति में जबरदस्त सुधार होगा।

लैंडिंग प्लेटफॉर्म डॉक्स से नौसेना को थलसेना और वायुसेना के साथ मिलकर उभयचर अभियानों को अंजाम देने में मदद मिलेगी। वहीं, एडवांस्ड लाइट वेट टॉरपीडो को डीआरडीओ की नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला ने विकसित किया है। ये पारंपरिक, परमाणु और छोटे पनडुब्बियों को निशाना बना सकता है। इसके अलावा 30 मिमी नेवल सरफेस गन से नौसेना और कोस्ट गार्ड को समुद्री डकैती और कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों में मजबूती मिलेगी।

वायुसेना को मिलेगा अत्याधुनिक सिस्टम

भारतीय वायुसेना के लिए कॉलैबोरेटिव लॉन्ग रेंज टारगेट सैचुरेशन/डिस्ट्रक्शन सिस्टम और अन्य अत्याधुनिक प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है। यह सिस्टम स्वचालित टेकऑफ, लैंडिंग, नेविगेशन और लक्ष्य क्षेत्र में सटीक हमला करने की क्षमता रखता है। इससे वायुसेना की रणनीतिक हमलावर क्षमता और सटीकता में भारी बढ़ोतरी होगी।

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन सभी प्रस्तावों से भारत की रक्षा क्षमताएं न केवल आधुनिक होंगी बल्कि स्वदेशी निर्माण को भी बढ़ावा मिलेगा। कई प्रणालियां देश में ही विकसित की जाएंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों को बल मिलेगा। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन परियोजनाओं के लागू होने से भारत की तीनों सेनाएं एक नई ऊंचाई पर पहुंचेंगी और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार होंगी।

प्रधानमंत्री मोदी मलेशिया में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में लेंगे भाग

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह मलेशिया में आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। मोदी ने बृहस्पतिवार को फोन पर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को यह सूचना दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह अगले सप्ताह मलेशिया में आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल माध्यम से भाग लेंगे। मोदी ने बृहस्पतिवार को फोन पर मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को यह सूचना दी। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ गर्मजोशी से बातचीत हुई। उन्हें मलेशिया की आसियान की अध्यक्षता के लिए बधाई दी और आगामी शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।''

उन्होंने कहा, ''आसियान–भारत शिखर सम्मेलन में वर्चुअल रूप से शामिल होने और आसियान–भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए उत्सुक हूं।'' दक्षिण–पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) की बैठकें 26 से 28 अक्टूबर को होनी है। मलेशिया ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ–साथ आसियान समूह के वार्ता साझेदार कई देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया है। ट्रंप 26 अक्टूबर को दो दिवसीय यात्रा पर कुआलालंपुर जाएंगे।

आसियान–भारत वार्ता संबंध 1992 में क्षेत्रीय साझेदारी की स्थापना के साथ शुरू हुए। यह दिसंबर 1995 में पूर्ण वार्ता साझेदारी और 2002 में शिखर सम्मेलन स्तरीय साझेदारी में परिवर्तित हो गया। दोनों देशों के बीच संबंध 2012 में रणनीतिक साझेदारी स्तर तक बढ़ गए।

पांच दिन में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए रामलला के दर्शन

एजेंसी, अयोध्या

भक्ति, भव्यता और विकास...दीपोत्सव में इन तीनों का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्रीराम की नगरी अयोध्या में जहां करोड़ों दीपों से विश्व कीर्तिमान रचा गया, वहीं इस आयोजन ने स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया। पिछले पांच दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई।

दीपोत्सव के दौरान अयोध्या के कारोबारियों को आकस्मिक आय हुई है। 16 अक्तूबर से 22 अक्तूबर के बीच अयोध्या में करीब आठ लाख श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान 90 फीसदी होटल, रेस्टोरेंट फुल रहे। जलपान, प्रसाद सामग्री, राम नामी, फोटो विक्रेताओं को खूब आय हुई। अनुमान है कि दीपोत्सव के दौरान अयोध्या की अर्थव्यवस्था में करीब पांच करोड़ का प्रवाह हुआ।

दीपोत्सव में बने रिकॉर्ड का उत्सव मनाने अयोध्या में पिछले पांच दिनों से लाखों श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। दीपोत्सव के अगले दिन से लगातार तीन दिन छुट्टी होने के चलते श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या में उमड़ पड़ी। शाम के समय अयोध्या की भव्यता निहारने की ललक लोगों में ज्यादा दिखी।

कपाट बंद होने से पहले खुला यमुनोत्री धाम का 'खजाना'

एजेंसी, देहरादून

यमुनोत्री धाम में मां यमुना मंदिर के कपाट आज छह माह के लिए बंद कर दिए गए। इससे पहले मां यमुना मंदिर का खजाना खोला गया। यमुनोत्री धाम में इस साल 6,45,000 श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की और चढ़ावा भेंट किया।

इस यात्राकाल में यमुनोत्री मंदिर समिति को करीब 50 लाख रुपये की आय हुई है। गत वर्ष की अपेक्षा श्रद्धालुओं की आवाजाही में थोड़ी कमी आई है।

यमुनोत्री मंदिर समिति के प्रवक्ता पुरुषोत्तम उनियाल, कोषाध्यक्ष प्रदीप उनियाल सचिव सुनील उनियाल ने बताया कि इस बार पिछले साल की अपेक्षा श्रद्धालुओं में कमी के साथ ही थोड़ी बहुत आय में भी कमी आई है। इस बार मंदिर समिति को दान पात्र और रसीद बुकों से करीब 50 लाख रुपये की चढ़ावा प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री साय से पंजाब सरकार के मंत्रियों ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से गुरुवार को उनके निवास कार्यालय में पंजाब सरकार के राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुण्डियन और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने सौजन्य मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान दोनों मंत्रियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को 9वें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान, त्याग और मानवता के प्रति उनके संदेश को जन–जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर से श्रद्धालुओं, संत महात्माओं और विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों के सम्मिलित होने की संभावना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पंजाब सरकार के मंत्रियों द्वारा दिए गए आमंत्रण के लिए हार्दिक धन्यवाद प्रकट किया। मुलाकात के दौरान दोनों राज्यों के बीच आपसी सहयोग और सांस्कृतिक आदान–प्रदान को लेकर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी ने अपने जीवन में धर्म, मानवता और समानता के जो आदर्श स्थापित किए, वे आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने पंजाब सरकार के इस आयोजन की सराहना करते हुए इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान न केवल सिख समाज के लिए बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए अमर संदेश है, जिसने हमें सत्य और धर्म की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा दी है।

आईपीएस रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप

आईपीएस हो या आईएएस होगी कार्रवाई : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

गौरेला–पेंड्रा–मरवाही

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मरवाही दौरे के दौरान आईपीएस रतनलाल डांगी पर लगे आरोपों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि चाहे आईपीएस हो या आईएएस, आरोप लगने पर जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी।

जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मरवाही विधायक प्रणव मरपच्ची की माता के तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने ऐंठी गांव पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने सीनियर आईपीएस रतनलाल डांगी पर लगे आरोपों पर स्पष्टीकरण दिया।

शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त

सीएम साय दोपहर करीब 2 बजे हेलिकॉप्टर से ऐंठी गांव पहुंचे और लगभग 50 मिनट तक वहां रुके।

उन्होंने विधायक मरपच्ची और उनके शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एसआई की पत्नी ने लगाया है यौन उत्पीड़न का आरोप

बता दें कि सीनियर आईपीएस अधिकारी रतनलाल डांगी पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। यह आरोप पुलिस विभाग में पदस्थ एसआई की पत्नी ने लगाया है। महिला ने पुलिस मुख्यालय जाकर डीजीपी से शिकायत की है। मामले की जांच की जिम्मेदारी आईजी आनंद छाबड़ा को सौंपी गई है।

मुआवजा और रोजगार की मांग पर भू-विस्थापितों का आंदोलन

कोरबा (प्रतिदिन राजधानी)

सीआईएसएफ ने किया लाठीचार्ज, कई घायल

छत्तीसगढ़ किसान सभा के नेतृत्व में गुरुवार को गेवरा खदान में रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे भू–विस्थापितों पर सीआईएसएफ ने लाठीचार्ज किया। इस घटना में कई लोगों को गंभीर चोटें आईं, जिनमें किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू, रमेश दास, बिमल दास और गुलाब दास शामिल हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस और सीआईएसएफ बल तैनात था। प्रदर्शन शांति से चल रहा था और एसईसीएल के अधिकारी वार्ता के लिए बुला रहे थे। इसी दौरान सीआईएसएफ के एक अधिकारी द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ अभद्र व्यवहार और गाली–गलौज की गई, जिसके बाद अचानक बल ने लाठीचार्ज शुरू कर दिया।

आरोप है कि लाठीचार्ज के बाद घायल प्रदर्शन कर रहे लोगों को जबरन उठाकर थाने ले जाया गया। जब ग्रामीणों को इसकी जानकारी मिली, तो वे भी बड़ी संख्या में दीपका थाना पहुंच गए। ग्रामीणों ने मारपीट और लाठीचार्ज का आदेश देने वाले सीआईएसएफ अधिकारियों पर अपराध दर्ज करने की मांग की। थाना प्रभारी प्रेमचंद साहू ने घायलों का मुलाहिजा करवाने और उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

छत्तीसगढ़ किसान सभा के प्रदेश संयुक्त सचिव प्रशांत झा ने कहा कि एसईसीएल के तानाशाह महाप्रबंधक के इशारे पर सीआईएसएफ द्वारा किया गया यह लाठीचार्ज निंदनीय है। उन्होंने कहा कि भू–विस्थापितों की समस्याओं का समाधान किए बिना किसी भी स्थिति में खदान विस्तार नहीं होने दिया जाएगा। अगर प्रबंधन ने जबरन विस्तार की कोशिश की तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। प्रशांत झा ने मांग की कि एसईसीएल से प्रभावित प्रत्येक छोटे खातेदार को नियमित रोजगार, उचित मुआवजा और पुनर्वास की सुविधा दी जाए। उन्होंने कहा कि नए और पुराने मुआवजा प्रकरणों में की जा रही कटौती तत्काल बंद की जाए और विस्थापितों के साथ न्याय किया जाए।

किसान सभा के जिला सचिव दीपक साहू ने कहा कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण था, बावजूद इसके सीआईएसएफ ने जबरन लाठीचार्ज किया। उन्होंने कहा कि बंदूक और लाठी की नोंक पर खदान विस्तार नहीं होगा। पहले रोजगार, पुनर्वास और मुआवजा की समस्याओं का समाधान जरूरी है। किसान सभा ने कहा कि पूर्व में अधिग्रहित ग्रामों के रोजगार और मुआवजा प्रकरण अब तक लंबित हैं, जबकि प्रशासन की मदद से नए क्षेत्रों में तेजी से खनन विस्तार किया जा रहा है।

संगठन ने चेतावनी दी कि जब तक प्रभावित ग्रामों के रोजगार, बसावट और पेयजल जैसी बुनियादी समस्याओं का समाधान नहीं किया जाता, तब तक किसी भी नए विस्तार कार्य का विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन में गेवरा क्षेत्र के कई प्रभावित गांवों के सैकड़ों भू–विस्थापित शामिल हुए। किसान सभा के पदाधिकारी अब आगे की रणनीति तय करने में जुटे हैं और आंदोलन को व्यापक स्वरूप देने की तैयारी कर रहे हैं।

हरित विकास और आर्थिक समृद्धि का छत्तीसगढ़ मॉडल

वन संरक्षण और खनन का संतुलनः विकास के साथ हरियाली का विस्तार

खनिजों से चमक रही प्रदेश की अर्थव्यवस्था - खनिज राजस्व में 34 गुना की ऐतिहासिक वृद्धि

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ यह नाम अब केवल हरियाली और संस्कृति का पर्याय नहीं रहा, बल्कि भारत की खनिज राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। देश के कुल खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ की धरती में छिपा है। यही कारण है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में खनिजों का योगदान लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद जीएसडीपी में खनिज क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। राज्य गठन के समय खनिज राजस्व 429 करोड़ रूपए था, जो अब बढ़कर 14 हजार 592 करोड़ हो गया है। 25 साल में राज्य का खनिज राजस्व में 34 गुना बढ़ गया है। वन एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य की यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1980 से अब तक वनसंरक्षण अधिनियम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में केवल 28 हजार 700 हेक्टेयर भूमि ही खनन के लिए दी गई है, जो कि राज्य के वन क्षेत्र 59.82 लाख हेक्टेयर का 0.47 प्रतिशत और राज्य के कुल भू–भाग 135 लाख हेक्टेयर का 0.21 प्रतिशत है। खनन क्षेत्र में कटाई के साथ 5 से 10 गुना वृक्षारोपण को अनिवार्य किए जाने से राज्य के वन क्षेत्र में 68 हजार 362 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार देश में सर्वाधिक है।

खनिज राजस्व से न केवल प्रदेश को आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार खनिज संपदा के दोहन को पर्यावरणीय संतुलन और जनहित से जोड़कर ‘खनिज से विकास’ की नई परिभाषा गढ़ रही है।

छत्तीसगढ़ के प्रमुख खनिजों में से महत्वपूर्ण कोयला, ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है। छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। राज्य में कोयले का भंडारण 74,192 मिलियन टन है, जो देश के कोयल भण्डार का लगभग 20.53 प्रतिशत है। कोयला उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य की देश में 20.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देश के कोयला उत्पादक राज्यों में छत्तीसगढ़ का दूसरा स्थान है। प्रदेश के कोयले का उपयोग ताप विद्युत संयंत्रों, सीमेंट,

इस्पात और कोयला आधारित मध्यम व लघु उद्योगों में किया जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता में छत्तीसगढ़ का योगदान पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है।

लौह अयस्क देश के इस्पात उद्योग की रीढ़ है, जो छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में विद्यमान है। कबीरधाम से लेकर दल्लीराजहरा से होते हुए दंतेवाड़ा बैलाडीला तक फैली पर्वत श्रृंखलाओं में 4,592 मिलियन टन लौह अयस्क भंडार मौजूद है, जो राष्ट्रीय भंडार का 19.09 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 16.64 प्रतिशत है। एनएमडीसी की बैलाडीला खदानें (दंतेवाड़ा) और दल्ली–राजहरा खदानें (बालोद) देश के इस्पात उद्योगों की जीवनरेखा हैं। यहां से भिलाई इस्पात संयंत्र और देशभर के उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क मिलता है। लौह अयस्क उत्पादन में छत्तीसगढ़ का देश में द्वितीय स्थान है।

छत्तीसगढ़ में 992 मिलियन टन बाक्साइट भंडार है, जो देश का 20 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 4.3 प्रतिशत है। सरगुजा, बलरामपुर और कबीरधाम जिलों में हिन्डाल्को, वेदांता और सीएमडीसी जैसी कंपनियाँ सक्रिय हैं। बाक्साइट से निर्मित एल्युमिनियम ऊर्जा, निर्माण और रक्षा उद्योग के लिए अहम है।

चूना पत्थर सीमेंट उद्योग का मेरुदंड है। राज्य में 13,211 मिलियन टन चूना पत्थर का भंडार है, जो देश के कुल भंडार का 5.8 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 11 प्रतिशत है। बलौदाबाजार, रायपुर, जांजगीर–चांपा और रायगढ़ जिलों में अल्ट्राटेक, एसीसी, अम्बुजा, श्री सीमेंट, ग्रासिम जैसे संयंत्र कार्यरत हैं। बलौदाबाजार को अब ‘सीमेंट हब’ कहा जाता है।

देश का 100 प्रतिशत टिन उत्पादन छत्तीसगढ़ में होता है। सामरिक महत्व के टिन अयस्क का यहां 30 मिलियन टन का भंडार उपलब्ध है। दंतेवाड़ा और सुकमा में मिलने वाला यह खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसे अनुसूचित जनजाति की सहकारी समितियों के माध्यम से क्रय करने का प्रावधान राज्य सरकार ने लागू किया है।

राज्य में 992 मिलियन टन डोलोमाइट भंडार मौजूद है, जो राष्ट्रीय भंडार का 20 प्रतिशत है। मुख्यतः रायपुर, दुर्ग, बेमेतरा, बिलासपुर, जांजगीर–चांपा और रायगढ़ जिलों में पाया जाता है। यह खनिज इस्पात उद्योग में फ्लक्स मटेरियल के रूप में उपयोगी है। गरियाबंद जिले के बेहराडीह और पायलीखंड क्षेत्रों में हीरा का प्रमाणित भंडार है। बलौदाबाजार जिले के सोनाखान क्षेत्र में 2780 किलोग्राम स्वर्ण भंडार के अतिरिक्त जशपुर, महासमुंद और कांकेर जिलों में भी स्वर्ण और हीरा खनिज की संभावनाएं पाई गई हैं। छत्तीसगढ़ में गौण खनिजों की भी बड़ी भूमिका है। राज्य में 37 प्रकार के गौण खनिज जैसे–रेत, मुरम, ईमारती पत्थर, साधारण मिट्टी, निम्न श्रेणी चूना पत्थर, डोलोमाइट और ग्रेनाइट की खुदाई लगभग हर जिले में होती है। रेत और मिट्टी का उपयोग सड़क, भवन और पुल निर्माण में व्यापक रूप से किया जा रहा है। गौण खनिजों से राज्य को स्थानीय राजस्व, रोजगार और पंचायत निधि का बड़ा हिस्सा प्राप्त होता है। जिला पंचायतों और नगर निकायों को इन खनिजों से प्रतिवर्ष सैकड़ों करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है, जिससे ग्रामीण विकास कार्यों को गति मिलती है। खनिज विकास के साथ–साथ राज्य सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और खनन प्रभावित इलाकों के पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया है। डीएमएफ के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और सड़कों जैसी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं।

खनिज विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन का जो उदाहरण छत्तीसगढ़ ने प्रस्तुत किया है, वह आज पूरे देश के लिए एक सस्टेनेबल ग्रोथ मॉडल बन गया है। यहां विकास और हरियाली विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि नीति में दूरदृष्टि और क्रियान्वयन में संवेदनशीलता हो, तो खनिज संपदा केवल भूमि की गहराई में नहीं, बल्कि जनजीवन की समृद्धि में भी झलक सकती है।

हावड़ा एवं नागपुर के मध्य एक तरफ के लिए अन रिज़र्व्ड स्पेशल ट्रेन की सुविधा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

हावड़ा एवं नागपुर के मध्य रेल यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन के द्वारा एक तरफस्पेशल गाड़ी 01066 हावड़ा–नागपुर अन रिज़र्व्ड स्पेशल ट्रेन एक तरफ के लिये चलाई जायेगी । यह स्पेशल ट्रेन हावड़ा से दिनांक 24 अक्टूबर, 2025 को 01066 नम्बर के साथ चलेगी । इस अन रिज़र्व्ड स्पेशल ट्रेन में 2 एसएलआर, 16 सामान्य सहित कुल 18 कोच रहेगी ।

इस गाड़ी की विस्तृत समय–सारणी निम्नानुसार है ङदिनांक 24 अक्टूबर, 2025 को हावड़ा से 21.30 बजे छुट कर

दिनांक 24 अक्टूबर, 2025 को खड़गपुर जंक्शन 00.10/00.15 बजे, टाटानगर 02.35/02.40 बजे, चक्रधरपुर 03.40/03.45 बजे, राऊरकेला 05.25/05.30 बजे, झारसुगुड़ा 06.50/06.55 बजे, रायगढ़ 08.25/08.30 बजे, बिलासपुर 1040/10.45 बजे, रायपुर 12.45/12.50 बजे, दुर्ग 13.50/13.55 बजे, गोंदिया 16.15/16.20 बजे एवं नागपुर 18.20 बजे पहुचेगी ।

जड़कोंगा में पशु मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव अंतर्गत माकड़ी विकाखण्ड के ग्राम पंचायत उड़ेगा के आश्रित ग्राम जड़कोंगा में बुधवार को पशुधन विकास विभाग के तत्वावधान में पशु मेला एवं प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जनप्रतिनिधियों द्वारा गोवर्धन पूजा के साथ की गई, जिसमें गौवंश को खिचड़ी खिलाया गया तथा पारंपरिक राउत नाचा प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती भगवती नेताम, जनपद सदस्य श्री पन्ना लाल नेताम, श्रीमती अनीता नेताम, श्री कृष्ण पोयाम तथा श्री अन्त जैन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मेला एवं प्रदर्शनी में क्षेत्र के पशुपालकों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। विभाग की

ओर से पशुओं की निःशुल्क जांच, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा पोषण एवं देखभाल संबंधी जानकारी प्रदान की गई। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में पशुपालन को प्रोत्साहित करना तथा पशुपालकों को नवीन तकनीकी जानकारी एवं व्यवसायिक मार्गदर्शन प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान पशुपालन के महत्व पर भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का संचालन विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया तथा समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने विभाग के कार्यों की सराहना करते हुए ग्रामीणों को पशुधन संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर होने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत उड़ेगा के सरपंच श्री सोनाराम सोरी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं पशुपालक सम्मिलित हुए। विभागीय प्रतिनिधियों में उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, जिला कोंडागांव के डॉ. एमबी सिंह, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी माकड़ी डॉ. सुदरन मरकाम, डॉ. पीएल ठाकुर (पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ), डॉ. केके कोराम, डॉ. ढालेश्वरी साहू, मोबाइल पशु चिकित्सा यूनिट प्रभारी डॉ. श्याम सुंदर नाग, पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी श्री सियाराम नेताम एवं विभाग के समस्त परिचारक उपस्थित रहे।

अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों के लिए ‘श्रेष्ठ योजना’ हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए देश के श्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में मिलेगा प्रवेश अवसर

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

अनुसूचित जाति के मेधावी विद्यार्थियों को देश के सर्वश्रेष्ठ निजी आवासीय विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार की ‘श्रेष्ठ योजना’ के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2025, शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के लिए 3000 नए विद्यार्थियों का चयन किया जाता है, जो कक्षा 12वीं तक की शिक्षा पूरी करते हैं। स्कूलों का आबंटन योग्यता और विद्यार्थियों की प्राथमिकता के आधार पर आनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से किया जाता है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022–23 से संचालित यह योजना राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों के माध्यम से अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों को कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश का अवसर प्रदान करती है। इसके लिए राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा (श्रेष्ठ) का आयोजन किया जाता है। आगामी परीक्षा दिसंबर 2025 में संभावित है।

श्रेष्ठ योजना के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन का मापदंड ऐसे विद्यालय हैं जो न्यूनतम पाँच वर्षों से सतत रूप से संचालित हों, पिछले तीन वर्षों में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की परीक्षाओं में कम से कम 75 प्रतिशत या उससे अधिक उत्तीर्णता दर प्राप्त कर चुके हों, तथा जिनके पास कक्षा 9वीं और 11वीं में अतिरिक्त रूप से कम से कम 10 अनुसूचित जाति विद्यार्थियों को समायोजित करने हेतु आवश्यक एवं उपयुक्त बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हों।

इस योजना के अंतर्गत चुने गए विद्यार्थियों को शिक्षण एवं छात्रावास शुल्क का पूरा व्यय भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है। विद्यार्थियों को किसी प्रकार का शुल्क या अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होता। साथ ही, शैक्षणिक समायोजन में सहायता हेतु ‘ब्रिज कोर्स’ के लिए वार्षिक शुल्क का 10ब तक का प्रावधान है।

योजना अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन ह्श्र की वेबसाइट पर किया जा सकता है। आवेदन सुधार हेतु विंडो 1 से 2 नवंबर 2025 तक खुली रहेगी। विस्तृत दिशा–निर्देश एवं सार्वजनिक सूचना https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s388a839f2f6f1427879fc33ee4acf4f66/uploads/2025/10/2025101013846214 54.pdf पर उपलब्ध हैं।

राज्य शासन ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने जिलों में स्कूलों, वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से इस योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि पात्र विद्यार्थी समय पर आवेदन कर सकें और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के इस अवसर का लाभ उठा सकें।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
Email ID-rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं. / 25246/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 3/2025
रायपुर दिनांक 23/10/2025

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 25246
वार्ड का नाम–47–मदर टेरेसा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 47 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR344E00175** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **JETHANAND KHATWANI, SMT. DURGA DEVI KHATWANI, SMT. GUNJAN AHUJA** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. CHANDRAPAL KHATWANI, W/O LT. JAYPRAKASH KHATWANI, W/O RAMESH AHUJA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **01. PAWAN KUMAR WADHWANI S/O LT. LAXMAN DAS WADHWANI** पिता/पति श्री/श्रीमती **02. NANAK RAM KINGRANI S/O LT. GIRDHARI LAL KINGRANI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 3
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –01 सिरपुर भवन व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
ई–मेल–eocghbzone1@gmail.com

आम–सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय नगर कालोनी, रायपुर में निर्मित जूनियर.एम.आई.जी योजना के अतर्गत, भवनों में से भवन क्रमांक – जूनियर एम.आई.जी–164 सेक्टर 03 में श्रीमती ज्योति वर्मा पति स्व. श्री सी.पी.वर्मा को भाड़ाक्रय / स्ववित्तीय आधार पर आबंटित / नामांतरित किया गया है।

मूल/नामांतरित आबंटी की मृत्यु दिनांक 24.12.2023 को हो जाने के कारण उनके वारिस 1. श्रीमती सुनीता वर्मा पति श्री कृष्ण कुमार वर्मा 2. श्रीमती सरिता चन्द्रवंशी पति श्री अजय सिंह चन्द्रवंशी द्वारा उक्त भवन अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र / सहमति पत्र (तृतीय वारिस श्रीमती पुष्पा बंछोर पति श्री हर्षवर्धन बंछारे दोनों की मृत्यु दिनांक 23.05.2008 व 25.03.2022 को हो जाने के कारण उनकी दोनों पुत्री 1. श्रीमती मोनिका बंछोर पति श्री विवेक वर्मा 2. श्रीमती मीनल बंछोर पति श्री रित्विक रावल), अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन 1. श्रीमती सुनीता वर्मा पति श्री कृष्ण कुमार वर्मा 2. श्रीमती सरिता चन्द्रवंशी पति श्री अजय सिंह चन्द्रवंशी के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

किसी भी व्यक्ति शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो, तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–01
कबीर नगर, रायपुर

कार्यालय संपदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र –03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.)
फोन नं. – 0771–2991574
Email ID:eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्व–साधारण को सूचित किया जाता है कि दीनदयाल आवास योजना, सेजबहार/दतरेंगा, रायपुर में स्थित भवन क्र. एल.आई.जी.–403, श्री घनश्याम प्रसाद तिवारी पिता श्री भगवती प्रसाद तिवारी, के नाम पर इस कार्यालय का आबंटन आदेश क्रमांक 1538 दिनांक 10.02.2007 द्वारा स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में दिनांक 01.10.2018 को लीजडीड पंजीकृत करा लिया गया है। तत्पश्चात् वर्तमान में आबंटी श्री घनश्याम प्रसाद तिवारी पिता श्री भगवती प्रसाद तिवारी, निवासी:–जानकी कुंज, फाफाडीह, रमण मंदिर वार्ड, रायपुर (छ.ग.) द्वारा उक्त भवन को क्रेता श्रीमती प्रभा मिश्रा पति श्री चंद्रेश मिश्रा, निवासी: जशपुर नगर, जिला जशपुर (छ.ग.) के पक्ष में विक्रय करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय इकरारनामा एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था बैंक इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिन के आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद में आपत्ति मान्य नहीं की जायेगी।

संपदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र–03, रायपुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अभनपुर उप तहसील खोरपा
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ:– जिला रायपुर तहसील–अभनपुर प.ह.न.–00010 कोलर ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक–
MD202526441628600023

ईश्तहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00010 के अंतर्गत ग्राम कोलर के वर्तमान भूमिस्वामी मोहम्मद अनिश पिता/पति–मोहम्मद आरिफ पता–सा देवेन्द्र नगर रायपुर के द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 86/6 (0.0185), 89/1(0.0055), 89/2(0.0687) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता रघुनन्दन लाल निर्मलकर पिता/पति–चैतुराम निर्मलकर पता–डुंडा रायपुर के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 31/10/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अभनपुर उप तहसील खोरपा पर की जावेगी। उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 15/10/2025 को जारी किया जाता है।

अतिरिक्त तहसीलदार:
SRIJAN SONKAR
उप तहसील खोरपा

मुहर

खरीफ-2025 तथा रबी वर्ष 2025-26 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु सरगुजा संभाग की समीक्षा बैठक 28 अक्टूबर को

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

कृषि उत्पादन आयुक्त, छत्तीसगढ़ शासन की अध्यक्षता में खरीफ वर्ष 2025 की समीक्षा एवं रबी वर्ष 2025–26 के कार्यक्रम निर्धारण हेतु सरगुजा संभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई है। यह बैठक दिनांक 28 अक्टूबर 2025 (मंगलवार) को प्रातः 11:00 बजे, जिला पंचायत सभागार, सूरजपुर में संपन्न होगी।

बैठक में खरीफ मौसम के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति, फसल क्षेत्रफल एवं उत्पादन की स्थिति की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, आगामी रबी मौसम के लिए कार्यक्रमों एवं लक्ष्यों का निर्धारण किया जाएगा, जिससे कृषकों को

समय पर तकनीकी सहायता एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा सकें।

संभाग के अंतर्गत आने वाले समस्त जिलों के कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, संबंधित विभागों के प्रतिनिधि तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुख अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे बैठक में आवश्यक जानकारी, प्रतिवेदन एवं प्रगति विवरण सहित उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

अवैध धान परिवहन व बिचौलिए पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

समर्थन मूल्य में धान खरीदी हेतु नोडल अधिकारियो को दिया गया प्रशिक्षण

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का खरीदी की तैयारी जिला प्रशासन द्वारा युद्ध स्तर पर शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में गुरुवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में नोडल अधिकारियों को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। कलेक्टर दीपक सोनी ने नोडल अधिकारियो के कार्यों और दायित्वों की जानकारी देते हुए अवैध धान परिवहन एवं बिचौलिए पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि धान खरीदी में नोडल अधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रहेगी। किसी भी समिति में अवैध धान खपाने का प्रयास करने वाले बिचौलिए एवं अवैध धान परिवहन करते पाए जाने पर तत्काल इसकी सूचना तहसीलदार एवं समिति प्रबंधक को देना है। अपने–अपने कार्य क्षेत्र समिति अंतर्गत आने वाले गांव के

संदिग्ध व्यक्ति एवं बिचौलिओं की सूची तैयार कर लें। धान खरीदी के समय क़ानून व्यवस्था बनाए रखने में भी आवश्यक समन्वय करना होगा। उन्होंने कहा कि जिले में लगभग 12 स्थानों पर जांच नाका स्थापित हैं जिन्हे शीघ्र सक्रिय करें और वहां कर्मचारियों की नये सिरे से ड्यूटी लगवाएं। जांच नाका में पंजी संधारित कर प्रतिदिन की कार्यवाही की रिपोर्ट देनी होगी।

धान खरीदी के लिए बरदाने गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए तथा स्टैंकिंग भी उपयुक्त तरीके से कराना है। उन्होंने धान खरीदी के लिए जिला कंट्रोल रूम हेतु संपर्क केन्द्र को सक्रिय करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि इस बार धान खरीदी एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल क्रॉप सर्वे एवं फिजिकल वेरिफिकेशन के आधार पर होगा। अब तक लगभग 1लाख 55 हजार किसानों का पंजीयन हुआ हैं एवं करीब 2372 किसानों का एग्रीस्टेक में पंजीयन शेष हैं। इन छूटे हुए किसानों का पंजीयन अगले दो दिन में पूरा कराने सभी भरसक प्रयास करें। पंजीयन के लिए छूटे हुए किसानों की सूची समितिवार तैयार किया गया हैं। इस सूची को सभी समिति प्रबंधकों, एससडीएम, तहसीलदार, पटवारी, सचिव एवं सरपंच को उपलब्ध कराएं ताकि जल्द पंजीयन पूर्ण हो सके। उन्होंने ग्रामसभा के दौरान ग्रामीणों से प्राप्त दावा आपत्ति का निराकरण करते समय पहले फिजिकल वेरिफिकेशन एप्प से सत्यापन एवं ऑनलाइन एंट्री के बाद निराकरण की सूची ग्राम पंचायत के सार्वजनिक स्थल पर चस्पा करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर जिला खाद्य अधिकारी पुनीत वर्मा, उप पंजीयक सहकारिता उमेश गुप्ता सहित जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नोडल अधिकारी, जिला विपणन अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित थे।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर

https://epaper. pratidinrajdhani.in

हरित विकास और आर्थिक समृद्धि का छत्तीसगढ़ मॉडल-सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर: छत्तीसगढ़ यह नाम अब केवल हरियाली और संस्कृति का पर्याय नहीं रहा, बल्कि भारत की खनिज राजधानी के रूप में भी अपनी पहचान बना चुका है। देश के कुल खनिज भंडार का बड़ा हिस्सा छत्तीसगढ़ की धरती में छिपा है। यही कारण है कि राज्य की अर्थव्यवस्था में खनिजों का योगदान लगातार बढ़ रहा है और प्रदेश की सकल घरेलू उत्पाद जीएसडीपी में खनिज क्षेत्र की हिस्सेदारी करीब 10 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है। राज्य गठन के समय खनिज राजस्व 429 करोड़ रूपए था, जो अब बढ़कर 14 हजार 592 करोड़ हो गया है। 25 साल में राज्य का खनिज राजस्व में 34 गुना बढ़ गया है। वन एवं पर्यावरण संतुलन को बनाए रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य की यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 1980 से अब तक वनसंरक्षण अधिनियम के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में केवल 28 हजार 700 हेक्टेयर भूमि ही खनन के लिए दी गई है, जो कि राज्य के वन क्षेत्र 59.82 लाख हेक्टेयर का 0.47 प्रतिशत और राज्य के कुल भू-भाग 135 लाख हेक्टेयर का 0.21 प्रतिशत है। खनन क्षेत्र में कटाई के साथ 5 से 10 गुना वृक्षारोपण को अनिवार्य किए जाने से राज्य के वन क्षेत्र में 68 हजार 362 हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट के अनुसार देश में सर्वाधिक है।

खनिज राजस्व से न केवल प्रदेश को आर्थिक संबल मिल रहा है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर भी खुल रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार खनिज संपदा के दोहन को पर्यावरणीय संतुलन और जनहित से जोड़कर खनिज से विकास की नई परिभाषा गढ़ रही है।छत्तीसगढ़ के प्रमुख खनिजों में से महत्वपूर्ण कोयला, ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत है। छत्तीसगढ़ देश का दूसरा सबसे बड़ा कोयला उत्पादक राज्य है। राज्य में

कोयले का भंडारण 74,192 मिलियन टन है, जो देश के कोयल भण्डार का लगभग 20.53 प्रतिशत है। कोयला उत्पादन में छत्तीसगढ़ राज्य की देश में 20.73 प्रतिशत हिस्सेदारी है। देश के कोयला उत्पादक राज्यों में छत्तीसगढ़ का दूसरा स्थान है। प्रदेश के कोयले का उपयोग ताप विद्युत संयंत्रों, सीमेंट, इस्पात और कोयला आधारित मध्यम व लघु उद्योगों में किया जा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता में छत्तीसगढ़ का योगदान पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण है। लौह अयस्क देश के इस्पात उद्योग की रीढ़ है, जो छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में विद्यमान है। कबीरधाम से लेकर दल्लीराजहरा से होते हुए दंतेवाड़ा बैलाडीला तक फैली पर्वत श्रृंखलाओं में 4,592 मिलियन टन लौह अयस्क भंडार मौजूद है, जो राष्ट्रीय भंडार का 19.09 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 16.64 प्रतिशत है। एनएमडीसी की बैलाडीला खदानें (दंतेवाड़ा) और दल्ली-राजहरा खदानें (बालोद) देश के इस्पात उद्योगों की जीवनरेखा हैं। यहां से भिलाई इस्पात संयंत्र और देशभर के उद्योगों को उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क मिलता है। लौह अयस्क उत्पादन में छत्तीसगढ़ का देश में द्वितीय स्थान है।

छत्तीसगढ़ में 992 मिलियन टन बाक्साइट भंडार है, जो देश का 20 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 4.3 प्रतिशत है। सरगुजा, बलरामपुर और कबीरधाम जिलों में हिन्डाल्को, वेदांता और सीएमडीसी जैसी कंपनियाँ सक्रिय हैं। बाक्साइट से निर्मित एल्युमिनियम ऊर्जा, निर्माण और रक्षा उद्योग के लिए अहम है। चूना पत्थर सीमेंट उद्योग का मेरुदंड है। राज्य में 13,211 मिलियन टन चूना पत्थर का भंडार है, जो देश के कुल भंडार का 5.8 प्रतिशत है। राष्ट्रीय उत्पादन में छत्तीसगढ़ का योगदान 11 प्रतिशत है। बलौदाबाजार, रायपुर, जांजगीर-चांपा और रायगढ़ जिलों में अल्ट्राटेक, एसीसी, अम्बुजा, श्री सीमेंट, ग्रासिम जैसे संयंत्र कार्यरत हैं। बलौदाबाजार को अब 'सीमेंट हब' कहा जाता है।

शहीद दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम विष्णुदेव साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों को दीपावली और गोवर्धन पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली का पर्व प्रकाश, सत्य और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पावन पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और नकारात्मकता पर सकारात्मकता की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दीपों का यह उत्सव हमारे जीवन में नई ऊर्जा, नई चेतना और आशा का संचार करता है। मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे दीपावली को स्वदेशी भावना के साथ, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए मनाएं और एक-दूसरे के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज में प्रेम और सौहार्द का संदेश फैलाएं।

मुख्यमंत्री साय ने गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व प्रकृति, पशुधन और पर्यावरण के प्रति हमारी श्रद्धा और आभार का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि प्रकृति का संरक्षण ही समृद्धि का आधार है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली और गोवर्धन पूजा का यह पावन अवसर छत्तीसगढ़ राज्य में खुशहाली, समृद्धि और विकास की नई रोशनी लेकर आएगा तथा हर घर में आनंद, शांति और उजाला फैलाएगा।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छठ घाटों का निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायज़ा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छठ घाटों का निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायज़ा आगामी छठ महापर्व के मद्देनज़र पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शंकरघाट और गोधनपुर स्थित घाटों पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों से घाटों की साफ़-सफ़ाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय तथा यातायात प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूर्ण कर ली जाएँ। अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा जन-आस्था का पवित्र पर्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु सूर्य उपासना के माध्यम से परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते हैं। इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि इस पर्व का आयोजन स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएँ, ताकि रात्रि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार

राज्यपाल डेका से छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के अध्यक्ष कावड़िया ने की भेंट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां राजभवन में छत्तीसगढ़ दिव्यांगजन वित्त विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल को दीपावली की शुभकामनाएं दी साथ ही दिव्यांगजनों द्वारा हस्त निर्मित मोमबत्ती, कुकीज, चॉकलेट, बॉटल ऑफ आर्ट आदि सामग्री भेंट की। राज्यपाल ने भी उन्हें दीपावली शुभकामनाएं दी।

कावड़िया ने दिव्यांगजनों के हित से जुड़े विषयों पर राज्यपाल को जानकारी दी। राज्यपाल डेका ने प्रदेश में दिव्यांजनों के लिए संचालित गतिविधियों के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया।

बस्तर ओलिंपिक 2025 : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खेलों के माध्यम से शांति और समरसता का संदेश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा।

बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं।

बस्तर की खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर लाने की पहल

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था - बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा।

बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों—नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों—को भी सम्मिलित किया जा रहा है। यह पहल खेल के माध्यम से पुनर्वास, पुनर्जीवन और सामाजिक एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

प्रतियोगिताएं तीन स्तरों—विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर—पर आयोजित हो रही हैं। विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से, जिला स्तर पर 5 नवम्बर से और संभाग स्तर पर 24 नवम्बर से आयोजित की जाएगी। विजेताओं को जिला और संभाग स्तर पर नगद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। नगद राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। संभागीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों को बस्तर यूथ आइकॉन के रूप में प्रचारित किया जाएगा। यह 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' मॉडल बस्तर में नई सामाजिक चेतना का प्रतीक बनेगा। 'बस्तर ओलंपिक 2025' के लिए वन भैंसा और पहाड़ी मैना को शुभंकर बनाया गया है,

जो बस्तर की जीवंतता और सामुदायिक शक्ति का प्रतीक हैं। यह आयोजन न केवल खेलों का, बल्कि बस्तर की संस्कृति, सौहार्द और विकास के नए युग का उत्सव बनेगा।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था - बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है।प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा। बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों—नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों—को भी सम्मिलित किया जा रहा है।

सुषमा के स्नेहिल सृजन
छंद-कृपाण घनाक्षरी

.....

भाई दूज

————————————

आते यहाँ खरीदार, कपड़ों की भरमार,
सजा हुआ है बाजार,
मिले हमें उपहार।
पर्व यह बड़ा प्यारा, बहना को लगे न्यारा,
'सुषमा' है जग सारा,
सुखी रहे परिवार।
शुभ्र दिन प्रिय पर्व, बहना करती गर्व,
चाहती हैं स्नेह सर्व,
माँगती हैं बार-बार।
परिधान वस्त्र लाल, आरती सजाएँ थाल,
अरुण तिलक भाल,
भाई दूज का त्योहार।

————————————

.कवयित्री सुषमा प्रेम पटेल , रायपुर छ

उद्योग मंत्री ने वार्ड क्र. 54 व 55 को दी साढ़े 52 लाख रू. के विकास कार्यो की सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

(सुमेधा बस्ती में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में 03 नये विकास कार्ये का किया भूमिपूजन, पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुए समयसीमा में कार्य पूरा करने के दिए निर्देश)- प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक मंत्री लखनलाल देवांगन ने कल नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 54 व 55 को साढ़े 52 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात दी, दर्री जोन के सुमेधा बस्ती में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान मंत्री देवांगन ने 03 नये विकास कार्यो का भूमिपूजन किया तथा तत्काल कार्य प्रारंभ कर पूर्ण

गुणवत्ता के साथ कार्य संपादन करते हुए समयसीमा में कार्यो को पूरा करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 54 जमनीपाली अंतर्गत प्राथमिक शाला बरेड़ीमुडा में जिला खनिज न्यास मद से 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से शाला के नवीन भवन का निर्माण किया जाना हैं, वहीं वार्ड क्र. 54 जमनीपाली के ही अंतर्गत प्राथमिक शाला डुमरमुड़ा में जिला खनिज न्यास मद से 16 लाख 95 हजार रूपये की लागत से शाला में नवीन भवन का निर्माण होना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 55 सुमेधा में पार्षद निवास के सामने निगम मद से 18 लाख 50 हजार रूपये की लागत से नाली का निर्माण भी किया जाना हैं। दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 55 सुमेधा बस्ती में के दौरान उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए उक्त तीनों विकास

छत्तीसगढ़ के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में व्यापारी हुए शामिल

CAIT के दीपावली मिलन में व्यापारियों के दीप से स्वदेशी संकल्प की लौ जगमगाई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य अमर पारवानी, प्रदेश चेयरमेन मगेलाल मालू, प्रदेश चेयरमेन विक्रम सिंहदेव, प्रदेश एक्जीक्यूटिव चेयरमेन जितेन्द्र दोशी, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन, प्रदेश महामंत्री सुरेन्दर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (CAIT) छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित भव्य दीपावली मिलन समारोह आज

पंडरी स्थित ब्राप्ज् प्रदेश कार्यालय में उत्साह, उमंग और स्वदेशी भावना के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि, व्यापारी उद्योगपति, युवा एवं महिला व्यापारी एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ CAIT के संरक्षक आसुदामल वाधवानी, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, रामजी भाई पटेल, परविंदर सिंह भाटिया एवं ब्राप्ज् के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन अमर पारवानी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, तथा अनेक गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी नेता विशेष रूप से उपस्थित रहे। के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन एवं भारत सरकार के व्यापारी कल्याण बोर्ड के सदस्य अमर पारवानी ने कहा कि दीपावली केवल रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि स्वदेशी भावना, व्यापारी गौरव और आर्थिक आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि "CAIT का उद्देश्य हर व्यापारी तक स्वदेशी का संदेश पहुँचाना और भारतीय व्यापार को आत्मनिर्भरता की दिशा में अग्रसर करना है।

अमर पारवानी ने कहा कि व्यापारी समाज राष्ट्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है स्वदेशी के दीप से सशक्त भारत का निर्माण हमारा संकल्प है। हर दुकान स्वदेशी का शंखनाद के साथ हमारा पूरा व्यापारी समाज आत्मनिर्भर भारत की ओर अग्रसर इसके लिए हमारी पूरी टीम द्वारा पूरे प्रदेश में अभियान चला रहे है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत CAIT छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने किया इस दीपावली पर हर व्यापारी ने वोकल फॉर लोकल के संकल्प के साथ अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देकर हम न केवल देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बना सकते हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में व्यापारियों के सशक्तिकरण, डिजिटल ट्रेडिंग में भागीदारी एवं स्वदेशी व्यापार के प्रसार जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मिठाइयों और शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के बीच पूरा माहौल

पटना के तरफ जाने के लिए 25 अक्टूबर को 1055 आरक्षित बर्थ की खाली है'

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान अतिरिक्त भीड़ को समायोजित कर यात्रा करने हेतु स्पेशल ट्रेन की सुविधा दुर्ग - पटना एवं गोंदिया पटना के मध्य रेल यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन के द्वारा एक - एक फेरे के लिए छठ स्पेशल गाड़ी चलाई जा रही है।

08795 दुर्ग-पटना ट्रेन में सेकंड एसी में आर ए सी 01, तृतीय श्रेणी में 378 सीटें स्लीपर क्लास में 53 सीटें एक 3 इकोनामी कोच में 86 सीटें खाली हैं । 11:30 बजे के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग 517 सीटें दुर्ग - पटना ट्रेन में उपलब्ध हैं। यात्री अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। 08889 गोंदिया-पटना-ट्रेन में सेकंड एसी में 11सीटें, तृतीय श्रेणी में 01 सीटें, स्लीपर क्लास में 526 सीटें खाली हैं । 11:30 बजे के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग 538 सीटें गोंदिया- पटना ट्रेन में उपलब्ध हैं। यात्री अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

आत्मघात की नादानी

यह शर्मसार करने वाली बात है कि दिल्ली की गिनती दुनिया के सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में हो रही है। जहरीली हवा में सांस लेना मुश्किल होने पर श्वसनतंत्र के रोगियों को किस संत्रास से गुजरना पड़ा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। दिल्ली में एक्यूआई का स्तर पौने चार सौ के खतरनाक स्तर तक पहुंच जाना कई इंजनों वाली सरकारों और समाज की सामूहिक विफलता को ही दर्शाता है। बताते हैं कि दिल्ली की आबोहवा पिछले पांच सालों के सबसे खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। मजबूरी की स्थिति में दिल्ली सरकार को ग्रैप-2 की सख्त नीतियां लागू करनी पड़ी हैं। निस्संदेह, दिल्ली के प्रदूषण में अकेले पटाखों की ही भूमिका नहीं है, बल्कि लगातार बढ़ती आबादी का बोझ, हर साल बनने वाले एक लाख मकानों के निर्माण से फैलने वाला प्रदूषण तथा प्रतिवर्ष सड़कों पर उतरने वाली लाखों गाड़ियों का उत्सर्जन भी शामिल है। एक नागरिक के रूप में हमारा गैरजिम्मेदार व्यवहार इस संकट को बढ़ाने वाला है। हम कभी पराली जलाने और कभी पटाखे छोड़ने को इस संकट का कारण बताते हैं, लेकिन वास्तव में प्रदूषण के कारक हमारे तंत्र की नाकामी में हैं, जिसकी वजह से दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई तीन सौ पचास का आंकड़ा पार कर गया। दीपावली के बाद भी हवा का जहरीला बना रहना बेहद गंभीर विषय है। शायद वजह यह भी हो कि लोगों ने कुछ इलाकों में दो दिन दिवाली मनाई। लेकिन इस सारे प्रकरण में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की कवायदें भी निष्फल ही नजर आईं। ग्रैप-2 का लागू होना स्थिति की गंभीरता को ही दर्शाता है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत होने पर वायु गुणवत्ता का संकट गहराने लगता है। जो दिल्ली की दिवाली के बाद प्राणवायु को ही दमघोंटू बनाने लगता है। हर साल शीर्ष अदालत की सक्रियता और सरकारी घोषणाओं के बावजूद स्थिति नहीं सुधरती तो यह हमारी आपराधिक लापरवाही की परिणति भी है। बहरहाल, कतिपय सामाजिक व धार्मिक संगठनों के सबल आग्रह के बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में सिर्फ पर्यावरण को कम हानि पहुंचाने वाले ग्रीन पटाखों की अनुमति दी थी, लेकिन प्रदूषण का स्तर बता रहा है कि यह प्रयास विफल रहा है। लोगों ने ग्रीन पटाखों की आड़ में प्रदूषण फैलाने वाले पटाखे जमकर फोड़े हैं। जो लोगों के आत्मघाती व्यवहार का ही परिचायक है। वैसे पर्यावरणविदों का मानना है कि ग्रीन पटाखे प्रदूषण नहीं फैलाते, यह सोच तार्किक नहीं है। दिल्ली में प्रदूषण की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस तर्क से सहमत हुआ जा सकता है। अंदाजा लगाना कठिन नहीं है कि बच्चों और बुजुर्गों पर इस संकट का कितना नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा होगा।

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो। वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।''

नीरज कुमार दुबे।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्राय: घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं। देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं- पहला, यह कि वह आश्वासन का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, काफी कम तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों। दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति राष्ट्रीय हित से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में सुपर डीलमेकर की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को एक बड़ी डील के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर अमेरिका फर्स्ट नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है- क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है। उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं- क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे फर्जी या अधूरे दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर नो कमेंट नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे-धीरे स्वीकार्य धारणा बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते। अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को घरेलू प्रचार का हथियार बना देता है? देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकता- लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को सहभागी की तरह प्रस्तुत करे, उपसंहारक की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को औपचारिक संवाद के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़-मरोड़ सकें। इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म-केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को शो में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए।

अमेरिकी राष्ट्रपति के दीपावली डिप्लोमेसी में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके फर्जी तेल-सत्य के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी ट्रंप टेलीफोन कॉल से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

लग्जरी लोकपाल कैसे बनेंगे भ्रष्टाचार विरोधी और सार्वजनिक जीवन में शुचिता की मिसाल?

नीरज कुमार दुबे।

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सशक्त और स्वतंत्र संस्था के रूप में लोकपाल का गठन किया गया था। उद्देश्य स्पष्ट था- सत्ता के गलियारों में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल कसना और सार्वजनिक जीवन में शुचिता को संस्थागत रूप देना। परंतु विडंबना देखिए कि आज वही संस्था, जिसके गठन से आम जनता ने पारदर्शिता और सादगी की उम्मीद की थी, अब अपनी छवि पर सवालों के घेरे में है। वजह है लोकपाल कार्यालय की ओर से सात बीएमडब्ल्यू 330एलआई एम स्पोर्ट कारों की खरीद के लिए जारी किया गया करोड़ों रुपये का निविदा आमंत्रण। यह कदम न केवल नैतिक दृष्टि से सवाल खड़े करता है, बल्कि उस वैचारिक आधार को भी कमजोर करता है जिस पर लोकपाल की इमारत खड़ी की गई थी। जब संस्था का गठन हुआ था, तब लोग उम्मीद कर रहे थे कि लोकपाल सत्ताधारी वर्ग की जवाबदेही तय करेगा। लेकिन आज, जब लोकपाल खुद विलासिता की राह पर अग्रसर दिखाई देता है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वही संस्था है जिसके लिए देश की जनता सड़कों पर उतरी थी?

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसी तर्क को रेखांकित करते हुए पूछा है, जब सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश साधारण

लोकपाल कार्यालय द्वारा जारी टेंडर में कहा गया है कि ये वाहन संस्थान के अध्यक्ष एवं सदस्यों के उपयोग हेतु होंगे। सवाल यह है कि एक ऐसी संस्था, जिसे सार्वजनिक धन की शुचिता पर नजर रखनी चाहिए, वह खुद इतने महंगे वाहनों की खरीद को कैसे उचित ठहरा सकती है? जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी सामान्य सिडान कारों से कार्य कर सकते हैं, तब लोकपाल के लिए करोड़ों की जर्मन गाड़ियाँ क्यों आवश्यक हैं?

गाड़ियों में चलते हैं, तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू की क्या आवश्यकता है? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक संवेदनशीलता का भी है।

जनता के कर के पैसे से बनी संस्थाओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। परंतु जब ऐसी संस्थाएँ अपने ही संसाधनों को विलासिता में व्यय करने लगें, तो यह संकेत है कि व्यवस्था में आत्ममुग्धता प्रवेश कर चुकी है। यह बात भी विचारणीय है कि अब तक लोकपाल ने कितने बड़े भ्रष्टाचार मामलों में कार्रवाई की है? वर्ष 2014 से लेकर अब तक, इस संस्था की उपलब्धियाँ नगण्य रही हैं। कई राज्यों में लोकायुक्त सक्रिय हैं, लेकिन राष्ट्रीय लोकपाल की भूमिका अधिकतर औपचारिक ही दिखी है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च कर विलासिता का यह प्रदर्शन, न केवल नैतिक असंगति है, बल्कि जनता के विश्वास का भी दुरुपयोग है। विपक्षी नेताओं के अलावा नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भी इस निविदा पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि लोकपाल को यह टेंडर रद्द कर मेक इन इंडिया की भावना के अनुरूप महिंद्रा या टाटा के इलेक्ट्रिक वाहनों का चयन करना चाहिए था। यह सुझाव केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी सार्थक है। जब देश आत्मनिर्भर भारत और ईवी मिशन की दिशा में अग्रसर है, तब विदेशी विलासिता को अपनाना आत्मनिर्भरता की भावना के विपरीत है। देखा जाये तो लोकपाल जैसी संस्था का नैतिक बल उसकी सादगी और ईमानदारी में निहित होता है। यदि वही संस्था आम जनता से कटकर अभिजात्य मानसिकता अपनाने लगे, तो उसका नैतिक अधिकार स्वत: कमजोर हो जाता है।

अंतिम सांसें लेता माओवाद, आत्मसमर्पण का सिलसिला जारी

आरके विज।

माओवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों को हाल में कुछ बड़ी सफलताएं मिली हैं। इनमें महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में माओवादियों की केंद्रीय कमेटी एवं पोलित ब्यूरो के सदस्य वेणुगोपाल उर्फ भूपति उर्फ सोनू का दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों सहित 60 माओवादियों का आटोमेटिक हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कई अर्थों में महत्वपूर्ण था। इनमें से कई जोन एवं डिवीजन स्तर के और कई तकनीकी शाखा के सदस्य थे, जो हथियारों के निर्माण से लेकर उनकी मरम्मत का काम संभालते थे। जब भूपति ने सशस्त्र संघर्ष को रोकने की बात कही तो उत्तर-बस्तर डिवीजन, माड डिवीजन और गढ़चिरौली डिवीजन के माओवादियों ने उसका समर्थन किया। इसके बाद दंडकारण्य के माओवादी रूपेश उर्फ कोपा उर्फ सतीश, भास्कर उर्फ राजमन मडावी, माड की सचिव रनीता, पूर्व-बस्तर की सचिव निर्मला सहित 210 साथियों ने 17 अक्टूबर को जगदलपुर में आटोमेटिक हथियारों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। यह देश में अभी तक का सबसे बड़ा आत्मसमर्पण था। वहीं, 2025 में अब तक 312 माओवादी मुठभेड़ में मारे गए तो 1,600 से अधिक आत्मसमर्पण कर चुके हैं। माओवादियों के सोच में यह बदलाव अचानक नहीं आया। अगस्त 2024 में माओवादियों के पोलित ब्यूरो ने पार्टी को बचाने के लिए सुरक्षात्मक तरीके अपनाने का निर्णय लिया था। सभी बड़े दलों और कंपनियों को छोटे टुकड़ों में बांटकर

भूपति दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी का सचिव रहा है और आत्मसमर्पण से पहले सेंट्रल रीजनल ब्यूरो का सचिव था। भूपति ने शांति वार्ता की पेशकश की थी, परंतु पार्टी के एकमत न होने से बात आगे नहीं बढ़ पाई। भूपति का आत्मसमर्पण माओवादियों के लिए एक बहुत बड़ा झटका है।

सुरक्षा बलों से बचने के प्रयास माओवादी लगातार कर रहे थे। इसके बावजूद सुरक्षा बलों के अभियानों से वे सिकुड़ते जा रहे थे। मई 2025 में पार्टी महासचिव बसवराजू अपनी मिलिट्री कंपनी के साथ नारायणपुर जिले में हुई मुठभेड़ में मारा गया। इसके बाद केंद्रीय कमेटी का सदस्य माडेम बालकृष्ण गरियाबंद में और रामचंद्र रेड्डी एवं कोसा भी मारे गए। कई माओवादियों ने विगत दिनों तेलंगाना में आत्मसमर्पण किया। इनमें पूर्व माओवादी किशन जी की पत्नी पद्मावती उर्फ सुजाता, चंदू, विकास आदि शामिल हैं। लगातार नए सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस को आगे बढ़ते हुए देखकर माओवादी सरगना समझ चुके हैं कि जो लड़ाई उन्होंने 1980 में दंडकारण्य में शुरू की थी, वह किसी भी हालत में जीत नहीं सकते। इसलिए बेहतर है कि आत्मसमर्पण कर अहिंसा का रास्ता अपनाया जाए। बावजूद इसके, सोनू और रुपेश ने कहा है कि वे आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे। बदली हुई स्थिति में सरकार के दो कर्तव्य महत्वपूर्ण हैं। पहला यह कि क्षेत्र का समुचित विकास हो और दूसरे आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का समुचित पुनर्वास। सरकार को चाहिए कि वह ऐसी समस्त सामाजिक असमानताओं को दूर करने का प्रयास करे, जिन्हें आधार बनाकर माओवादियों ने ग्रामीणों में पैठ बनाई थी। विकास की योजना 'नियाद नेलानार' (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं का विस्तार केवल सुरक्षा कैंपों की पांच किलोमीटर की परिधि तक सीमित न रखते हुए ऐसे पूरे इलाकों में कर दें, जहां माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। शिक्षा के आश्रम बनाने, स्वास्थ्य सेवा के लिए अस्पताल या डिस्पेंसरी बनाने की योजनाओं को शीघ्र मूर्त रूप देना होगा, क्योंकि आदिवासियों के लिए वनोपज जीवन का एक महत्वपूर्ण साधन है। उनके उचित दाम एवं उनकी प्रोसेसिंग के लिए कुछ योजनाएं लागू करने पर भी विचार करना होगा। सड़कों का निर्माण और मोबाइल टावर्स भी लगाए जाएं। ऐसे विकास कार्यों को क्रियान्वित करने में यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण को कम से कम नुकसान हो।

बॉलीवुड समाचार

हिना खान ने बिग बॉस 19 के नॉमिनेशन की खोली पोल-पट्टी मेकर्स पर लगाए ये आरोप

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 19 दिन पर दिन दिलचस्प होता जा रहा है। ये न सिर्फ दर्शकों को पसंद आ रहा है, बल्कि पूर्व प्रतियोगियों का ध्यान भी खींच रहा है। बिग बॉस 11 की रनर-अप और मशहूर टीवी अभिनेत्री हिना खान ने अब शो को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की है। उन्होंने ताजा एपिसोड में हुए नॉमिनेशन टास्क को लेकर मेकर्स पर सवाल खड़े किए हैं। उनके ट्वीट ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है।

हिना ने नॉमिनेशन की खोली पोल-पट्टी

हिना ने एक्स पर लिखा, अगर तय नामांकन का एक चेहरा होता। बॉक्स खोलने के लिए सबसे पहले किसको भेजा, सब कुछ तय करता है... और हां बॉक्स नंबर चुनें करने के बाद क्या पीछे से तस्वीर बदली जा रही थी.. हमें क्या पता। जनता जानना चाहती है। इस शो ने दुख की बात है कि अपना आकर्षण खो दिया। शुभरात्रि इस ट्वीट पर सोशल मीडिया यूजर्स भी सहमति जता रहे हैं और नॉमिनेशन प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

जानिए नॉमिनेशन टास्क में क्या-क्या हुआ

बिग बॉस 19 के ताजा एपिसोड में घरवालों के बीच नॉमिनेशन टास्क हुआ जिसकी शुरुआत कुनिका सदानंद से हुई। उन्होंने सबसे पहले गौरव खन्ना का नाम लिया और घर से बेघर करने के लिए नॉमिनेट किया। अभिषेक बजाज ने बसीर अली को नॉमिनेट किया, जबकि बसीर ने गौरव को नॉमिनेट किया। अन्य सदस्यों ने प्रणित मोरे और नेहल चुडासमा को वोट दिया।

अपने आखिरी दिनों में शेफाली जरीवाला ने मुझसे बात की थी सलमान कभी मेरे बीएफ नहीं रहे : क्लॉडिया सिएस्ला

जर्मन-पोलिश मूल की एक्ट्रेस क्लॉडिया सिएस्ला ने बिग बॉस 3 में खूब सुर्खियां बटोरी थीं। वह क्या कूल हैं हम और देसी कट्टे जैसी फिल्मों में भी नजर आईं। बड़े पर्दे पर अक्षय कुमार के साथ उनका आइटम नंबर बलमा सुपरहिट रहा। बीते कुछ समय से वह एक्ट्रेस होने के साथ ही न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में भी प्रैक्टिस कर रही हैं। क्लॉडिया ने शेफाली जरीवाला संग अपनी आखिरी मुलाकात, सलमान खान से रिश्ते पर बेबाक बातचीत की है। क्लॉडिया बताती हैं कि अभिनय के अलावा हेल्थ और फिटनेस ने हमेशा से ही आकर्षित किया है। वह कहती हैं, मैंने न्यूट्रीशियनिस्ट का कोर्स किया। मैंने जब मॉडलिंग और एक्टिंग शुरू की थी, तब साइज जीरो और एजलेस लुक का बहुत प्रेशर था। आज भारत में डायबिटीज, मोटापा और क्रोनिक बीमारियां बढ़ रही हैं, फिर भी लोग साइज जीरो और हमेशा जवान दिखने के दबाव में रहते हैं। अब Ozempic जैसे अनहेल्दी शॉर्टकट्स अपनाए जा रहे हैं, जबकि सही रास्ता लाइफस्टाइल में सुधार है।

तेजी से वजन कम करना रिस्की और अनहेल्दी है

सेलेब्स के बीच कथित तौर पर Ozempic के बढ़ते चलन पर क्लॉडिया सिएस्ला कहती हैं, एक न्यूट्रीशियनिस्ट के रूप में मेरी कोशिश है कि एक मिलियन लोगों की जिंदगी में पॉजिटिव बदलाव लाऊं। शरीर को मंदिर की तरह समझें, शॉर्टकट्स नहीं अपनाएं। जैसे वजन बढ़ने में समय लगता है, वैसे ही घटाने में भी। तेजी से वजन कम करना रिस्की और अनहेल्दी है। खासकर इस तरह की दवाइयां बुरा असर ही डालती हैं।

अपने आखिरी दिनों में शेफाली ने मुझसे बात की थी

शेफाली जरीवाला के अकस्मात निधन ने सभी को सकते में डाल दिया था। उनके बारे में चर्चा थी कि वे एंटी एजिंग पिल्स ले रही थीं और जिस दिन वे गुजरीं उन्होंने व्रत में ये पिल्स ली थीं। इस पर क्लॉडिया कहती हैं, शेफाली मेरी अच्छी दोस्त थी, इसलिए ये मेरे लिए भी काफी शॉकिंग था। हेल्थ और ब्यूटी को लेकर हमारी बात हुई थी। वो काफी हेल्थ कॉन्शियस थी और हमेशा फिटनेस को महत्व दिया करती थीं। उसको जिम भी जाना होता था। वो हमेशा हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाया करती थी। मुझे कभी नहीं लगा कि उसे इतनी सलाह की जरूरत थी। वो जो चाहती थी, पूछ लेती थी, तो जब ये खबर आई, तो मैं तो सदमे में आ गई थी।

रोजाना दो घंटे हिंदी क्लासेज लिया करती थी

मूल रूप से पोलिश-जर्मन अभिनेत्री क्लॉडिया की हिंदी काफी अच्छी है। इसके पीछे का का राज बताते हुए वे कहती हैं, बिग बॉस में आने से पहले किसी ने मुझे ये बात नहीं बताई कि यहां अंग्रेजी अलाउड नहीं है। मेरे लिए ये काफी चुनौतीपूर्ण रहा, तो जब मैं बिग बॉस के घर से बाहर आई, तो मैंने हिंदी सीखने का प्रण लिया। मैंने एक टीचर रखा और रोजाना दो घंटे हिंदी की क्लासेज लीं।

सलमान खान बहुत सपोर्टिव हैं

क्लॉडिया का नाम एक तरफ सलमान खान से जुड़ा था, तो दूसरी तरफ बिग बॉस के कंटेस्टेंट प्रवेश राणा के साथ भी उनके लिंकअप्स की खबरें थीं। इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, बिग बॉस 3 में, सिर्फ मैं और प्रवेश सिंगल थे, बाकी सब शादीशुदा थे। हम अच्छे दोस्त थे, लेकिन कुछ लिमिटेड फुटेज देखकर लोगों ने बातों को बढ़ा-चढ़ा दिया। जहां तक सलमान खान से नाम जुड़ने की बात है, हम सिर्फ एक पार्टी में मिले थे। न जाने कैसे अफवाह बन गई। मैं कई साल से इस बात का खंडन कर रही हूं। सलमान अच्छे इंसान और सपोर्टिव फ्रेंड हैं, मगर वो मेरे बॉयफ्रेंड नहीं हैं। मेरे बॉयफ्रेंड हैं अर्जुन गोयल, वो मेरे सोलमेट हैं। हम चाहते हैं जिंदगी साथ बिताएं और शायद आगे किसी रियलिटी शो में साथ नजर भी आएं।

बिग बॉस में आई, तब पहली बार अमिताभ बच्चन को सर्च किया

क्लाउडिया आगे कहती हैं, ये 2009 की बात थी। मैं अपनी एक फिल्म का प्रमोशन करने इंडिया आई थी। जब मुझे बिग बॉस का ऑफर मिला और बताया गया कि इसे अमिताभ बच्चन होस्ट करने वाले हैं, तब मैंने पहली बार अमिताभ बच्चन को सर्च किया था। उस वक्त बिग बॉस का सीजन 12 हफ्तों का था और मैं दस हफ्तों तक रही। मेरे करियर के लिए वो टर्निंग पॉइंट था।

महापौर मीनल चौबे ने दीपावली पश्चात सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

शास्त्री बाजार सहित अन्य स्थानों पर कचरे के ढेर, गन्दगी देखकर नाराजगी व्यक्त कर कचरा, गन्दगी तत्काल उठवाने कहा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
महापौर मीनल चौबे ने दीपावली पश्चात सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण, शास्त्री बाजार सहित अन्य स्थानों पर कचरे के ढेर, गन्दगी देखकर नाराजगी व्यक्त कर कचरा, गन्दगी तत्काल उठवाने कहामोतीबाग चौक मार्ग पर उर्स पाक आयोजन समाप्ति पश्चात भी सड़क पर लग रही अस्थायी दुकानों को यातायात जाम दूर करने तत्काल सड़क से हटाने दिए निर्देश रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दीपावली पर्व के पश्चात राजधानी शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दीपावली पश्चात शहर में सफाई व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान शास्त्री बाजार क्षेत्र और अन्य स्थानों में कचरा और गन्दगी यहां - वहाँ फैली देखी, तो इसे लेकर महापौर ने सम्बंधित जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को दीपावली पश्चात लचर सफाई व्यवस्था विभिन्न स्थानों पर मिलने पर अपनी गहन नाराजगी व्यक्त की और विभिन्न बाजारों और मुख्य मार्गो से कचरे के ढेर और गन्दगी तत्काल हटवाकर वहाँ जनहित में जनस्वास्थ्यसुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दीपावली पश्चात शहर में सफाई व्यवस्था के औचक निरीक्षण के दौरान शास्त्री बाजार क्षेत्र और अन्य स्थानों में कचरा और गन्दगी यहां - वहाँ फैली देखी, तो इसे लेकर महापौर ने सम्बंधित जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों को दीपावली पश्चात लचर सफाई व्यवस्था विभिन्न स्थानों पर मिलने पर अपनी गहन नाराजगी व्यक्त की और विभिन्न बाजारों और मुख्य मार्गो से कचरे के ढेर और गन्दगी तत्काल हटवाकर वहाँ जनहित में जनस्वास्थ्यसुरक्षा बाबत स्वच्छता कायम करना सुनिश्चित करने निर्देशित किया है.

रानाटोला जलाशय और चुहरीनाला बांध के कार्यों के लिए 5.82 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखण्ड-मोहला की रानीटोला जलाशय के लाईनिंग कार्य कराने 2 करोड़ 37 लाख 91 हजार रुपये स्वीकृत किये हैं। इस सिंचाई योजना के कार्य हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई 273 हेक्टेयर के विरूद्ध 120 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा जल से 90 हेक्टेयर में अतिरिक्त सिंचाई सहित कुल 282 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड-डोंगरगांव की चुहरीनाला बांध की मरम्मत एवं नहीं लाईनिंग कार्य के लिए 3 करोड़ 44 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण हो जाने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 308 हेक्टेयर के विरूद्ध 210 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा बचत जल से 20 हेक्टेयर क्षेत्र मे अतिरक्त सिंचाई सहित कुल 328 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से दोनो सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड-डोंगरगांव की चुहरीनाला बांध की मरम्मत एवं नहीं लाईनिंग कार्य के लिए 3 करोड़ 44 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण हो जाने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 308 हेक्टेयर के रही अतिरक्त सिंचाई सहित कुल 328 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से दोनो सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन

''दुर्ग एवं पटना एवं गोंदिया- पटना के मध्य एक- एक फेरे के लिए स्पेशल ट्रेन की सुविधा''

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
पटना के तरफ जाने के लिए 25 अक्टूबर को 1055 आरक्षित बर्थ की खाली हैं'' दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान अतिरिक्त भीड़ को समायोजित कर यात्रा करने हेतु स्पेशल ट्रेन की सुविधा दुर्ग - पटना एवं गोंदिया पटना के मध्य रेल यात्रियो की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेलवे प्रशासन के द्वारा एक - एक फेरे के लिए छठ स्पेशल गाड़ी चलाई जा रही है। 08795 दुर्ग-पटना ट्रेन में सेकंड एसी में आर ए सी 01, तृतीय श्रेणी में 378 सीटें स्लीपर क्लास में 53 सीटें एक 3 इकोनामी कोच में 86 सीटें खाली हैं । 11:30 बजे के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग 517 सीटें दुर्ग - पटना ट्रेन में उपलब्ध हैं। यात्री अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं। 08889 गोंदिया-पटना-ट्रेन में सेकंड एसी में 11सीटें, तृतीय श्रेणी में 01 सीटें, स्लीपर क्लास में 526 सीटें खाली हैं । 11:30 बजे के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार लगभग 538 सीटें गोंदिया- पटना ट्रेन में उपलब्ध हैं। यात्री अपनी सुविधा अनुसार आरक्षण कर आरक्षित सीट का लाभ उठा सकते हैं।

सुरजीत सिंह खुराना का निधन

गोविंद नगर पंडरी निवासी श्रीमति अमरजीत कौर खुराना 70 वर्ष पत्नि स्वर्गीय सुरजीत सिंह खुराना का निधन गुरुवार दोपहर 3 बजे हो गया , वह रश्मित सिंह खुराना की माताजी थी।उनकी अंतिम यात्रा आज 24 अक्टूबर को सुबह 11 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर श्मशान घाट ले जाई जाएगी।
संपर्क= रश्मित सिंह खुराना 8889666000

श्रेष्ठ योजना : प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 अक्टूबर तक

,रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2022-23 से देश भर में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले निजी आवासीय विद्यालयों में मेधावी अनुसूचित जाति (एससी) के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से स्कीम फॉर रेजीड़ेंशल एजुकेशन फॉर स्टूडेंट्स इन टारगेट एरिया(श्रेष्ट)योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत प्रत्येक वर्ष सर्वोत्तम निजी आवासीय विद्यालयों का चयन इन मानदंडों के आधार पर किया जाता है।वर्ष 2026-27 के लिए एनईटीएस का आयोजन संभवत: दिसंबर 2025 में किया जाएगा। इच्छुक विद्यार्थी कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन एवं 30 अक्टूबर, 2025 तक की वेबसाइट के माध्यम से कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रवेश परीक्षा (श्रेष्ट) के माध्यम से कक्षा 9 और 11 में प्रवेश के

डॉ. अदिति सिंह त्वचा रोग विशेषज्ञ ने आबू धाबी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
डॉ. अदिति सिंह त्वचा विशेषज्ञ और चर्म रोग विभाग की एचओडी जिला अस्पताल पंडरी रायपुर द्वारा आबू धाबी में आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोलॉजिक एंड एस्थेटिक सर्जरी के सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया।

एमिरेट्स स्कॉलर सेंटर फॉर रिसर्च एंड स्टडीज़ (श्वस्ष्टक्र) एमिरेट्स साइंस एंड रिसर्च फ़ाउंडेशन की एक सहायक संस्था है और यह संयुक्त अरब अमीरात का पहला विशिष्ट वैज्ञानिक केंद्र है जो अनुसंधान सारांशों और वैज्ञानिक अध्ययनों को अनुक्रमित करने प्रकाशित करने और बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। यह केंद्र महत्वाकांक्षी शताब्दी 2071 विजन को प्राप्त करने के लिए नेतृत्व के दूरदर्शी मार्गदर्शन में संचालित होता है जो कुशल प्रतिभाओं के नेतृत्व में ज्ञान-आधारित विविध अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और विकास का लाभ उपलब्ध कराने पर ज़ोर देता है। इसी संस्था के अंतर्गत यूएई में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ डर्मेटोलॉजिक एंड एस्थेटिक सर्जरी का चवालिसवें सम्मेलन 16 से 18 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में डॉ. अदिति सिंह त्वचा विशेषज्ञ और चर्म रोग विभाग की एचओडी जिला अस्पताल पंडरी रायपुर द्वारा शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। डॉ. अदिति सिंह ने सम्मेलन में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. अदिति सिंह को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्याख्यान देने के लिए पूरे भारत की शीर्ष 7 महिला त्वचा विशेषज्ञों में से चुना गया।

फसल विविधीकरण एवं जैविक खेती का मार्गदर्शन मिला किसानों को किसान मेंला में

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
जिला स्तरीय किसान मेले कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशुधन विकास विभाग एवं मत्स्य पालन विभाग द्वारा विभिन्न योजनाओं एवं नवीन तकनीकों की जानकारी हेतु स्टॉल लगाए गए, जिनका जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में किसानों ने अवलोकन किया। यह आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र अजिरम, अम्बिकापुर में आज किया गया। कृषि वैज्ञानिकों ने मेले में फसल विविधीकरण के महत्व पर चर्चा हुए बताया कि पारंपरिक धान की खेती की तुलना में गन्ना, सब्जी एवं उद्यानिकी फसलों से किसानों को अधिक लाभ प्राप्त हो सकता है। वैज्ञानिकों ने बताया कि जहां धान की खेती में एक रुपए की लागत पर लगभग 50 पैसे का लाभ मिलता है, वहीं गन्ने की खेती में एक रुपए की लागत पर 75 पैसे का लाभ

प्राप्त होता है। वहीं शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत 5 किसानों को टमाटर के ग्राफ्टेड पौधे, 5 किसानों को सरसों बीज मिनीकिट, 5 किसानों को स्वॉयल हेल्थ कार्ड एवं बीमा पॉलिसी प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। मत्स्य पालन विभाग द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत 7 लाभार्थियों को आईस बॉक्स एवं मछली पकड़ने के जाल का वितरण किया गया। साथ ही जनप्रतिनिधियों ने ए हेल्प पुस्तक का विमोचन किया।पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि अब सीधे ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को बैंक के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

दीपावली के पावन पर्व पर आदिवासी ध्रुव गोंड समाज एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से ईसर गउरा महोत्सव हर्षौल्लास पूर्वक मनाया

दीपावली एवं ईसर गउरा महोत्सव का भव्य आयोजन

,रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
पलारी अंचल अंतर्गत ग्राम पंचायत ओडान में परम्परागत परिपाटी के अनुरूप ईष्टदेव आदिशक्ति श्रीबड़ादेव की अनुकंपा से दीपावली के पावन पर्व पर आदिवासी ध्रुव गोंड समाज एवं समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से ईसर गउरा महोत्सव हर्षौल्लास पूर्वक मनाया गया ग्राम स्वजाति बंधुओं एवं ग्रामीणों द्वारा चूलमाटी से पवित्र मिट्टी लेकर ईसर महादेव -गौरा की मूर्ति बनाई गई,जिसके बाद रात्रि बारह बजे ईसर महादेव का बारात लेकर आया जिसमें महिलाएं बच्चे समेत बड़ी संख्या में लोग नाचते-गाते हुए ईसर महादेव - गौरा उत्सव में पहुंचे जिसके पश्चात बालाजी मंदिर में ईसर महादेव -गौरा की

पूजा-अर्चना कर विवाह की रस्म निभाई गई। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ रूपी फुलवारी में उपजी पारम्परिक लोक गीतों एवं नृत्यों में भोजली एवं सुवा नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया जिसमें भोजली के चार टोलियों ने हिस्सा लिया भोजली प्रथम स्थान दलगिरहा ग्रुप दर्रीपारा, द्वितीय स्थान स्माइल ग्रुप नयापारा,तृतीय स्थान जय महामाया ग्रुप,चतुर्थ स्थान जय मा सिया ग्रुप एवं सुवा में सात टोलियों ने हिस्सा लिया जिसमें प्रथम स्थान मोर करण सुवा, द्वितीय स्थान नृत्यांगना ग्रुप, तृतीय स्थान सिया बालिका,चतुर्थ स्टार ग्रुप एवं पंचम पुरुस्कार मोर चिरइया के फूल,षष्ठम एवं समाज द्वारा प्रतिभावान छात्रों का सम्मान किया गया जिसमें दसवीं से विन्नी ध्रुव, टिकेश्वरी , दुर्गेश,एवं बारहवीं से मीनू ध्रुव छात्र थे। लोगों में आस्था और परंपरा के तौर पर पुरूषों ने सोंटे लगवाए और महिलाएं झूपती हुई नजर आई लोगों में उत्साह और उमंग परिलक्षित हो रही थी,ईसर महादेव -गौरा का पारंपरिक रूप से विसर्जन किया गया विसर्जन यात्रा में ग्रामीणों द्वारा घर घर गौरा-गौरी की आरती कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई,तत्पश्चात गांव के तालाब में ईसर महादेव -गौरा का विसर्जन किया गया,पूरा गांव इस दौरान भक्ति में सराबोर रहा इस अवसर पर मुख्य अतिथि के पी ध्रुव पूर्व सह आयुक्त आ जा कल्याण रायपुर, प्रमुख अतिथि टिकेश्वर ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत ओडान, लाला सिंहा उपसरपंच,अध्यक्षता नेमीचंद ध्रुव संचालक लवन महासभा,विशिष्ट अतिथि रामस्वरूप ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि, देवव्रत वर्मा,अरुण वर्मा,कुलेश्वर वर्मा, कार्तिकराम

तरुण प्रकाश, ने स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा हेतु व्यवस्थाओं का जायजा लिया एवं यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया

,रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
दीपावली पर्व के बाद घर वापसी एवं छठ पूजा जैसे प्रमुख त्यौहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा, सुगम यात्रा एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल द्वारा व्यापक प्रबंध किए गए हैं । यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए त्योहारों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़-भाड़ को नियंत्रित करने एवं उन्हें सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशनों जैसे रायपुर, दुर्ग, भिलाई पॉवर हाउस , भाटापारा सहित अन्य भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर विशेष होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं । जहाँ भीड़ नियंत्रण एवं यात्री सहायता के लिए वाणिज्य विभाग सहित अन्य कर्मचारियों की निरंतर ड्यूटी लगाई गई है । इन होल्डिंग एरिया में यात्रियों के लिए खानपान, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं । यात्रियों की त्वरित टिकटिंग सुविधा सुनिश्चित करने हेतु हैंड-हेल्ड मशीनों द्वारा मोबाइल टिकटिंग सुविधा से टिकट जारी किए जा रहे हैं, जिससे यात्रियों को टिकट प्राप्त करने में सुविधा हो रही है ।महाप्रबंधक तरुण प्रकाश ने एटीवीएम और मोबाइल टिकटिंग सुविधा द्वारा यात्रियों को टिकट लेते हुए देखा उनके अनुभवों को जाना होल्डिंग एरिया में यात्रियों से बातचीत की खान-पान व्यवस्थाओं हेतू स्टालों का निरीक्षण किया एकीकृत आरक्षण एवं अनआरक्षण केंद्र से टिकट लेने वाले यात्रियों से स्टाफ की व्यवहार कुशलता के बारे में पूछताछ की। यात्रियों को होल्डिंग एरिया अथवा प्रतीक्षालय एवं ट्रेनों में बिठाने, जिन यात्रियों की ट्रेन आने वाली हो उन्हें प्लेटफार्म पर भेजने, फुट ओवर ब्रिज आदि पर यात्रियों की अनावश्यक भीड़ न हो इस पर जोर देते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए । वेटिंग हॉल में स्पेस एवं प्रसाधनों की साफ सफाई की व्यवस्था देखी। गुढ़ियारी छोर पर चल रहे रायपुर स्टेशन के री डेवलपमेंट कार्यों को लेआउट के माध्यम से जाना परखा कार्य में गतिशीलता लाने हेतु भी दिशा निर्देश दिए ।साथ ही यात्रियों से जाना कि उन्हें और किस तरह की और विशेष सुविधा स्टेशन पर मुहैया कराई जाए ताकि उनकी यात्राएं सुखद अनुभव के साथ संपन्न हो। भीड़ भाड़ बढ़ने से स्टेशनों पर यात्रियों को सतत जानकारी प्रदान करने हेतु निरंतर उद्घोषणा की जा रही है, जिससे उन्हें ट्रेनों की स्थिति, प्लेटफॉर्म परिवर्तन एवं अन्य आवश्यक सूचनाएँ समय-समय पर प्राप्त होती रहें । यात्रियों की सहायता के लिए वाणिज्य, सुरक्षा एवं अन्य संबद्ध विभागों के कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई गई है, जो भीड़ नियंत्रण, यात्री मार्गदर्शन एवं सुविधा सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं । मुख्यालय एवं मंडलों में स्थापित वार रूम से स्टेशनों की व्यवस्थाओं पर 24×7 रियल-टाइम निगरानी की जा रही है । इसके लिए अधिकारियों की विशेष ड्यूटी निर्धारित की गई है । साथ ही, सुरक्षा नियंत्रण कक्ष से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सभी प्रमुख स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था पर निरंतर नजर रखी जा रही है । निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के साथ मंडल रेल प्रबंधक, रायपुर दयानंद सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे ।

राजधानी शहर रायपुर के तालाबों की सफाई का अभियान

छठ पूजा पूर्व स्वच्छता कायम करने पूर्व रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न तालाबों में विशेष सफाई अभियान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)
2025 से होने जा रहे छठ पूजा पर्व के पूर्व स्वच्छता कायम करने नगर पालिक निगम रायपुर के स्वास्थ्य विभाग और सभी जोनों के स्वास्थ्य विभाग की टीमों द्वारा राजधानी शहर रायपुर के तालाबों की सफाई का अभियान महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर चलाया जा रहा है.

आज नगर निगम जोन 9 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन क्षेत्र अंतर्गत सड्डू तालाब की छठ पूजा पूर्व की गयी विशेष सफाई के अभियान का प्रत्यक्ष अवलोकन नगर निगम जोन 9 जोन अध्यक्ष गोपेश साहू ने छठ पूजा आयोजन समिति के पदाधिकारियों, जोन 9 के सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में किया और अधिकारियों को छठ पूजा समिति पदाधिकारियों के साथ चर्चा और तालाब के निरीक्षण के पश्चात सड्डू तालाब की छठ पूजा पूर्व विशेष

सफाई के अभियान के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देश दिए.

नगर निगम जोन 8 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन अंतर्गत शहीद भगत सिंह वार्ड क्रमांक 21 के अंतर्गत हीरापुर छठ तालाब की छठ पूजा पूर्व विशेष सफाई अभियान चलाकर कचरा उठवाकर जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल और कार्यपालन अभियंता अतुल चोपड़ा के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा की उपस्थिति में की गयी और हीरापुर छठ तालाब में जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु स्वच्छता कायम की गयी. इसी प्रकार नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 10 जोन अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे, कार्यपालन अभियंता आशीष शुक्ला के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा, स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा की उपस्थिति में जोन 10 अंतर्गत बाबू जगजीवनराम वार्ड क्रमांक 53 अंतर्गत गजराजबाँधा तालाब में छठ पूजा पूर्व स्वच्छता कायम करने विशेष अभियान चलाकर कचरा उठवाया गया और जनहित में जनस्वास्थ्य सुरक्षा हेतु स्वच्छता कायम की गयी.इसी प्रकार सभी जोनों की स्वास्थ्य विभाग टीमों ने जोन अंतर्गत विभिन्न तालाबों की विशेष सफाई अभियानपूर्वक करवाई और घाटों और किनारों से कचरा हटाकर स्वच्छता कायम की.

निजी क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक लैबों पर छापे, मिली खामियां

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर जिला प्रशासन ने निजी चिकित्सा संस्थानों में अनियमितताओं के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज कर दिया है। कलेक्टर हरीश एस. के स्पष्ट निर्देश और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक के नेतृत्व में नर्सिंग होम एक्ट 2013 और छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2010 के तहत गठित विशेष निरीक्षण दल ने जगदलपुर शहर के विभिन्न निजी क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक लैबों पर छापेमारी की। इस दौरान कई संस्थानों में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद कठोर कार्रवाई की गई।

निरीक्षण दल ने पाया कि कुछ चिकित्सा संस्थान बिना वैध पंजीकरण और निर्धारित मानकों के संचालित हो रहे थे, जो मरीजों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है। निरीक्षण के आधार पर कुम्हारपारा में संचालित डॉ. मोहनराव क्लीनिक में अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर क्लीनिक को तत्काल सील कर दिया गया और 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। इसके साथ ही बालाजी डायग्नोस्टिक लैब द्वारा पूर्व में लगाए गए 20 हजार रुपए के जुर्माने का भुगतान न करने के कारण लैब को सील करने की कार्रवाई की गई। लालबाग में संचालित शिव शक्ति मेडिकल स्टोर के साथ संचालित क्लीनिक में छत्तीसगढ़ चिकित्सा अधिनियम 2013 का पालन न करने पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय बसाक ने कहा, यह कार्रवाई जिले के सभी निजी चिकित्सा संस्थानों के लिए एक सख्त संदेश है कि नियमों का पालन अनिवार्य है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का उद्देश्य बस्तर की जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इस तरह की औचक निरीक्षण और कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। हमारी प्राथमिकता स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। नियम तोड़ने वाले संस्थानों के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां भविष्य में भी बिना किसी रियायत के जारी रहेंगी।

कई क्लीनिक-लैब सील, भारी जुर्माना

इस अवसर पर जिला प्रशासन ने बस्तर के नागरिकों से आग्रह किया है कि वे उपचार के लिए केवल पंजीकृत और अधिकृत चिकित्सा संस्थानों का ही चयन करें। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि गैर-पंजीकृत या अनधिकृत संस्थानों में उपचार कराने से स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। नागरिकों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे किसी भी अनियमितता की सूचना प्रशासन को दें।

जगदलपुर में प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई को नागरिकों ने सराहा है। स्थानीय निवासियों का मानना है कि यह कदम निजी चिकित्सा संस्थानों में मानकों का पालन सुनिश्चित करने और मरीजों की सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण साबित होगा।

जिला प्रशासन ने संकेत दिया है कि इस तरह की निरीक्षण प्रक्रिया को और सघन किया जाएगा। सभी निजी चिकित्सा संस्थानों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने पंजीकरण और अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करें, अन्यथा भविष्य में और सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सूनसान जगह पर कुएं में तैरती मिली महिला की लाश

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

सरायपाली थाना अंतर्गत ग्राम बोंदा से नवापाली के बीच एक निर्जन स्थान पर खेत में स्थित एक कुएं में एक महिला का शव पाया गया है।

20 अक्टूबर की सुबह खेत की ओर जाने पर एक व्यक्ति ने इसे देखा और आसपास के ग्रामीणों को इसकी सूचना दी। साथ ही पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई। अचानक इस प्रकार की घटना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस को प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। फिलहाल पुलिस ने पीएम के पश्चात् ही मामले का खुलासा होने की बात कही है।

मिली जानकारी अनुसार दीपावली के दिन 20 अक्टूबर को बोंदा नवापाली के मध्य पठारनुमा स्थान पर एक खेत में बने कुएं में किसी अज्ञात महिला का शव तैरता हुआ पाया गया। महिला की उम्र 35 से 40 वर्ष के बीच बताई जा रही है। महिला के दाहिने हाथ में पीले रंग का धागा एवं बाएं हाथ में गोदना से अंग्रेजी का अक्षर ए पी लिखा हुआ था। मृतिका ने नीला एवं पीला छींटदार साड़ी एवं काला ब्लाउज पहना हुआ था, उसके पैर व हाथ में गोदना का निशान था।

नवापाली के ग्रामीणों ने बताया कि 20 अक्टूबर की सुबह उस क्षेत्र में खेत की ओर जाने पर एक व्यक्ति को कुछ दुर्गंध महसूस हुआ। उस दिशा में जाकर देखा तो उसे कुएं में महिला की तैरती हुई लाश दिखी। शव को देखने पर दो-तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा था। ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को इसकी सूचना दी गई।

पुलिस के द्वारा मामले की छानबीन की गई।

जिसमें मृतका का नाम पीतर सिदार पति स्व.अलेख सिदार निवासी ग्राम जोगनीपाली के रूप में शिनाख्त हुआ है। पुलिस द्वारा शव का पीएम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। बहरहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस्तर ओलंपिक: संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने कराया पंजीयन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के अनुसूचित जनजातीय बाहुल्य बस्तर संभाग में युवाओं की ऊर्जा, उत्साह और प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से 'बस्तर ओलंपिक 2025' का आयोजन किया जा रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में गृह (पुलिस) विभाग और खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होने वाला यह आयोजन प्रदेश के रजत जयंती वर्ष में बस्तर की नई पहचान बनेगा।

बस्तर ओलंपिक 2025 के प्रति लोगों में उत्साह का अंदाज़ा इसी से लगाया जा सकता है कि अब तक बस्तर संभाग के 7 जिलों से 3 लाख 91 हजार 289 खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। इनमें 1 लाख 63 हजार 668 पुरुष और 2 लाख 27 हजार 621 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। यह संख्या न केवल बस्तर के युवाओं का खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह को दर्शाती है, बल्कि यह भी साबित करती है कि बस्तर की धरती पर अब खेल एक नई सामाजिक चेतना और समान भागीदारी का प्रतीक बन चुके हैं।

बस्तर की खेल प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर लाने की पहल

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना और उनके भीतर निहित नैसर्गिक खेल प्रतिभा को पहचानना है। यह पहल केवल खेल आयोजन नहीं, बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास व संवाद का सेतु बनेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा था ङ्क च्बस्तर ओलंपिक केवल एक खेल आयोजन नहीं है, यह ऐसा मंच है जहां विकास और खेल का संगम हो रहा है, जहां हमारे युवा अपनी प्रतिभा को निखार रहे हैं और एक नए भारत का निर्माण कर रहे हैं।ज्यह मॉडल पूरे देश में 'खेल के माध्यम से शांति और विश्वास' की अनूठी पहल के रूप में देखा जा रहा है।

प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग और हॉकी जैसे खेल शामिल हैं। इसमें न केवल आधुनिक खेलों को बढ़ावा दिया जाएगा, बल्कि स्थानीय परंपरा से जुड़े खिलाड़ियों को भी मंच मिलेगा।

बस्तर ओलंपिक में जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अलावा विशेष श्रेणी के प्रतिभागियों—नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति और आत्मसमर्पित नक्सलियों—को भी सम्मिलित किया जा रहा है। यह पहल खेल के माध्यम से पुनर्वास, पुनर्जीवन और सामाजिक एकीकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।

प्रतियोगिताएं तीन स्तरों—विकासखण्ड, जिला और संभाग स्तर—पर आयोजित हो रही हैं। विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिता 25 अक्टूबर से, जिला स्तर पर 5 नवम्बर से और संभाग स्तर पर 24 नवम्बर से आयोजित की जाएगी। विजेताओं को जिला और संभाग स्तर पर नगद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। नगद राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खाते में जमा की जाएगी। संभागीय स्तर के विजेता खिलाड़ियों को च्बस्तर यूथ आइकॉनज्ज के रूप में प्रचारित किया जाएगा। यह 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' मॉडल बस्तर में नई सामाजिक चेतना का प्रतीक बनेगा।

'बस्तर ओलंपिक 2025' के लिए वन भैंसा और पहाड़ी मैना को शुभंकर (स्र्ड्डह्यष्शह्ल) बनाया गया है, जो बस्तर की जीवंतता और सामुदायिक शक्ति का प्रतीक हैं। यह आयोजन न केवल खेलों का, बल्कि बस्तर की संस्कृति, सौहार्द और विकास के नए युग का उत्सव बनेगा।

खैरागढ़-छुईखदान-गंडई क्षेत्र में खुलेंगे 26 नवीन सोसाइटी केंद्र

प्रदेश सरकार के निर्णय से किसानों को मिलेगी सुविधा, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

प्रदेश सरकार ने किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए खैरागढ़-छुईखदान-गंडई क्षेत्र में 26 नवीन सोसाइटी केंद्रों की स्थापना को प्रशासनिक अनुमति प्रदान की है। यह निर्णय क्षेत्र के हजारों किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जिससे उन्हें अब कृषि से संबंधित कार्यों के लिए दूर-दराज नहीं जाना पड़ेगा।

इन ग्रामों में होंगे सोसाइटी केंद्र

नवीन सोसाइटी केंद्रों की स्थापना जिन ग्रामों में की जाएगी, उनमें — मानपुर नाका, ढाबा, सम्बलपुर, भूर्भुसी, पथर्रा, कोर्राय, भुलाटोला, गातापार जंगल, चिचोला, बरबसपुर, कुकुरमुड़ा, साल्हेकला, सहसपुर, जामगांव, ठाकुरटोला, दामरी, भरतपुर, धनगांव, बघमर्रा, दिलीपपुर, कुम्ही, पांडुका, मदराकुही, देवारीभाठ, महरूमकला और भोथली (पाटा) शामिल हैं।

किसानों के लिए सुविधा और अवसर

इस निर्णय से किसानों को बीज, खाद और अन्य कृषि सामग्रियों की उपलब्धता स्थानीय स्तर पर ही हो सकेगी। साथ ही, इन केंद्रों से ग्रामीण स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन भी होगा।

जनप्रतिनिधियों ने जताया आभार

जिला पंचायत उपाध्यक्ष के.सी.जी. विक्रांत सिंह ने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप एवं **क्षेत्रीय सांसद संतोष पांडेय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय सरकार की किसान-हितैषी सोच और दूरदर्शिता को दर्शाता है। इससे किसानों को न केवल समय और संसाधनों की बचत होगी, बल्कि उनकी उत्पादकता और आत्मनिर्भरता में भी वृद्धि होगी।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

विक्रांत सिंह ने आगे कहा कि यह पहल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

सोसाइटी केंद्रों के माध्यम से किसान अब सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्यक्ष रूप से प्राप्त कर सकेंगे, जिससे क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा।

सरदार पटेल की जयंती को आत्मनिर्भर भारत के रूप में मनाएगी भाजपा

नांदगांव सांसद समेत भाजपा नेताओं ने कार्यक्रम की रूपरेखा को लेकर मीड़िया को दी जानकारी

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

देश के लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती को लेकर भाजपा ने देशव्यापी स्तर पर तैयारी की है। इसी कड़ी में राजनांदगांव जिले में भी उनकी जयंती पर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भाजपा सरदार पटेल की जयंती को आत्मनिर्भर भारत अभियान के रूप में मनाएगी। इसके लिए पार्टी द्वारा कई कार्यक्रम होंगे। गुरुवार को सांसद संतोष पांडे और प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन एवं भाजपा जिला अध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत समेत अन्य लोगों ने प्रेसवार्ता में संयुक्त रूप से बताया कि सरदार पटेल लौह पुरूष थे। उनकी जयंती पर पार्टी द्वारा राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

भाजपा नेताओं ने कह कि सरदार पटेल एक विकासशील विचार के व्यक्ति थे। वह हमेशा भारत को एक संपन्न राष्ट्र के रूप में देखना चाहते थे। उनके उद्देश्य से पूरा देश वाकिफ है। इसी के तहत भाजपा उनकी जयंती को आत्मनिर्भर भारत के रूप में मनाने की तैयारी में है। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा जिला महामंत्री सौरभ कोठारी समेत संतोष अग्रवाल, तरूण लहरवानी, जैसल लाल बंटी, अमर ललवानी, राजा माखीजा, रवि सिन्हा समेत अन्य लोग शामिल थे।

चरित्र संदेह पर पत्नी की हत्या, आरोपी पति गिरफ्तार

कवर्धा, 23 अक्टूबर। कबीरधाम जिल के थाना पांडातराई क्षेत्र के ग्राम सोढा में एक महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पारिवारिक विवाद और पत्नी के चरित्र पर संदेह के चलते वारदात को अंजाम दिया। पुलिस के अनुसार, परसुराम गेन्ड्रे (60 वर्ष) ने अपनी पत्नी अश्वनी बाई गेन्ड्रे पर सब्बल से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन घायल अवस्था में उसे जिला अस्पताल कवर्धा ले गए, जहाँ चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी कमलाकांत शुक्ला ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया।

राजनांदगांव पुलिस ने बरामद किए चोरी के 10 वाहन

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

राजनांदगांव पुलिस ने दीपावली के अवसर पर वाहन चोरी के मामलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 14 लाख रुपये कीमत के 10 दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। इनमें 2 बुलेट मोटरसाइकिल, 6 बाइक और 2 स्कूटी शामिल हैं। बरामद वाहनों को उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द करने की तैयारी की जा रही है।

थाना कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के 8 मामलों में तथा दुर्ग जिले के 2 मामलों में सफलता प्राप्त की है। बाइक चोरी की जांच के लिए गठित पुलिस टीम ने

राजनांदगांव से गोंदिया तक 75 से अधिक स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। इस दौरान आमगांव (महाराष्ट्र) पुलिस की सहायता ली गई, जिससे चोरी के वाहनों की बरामदगी संभव हो सकी। पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राहुल देव शर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र नायक के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक नंदकिशोर गौतम के नेतृत्व में गठित टीम ने प्रोजेक्ट त्रिनेत्र की मदद से दो वर्ष पहले जेल में निरुद्ध रहे आदतन आरोपी उमेश कुमार यादव की थाना पुलिस की सहायता से आरोपी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों — कलेक्ट्रेट, जलाराम चौक, पदमनापुर आदि से 4 दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की।

दीपावली के दौरान बस्तर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

155 जुआरी गिरफ्तार, 2.23 लाख नगद बरामद

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

दीपावली पर्व के मद्देनज़र बस्तर पुलिस ने अवैध जुआ गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलेभर में विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के नेतृत्व में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेश्वर नाग के मार्गदर्शन में चलाए गए इस अभियान में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ छापेमारी की गई।

पुलिस को मुखबिरों एवं अन्य स्त्रोतों से प्राप्त पुख्ता सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में 47 प्रकरण दर्ज किए गए और 155 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से कुल 2,23,990 की नगद राशि जब्त की गई है। बस्तर पुलिस के अनुसार दीपावली पर्व के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अवैध अथवा समाज विरोधी गतिविधियों पर नियंत्रण के उद्देश्य से यह विशेष अभियान चलाया गया।

जिला बस्तर में जुआ प्रतिषेध अधिनियम की तहत् की गयी कार्यवाही की संख्यात्मक जानकारी

दिनांक 15.10.2025 से 21.10.2025 तक

क्र	थाना/चौकी	प्रकरण	आरोपी	जप्त रकम
1	कोतवाली	07	21	11310.00
2	भानपुरी	07	24	52540.00
3	परपा	04	13	8100.00
4	बस्तर	06	24	19880.00
5	नगरनार	05	16	5130.00
6	बोधघाट	14	42	117500.00
7	नानगुर	03	10	4430.00
8	बकावण्ड	01	05	5100.00
	कुल योग	47	155	2,23,990.00

पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा ने बताया कि समाज में शांति और सुरक्षा की भावना बनाए रखने के लिए ऐसे अवैध कार्यों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि 15 अक्टूबर से 21 अक्टूबर के बीच चलाया गया था, जिसमें बोधघाट थाना क्षेत्र में जुआ खेलने वाले जुआरियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1लाख 17 हजार ज़ब्त किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने बताया कि बस्तर पुलिस ने इस अभियान में कुल 2 लाख 23 हजार नौ सौ नब्बे रुपये की नकद राशि जब्त की है। श्री नाग ने बताया कि दीपावली के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जुए और सट्टे पर प्रभावी नियंत्रण करना ज़रूरी था। बस्तर पुलिस की यह पहल जिले में अपराध-मुक्त और शांतिपूर्ण समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

युगांतर में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

युगांतर पब्लिक स्कूल में चेयरमैन अजय सिंगी, वाइस चेयरमैन अखराज कोटड़िया, सेक्रेटरी विनय डड्ढा, कोषाध्यक्ष मिश्रीलाल गोलछा, निदेशक (अकेडमिक्स) सुशील कोठारी, नरेंद्र कोटड़िया प्राचार्य मधुसूदन नायर, हैड मिस्ट्रेस विनिता तिलवानी की उपस्थिति में दीपावली मिलन समारोह आयोजित हुआ।

प्रबंध समिति ने विद्यालय के टीचिंग व नान टीचिंग स्टॉफ को दीपावली का उपहार देकर दिल जीता। युगांतर के प्राचार्य मधुसूदन नायर सहित अन्य स्टाफ को भी दीपावली उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। युगांतर के सभी स्टॉफने प्रबंधन की इस अनूठी पहल का स्वागत करते हुए इसे सराहनीय कदम बताया।

दीपावली मिलन समारोह की शुरूआत माता की पूजा अर्चना से हुई। संस्था के पदाधिकारियों तथा प्राचार्य सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह की विधिवत शुरूआत की। संगीत शिक्षक टी विशाल, आकांक्षा चतुर्वेदी, लवली पॉल, नम्रता तिवारी, परमजीत ठाकुर, बलवंत निषाद ने शानदार गीत गाकर खूब तालियाँ बटोरी। विद्यालय के चेयरमैन अजय सिंगी ने कहा कि आप सभी के लिए दीपावली का पर्व उल्लास और उमंग से परिपूर्ण हो। उन्होंने जैसे ही यह घोषणा की कि प्रबंधन सभी स्टॉफके लिए स्वास्थ्य बीमा की सुविधा प्रदान कर रहा है, वैसे सारा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

इसी तारतम्य में निदेशक (अकेडमिक्स) सुशील कोठारी ने कहा कि आप सभी के लिए दीपावली का पर्व पुन: नई ऊर्जा के साथ कार्य करने के लिए सार्थक सिद्ध हो। उन्होंने पुन: समर्पण के साथ कार्य करने के लिए जोर दिया। उन्होंने सभी टीचिंग व नान टीचिंग स्टॉफ को दीपावली की शुभकामनाएँ दी। उन्होंने आगे कहा कि सभी स्टॉफको स्वास्थ्य बीमा प्रदान करने की पहल चेयरमैन ने कीए फिर हम सभी ने इस पहल का समर्थन किया। संस्था की प्रगति टीम भावना के साथ कार्य करने पर ही निर्भर होती है। नान टीचिंग स्टॉफ से मेस प्रभारीए ट्रांसपोर्ट, सुपरवाइजर, वार्डन अपने सभी अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ सम्मानित हुए। समारोह का शानदार संचालन प्राचार्य मधुसूदन नायर ने किया।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

https://epaper. pratidinrajdhani.in

ऑस्ट्रेलिया से वनडे सीरीज हारा भारत, दूसरा वनडे 2 विकेट से गंवाया

मैथ्यू शॉर्ट ने 74 रन बनाए, कोहली फिर जीरो पर आउट

एडिलेड।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत से वनडे सीरीज एक मैच बाकी रहते ही जीत ली है। एडिलेड में गुरुवार को खेले गए दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट से जीत हासिल की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 264 रन बनाए। रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा 73 रन बनाए। श्रेयस अय्यर ने 61 रन की पारी खेली। एडम जम्पा ने चार विकेट लिए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में 8 विकेट खोकर टारगेट चेज कर लिया। मैथ्यू शॉर्ट ने सबसे ज्यादा 74 रन बनाए। कूपर कोनोली 61 रन बनाकर नाबाद लौटे। भारत से अर्शदीप सिंह, वाशिंगटन सुंदर और हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए। तीसरा वनडे 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

खराब रही भारत की शुरुआत

टॉस हारकर बैटिंग कर रही भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 2 विकेट 17 रन के स्कोर तक पहुंचने में गिर गए। कप्तान शुभमन गिल 9 और विराट कोहली खाता खोले बिना आउट हुए। दोनों का विकेट जेवियर बार्टलेट ने लिया। इसके बाद रोहित और अय्यर ने तीसरे विकेट की साझेदारी में 118 रन जोड़े। भारत ने 29.2 ओवर में 2 विकेट खोकर 135 रन रन बना लिए थे। शुरुआत में काफी धीमा खेलने वाले रोहित और अय्यर दोनों ने तेजी से रन बनाना शुरू कर दिया था। रोहित मिचेल स्टार्क गेंद पर बड़ा शॉट जमाने की कोशिश में हेजलवुड के हाथों कैच आउट हुए। इसके कुछ देर बाद अय्यर भी पवेलियन लौट गए। उनका विकेट एडम जम्पा ने लिया।

कोहली ने एडिलेड को गुडबाय कहा

विराट कोहली लगातार दूसरे वनडे में जीरो पर आउट हुए। जब वे पवेलिटन लौट रहे थे तो एडिलेड में मौजूद दर्शकों ने उनके सम्मान में खड़े होकर तालियां बजाई। कोहली ने इस पर रिस्पॉन्स दिया और हाथ उठाकर तालियों का शुक्रिया कहा। माना जा रहा है कि यह एडिलेड में कोहली की आखिरी अंतरराष्ट्रीय पारी है। कोहली टेस्ट और टी-20 से पहले ही रिटायर हो चुके हैं। अगले दो साल में भारत को ऑस्ट्रेलिया का दौरा नहीं करना है। इसका मतलब हुआ कि अगर कोहली 2027 में साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप तक खेलते भी हैं तो भी ऑस्ट्रेलिया में अब वे कोई मैच नहीं खेलेंगे।

भारत के लिए अब गांगुली से ज्यादा रन रोहित के नाम

रोहित शर्मा अब वनडे क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए हैं। उन्होंने सौरव गांगुली को पीछे छोड़ा है। रोहित ने भारत के लिए 275 मैचों में 11,249 रन बनाए हैं। वहीं, गांगुली ने भारत के लिए 308 मैचों में 11,221 रन बनाए थे। गांगुली ने वनडे इंटरनेशनल में वैसे 311 मैचों में 11,363 रन बनाए हैं। इनमें एशिया 11 की ओर से तीन मैचों में बनाए 142 रन भी शामिल हैं। वनडे में भारत की ओर से रोहित से ज्यादा रन सिर्फ सचिन तेंदुलकर (463 मैचों में 18,426 रन) और विराट कोहली (304 मैचों में 14,181 रन) ही बना सके हैं।

अर्शदीप ने बार्टलेट, सिराज ने स्टार्क को आउट किया

45वें ओवर में ऑस्ट्रेलिया ने 7वां विकेट गंवाया। यहां अर्शदीप सिंह ने जेवियर बार्टलेट (3 रन) को कप्तान गिल के हाथों कैच कराया। 43वें ओवर की तीसरी बॉल पर ऑस्ट्रेलिया ने छठा विकेट गंवाया। मिचेल ओवेन (36 रन) को वॉशिंगटन सुंदर ने कैच आउट कराया। उन्होंने एलेक्स कैरी (9 रन) को भी आउट किया।

कॉनोली और ओवेन के बीच फिफ्टी पार्टनरशिप : 42वें ओवर में कॉनोली और ओवेन ने छठे विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली है। सिराज के ओवर की 5वीं बॉल पर कूपर कॉनोली ने चौका लगाया और साझेदारी को 50 पार पहुंचा दिया। उन्होंने आखिरी बॉल पर दो रन लेकर फिफ्टी भी पूरी की।

मेरठ की पलक सिंह का अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन

नई दिल्ली।

पीतलनगरी मुरादाबाद में संचालित हो रही सुप्रसिद्ध मॉडर्न पब्लिक स्कूल क्रिकेट अकादमी में क्रिकेट बारीकियां सिखाने वाली मेरठ के लोहिया नगर निवासी पलक सिंह का चयन उत्तर प्रदेश अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में हो गया है। बुधवार को कानपुर में घोषित अंडर-19 महिला क्रिकेट की 15 सदस्य टीम में पलक सिंह को लेग स्पिनर ऑलराउंडर के रूप में जगह दी गई है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल (एमपीएस) क्रिकेट अकादमी के संचालक व पलक के कोच मिर्जा दानिश आलम ने इसे मुरादाबाद मंडल के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि पलक की मेहनत और संघर्ष रंग लाया है। यह चयन न केवल अकादमी बल्कि पूरे पश्चिमी उप्र के लिए गर्व का विषय है। मिर्जा दानिश आलम ने बताया कि 2 वर्ष पूर्व पलक सिंह

मुरादाबाद में आ गई थी और उन्होंने महानगर के बुद्धि विहार स्थित कॉलोनी में किराए का कमरा लेकर रहना प्रारम्भ कर दिया। इसके साथ ही उन्होंने एमपीएस क्रिकेट अकादमी में प्रवेश लेकर क्रिकेट की बारीकियां सीखना भी शुरू कर दिया था। पलक सुबह से शाम तक क्रिकेट के मैदान में पसीना बहाकर प्रैक्टिस करती थी और अपने कमरे पर अकेले रहकर खुद ही अपना खाना बनाती थी व दैनिक दिनचर्या के कार्य भी करती थी। अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने के बाद पलक सिंह ने कहा कि यह उनके लिए बेहद खुशी का पल है लेकिन अभी भी वह और अधिक मेहनत करेगी और नीली जर्सी पहनने का सपना पूरा करेंगी। पलक के पिता सतपाल सिंह और मां ममता सिंह ने अपनी बेटी के अंदर-19 महिला क्रिकेट टीम में चयन होने पर कहा है कि उनके लिए यह बहुत ही बड़ी उपलब्धि है जिसको शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। वहीं पलक के कोच मिर्जा दानिश आलम ने कहा कि पलक बहुत ही मेहनती और अनुशासित खिलाड़ियों में से एक हैं। मैदान में अगर इसे कभी चोट भी लग जाती थी तो यह हिम्मत नहीं हारती थी और अपनी प्रेक्टिस जारी रखती थी। मैदान पर उन्होंने जो पसीना बहाया उसी का परिणाम आज सबके सामने हैं। पलक सिंह ने बताया कि पूर्व में उनका चयन अंडर 13 और अंडर 16 कैंप में भी हुआ था लेकिन उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई थी।

इंडोनेशिया में इजरायली जिम्नास्ट के प्रवेश पर रोक

आईओसी ने खेल संघों को वहां आयोजन न कराने की सलाह ही, ओलिंपिक बोली- बातचीत रुकी

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) ने सभी खेल संघों को सलाह दी है कि वे इंडोनेशिया में कोई भी आयोजन न करें। साथ ही इंडोनेशिया के साथ भविष्य में ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर चल रही सभी बातचीत पर रोक लगा दी गई है। आईओसी ने यह कदम इंडोनेशिया में हो रही वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में इजरायली खिलाड़ियों को प्रवेश देने से इनकार के बाद उठाया गया है।

इजराइली खिलाड़ियों को वीजा देने से किया इनकार

इंडोनेशिया में 19 से 25 अक्टूबर तक वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। इंडोनेशिया ने इजराइली जिम्नास्ट्स को वीजा देने से मना कर दिया था।

यह फैसला गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान के विरोध में लिया गया। इसके कारण इजराइली खिलाड़ी जकार्ता में शुरू हुई वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले सके।

इंडोनेशिया के कानूनी मामलों के वरिष्ठ मंत्री युसरिल इहजा महेंद्रा ने कहा था कि इजराइल की भागीदारी को लेकर सरकार और इस्लामिक धर्मगुरुओं की परिषद ने आपत्ति जताई थी।

इजराइल से कोई औपचारिक संबंध नहीं

इंडोनेशिया के इजराइल से कोई औपचारिक राजनयिक संबंध नहीं है और देश ने गाजा युद्ध में इजराइल की कड़ी आलोचना की है। यहां तक कि इस महीने सीजफायर लागू होने के बाद भी इंडोनेशिया का रुख इजराइल के खिलाफ ही रहा है।

इजराइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने जताया दुख

इजरायल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने इंडोनेशिया के फैसले को चौंकाने वाला और दुखद बताया है। आईओसी ने भविष्य के क्वॉलिफिकेशन नियमों में बदलाव की घोषणा की आईओसी ने कहा है कि वह अब क्वॉलिफिकेशन इवेंट्स के नियमों में बदलाव करेगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर खिलाड़ी, उसकी राष्ट्रीयता चाहे जो हो, किसी भी ओलिंपिक क्वालिफायर में हिस्सा ले सके। साथ ही, आईओसी ने इंडोनेशियाई ओलिंपिक समिति और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फेडरेशन को लॉजेन (स्विट्जरलैंड) स्थित आईओसी मुख्यालय में एक बैठक के लिए बुलाया है, ताकि इस मुद्दे पर चर्चा की जा सके। बैठक की तारीख फिलहाल तय नहीं की गई है।

2036 ओलिंपिक की मेजबानी की उम्मीद खत्म

इंडोनेशिया की 2036 ओलिंपिक मेजबानी की दावेदारी अब लगभग खत्म हो गई है। आईओसी ने भविष्य में ओलिंपिक खेलों की मेजबानी को लेकर चल रही सभी बातचीत रोक दी है। आईओसी ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक इंडोनेशिया लिखित में यह आश्वासन नहीं देता कि भविष्य में किसी भी देश के खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने से नहीं रोका जाएगा, तब तक उस पर विचार नहीं किया जाएगा। इंडोनेशिया पहले 2036 के समर ओलिंपिक की मेजबानी में रुचि जता चुका था, लेकिन आईओसी के इस फैसले से उसकी यह उम्मीद लगभग समाप्त हो गई है।

मुरादाबाद में 25 अक्टूबर से जुटेंगे टेनिस के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी

मुरादाबाद।

मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन व चड्ढा लाइफस्टाइल की ओर से आगामी 25 अक्टूबर से 1 नवम्बर तक अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन डॉ भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी एवं पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के टेनिस कोट पर प्रतिदिन सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक होगा। यह जानकारी गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी व टूर्नामेंट संयोजक अवनीश रस्तोगी ने प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में 35 आयु वर्ग से 75 आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। अलग-अलग वर्ग में आयोजित होने वाले टूर्नामेंट में मैंस, वूमेंस की प्रतिस्पर्धा होगी। टूर्नामेंट से जुड़े करनवीर सिंह ने बताया कि चैम्पियंस कप को अपनी गुणवत्ता, खिलाड़ियों को प्रदत्त सेवाएं, उच्च स्तर की सुविधाएं एवं मानकों से अधिक श्रेष्ठता हेतु अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ द्वारा (लंदन स्थित) पुरस्कृत किया गया है। जिसके लिए 2024 तक एक प्रमाण पत्र भी जारी किया गया है जो मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के सचिव अवनीश रस्तोगी के पास सुरक्षित है। उल्लेखनीय है

कि ये अवार्ड उत्तर प्रदेश में पहली बार मुरादाबाद को मिला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष पहचान स्टार ईवेंट के नाम से जाना जाता है। इस वर्ष लगभग 207 एंट्री रजिस्टर हो चुकी हैं जिसमें विदेशी पुरुष वर्ग के सोलवाकिया, अमेरिका से एवं महिला वर्ग में जर्मनी, अमेरिका से खिलाड़ी 23 अक्टूबर को मुरादाबाद के मैदान में आकर प्रैक्टिस करेंगे। 30 आयु वर्ग में सिल्वर मेडल विनर लक्षित एवं चंद्रिल सूद, 35 आयु वर्ग में ब्रांज मेडल विनर मिशल, कार्तिकेय, 40 आयु वर्ग में फरीद उस्मानी, आदित्य, 45 आयु वर्ग में नरेंद्र चौधरी, 50 आयु वर्ग में जगदीश तंवर, अवनीश रस्तोगी, बंटी तालान, 55 आयु वर्ग में पवन कपूर, अनुराग अग्रवाल, 60 आयु वर्ग में चंद्र भूषण, राजन बेरी, 65 आयु वर्ग में अजीत भारद्वाज, मैहर प्रकाश, मयूर बंसल, 70 आयु वर्ग में चटवाल, अरविंद भसीन, 75 आयु वर्ग में धवल पटेल, राज गोयल, महिला वर्ग में चेतना, मनीषा, हरप्रीत, राधा बंसल, सिद्धि, विभा, मंजू खरे आदि नामचीन खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। टूर्नामेंट के संचालन हेतु 1 रेफरी आईटीएफ एंटोन डिसूजा अपने 5 अम्पायर की टीम के साथ 24 अक्टूबर को मैदान में उपस्थित रहेंगे। खिलाड़ियों के लिए प्रतिदिन अल्पाहार, लंच एवं फल व शिकंजी के आवा कॉसमॉस हॉस्पिटल की एक्सपर्ट फिजियोथेरेपी टीम साक्षी के निर्देशन में उपस्थित रहेगी। मैच के तहत लाइव कवरेज की व्यवस्था लॉज में 56 इंच के स्क्रीन पर लाइव प्रदर्शित रहेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में अकादमी से अधिकारी उपस्थित रहेंगे। मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव जैन ने बताया कि टूर्नामेंट संबंधित सभी तैयारियों को अंतिम रूप प्रदान किया जा रहा है। अवनीश रस्तोगी ने आगे बताया कि यह 11 वां ईवेंट है। इसकी सफलता का श्रेय मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी एवं चड्ढा ग्रुप को जाता है। इस टूर्नामेंट का आयोजन स्वर्गवासी हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में प्रति वर्ष किया जाता है। पूर्व में यह सीएसटी के नाम से आयोजित किया जाता रहा है। वर्तमान में एचएस चड्ढा मेमोरियल के बैनरतले आयोजित होता है। पत्रकार वार्ता में चड्ढा ग्रुप के मैनेजर, पंकज सक्सेना, कुंवर भूपेंद्र सिंह, करनवीर सिंह, राहुल अग्रवाल, बंटी आदि उपस्थित रहे।

रोहित ने गांगुली को पीछे छोड़ा, विराट का डबल डक

भारत लगातार 17वें वनडे में टॉस हारा, भारतीय फील्डर्स ने 3 कैच टपकाए

नई दिल्ली।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को एडिलेड में दूसरा वनडे 2 विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। एडिलेड ओवल स्टेडियम में रोहित शर्मा ने 73 रन बनाए। वे वनडे में भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बन गए हैं। विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में खाता नहीं खोल सके। भारतीय फील्डर्स ने ऑस्ट्रेलियाई पारी में तीन कैच टपकाए। इनमें 2 जीवनदान फिफ्टी लगाने वाले मैथ्यू शॉर्ट को मिले।

भारत ने 17वां वनडे टॉस गंवाया

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में भी टॉस नहीं जीत सके। वनडे इंटरनेशनल में भारत ने लगातार 17वें मैच में टॉस गंवाया। टीम ने 15 नवंबर 2023 को न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी बार टॉस जीता था। इसके बाद से रोहित शर्मा 15 और शुभमन 2 बार टॉस हार चुके हैं।

रन रेट बढ़ाने की कोशिश में गिल आउट

पहले बैटिंग करने उतरी टीम इंडिया का स्कोर 6 ओवर के बाद 17 रन ही था। कप्तान शुभमन गिल ने यहां रन रेट बढ़ाने के बारे में सोचा। 7वां ओवर जैवियर बार्टलेट लेकर आए। उनकी पहली गेंद पर गिल आगे निकलकर बड़ा शॉट खेलने गए, लेकिन मिड ऑफ पर मिचेल मार्श के हाथों कैच हो गए।

एक ओवर में रोहित के 2 सिक्सर

पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने मिचेल ओवेन के खिलाफ एक ही ओवर में 2 छक्के लगा दिए। पारी के

19वें ओवर में मीडियम पेसर मिचेल ओवन ने पहली और तीसरी गेंद बाउंसर फेंकी। दोनों ही गेंदों पर रोहित ने पुल शॉट खेला और डीप स्क्वेयर लेग की दिशा में छक्का लगा दिया।

भारतीय फील्डर्स ने 3 कैच टपकाए

टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया के बैटर्स के 3 कैच छोड़े। चौथे ओवर में नीतीश रेड्डी ने ट्रैविस हेड को जीवनदान दिया। 15वें ओवर में अक्षर पटेल ने मैथ्यू शॉर्ट का कैच छोड़ा। वहीं 29वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने मैथ्यू शॉर्ट को ही जीवनदान दे दिया। शॉर्ट ने 74 रन बनाए और टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया।

विराट के नाम पहली बार वनडे में डबल डक

टीम इंडिया के वनडे में दूसरे टॉप स्कोरर विराट कोहली करियर में पहली बार लगातार 2 वनडे मैचों में जीरो पर आउट हुए। पहले मुकाबले में उन्हें मिचेल स्टार्क ने बैकवर्ड पॉइंट पर कैच कराया था। दूसरे मुकाबले में उन्हें जैवियर बार्टलेट ने एलबीडब्ल्यू कर दिया। उन्होंने दोनों मुकाबलों में 12 गेंदें खेलीं, लेकिन एक भी रन नहीं बना सके।

भारत के तीसरे टॉप स्कोरर बने रोहित

रोहित शर्मा 97 गेंद पर 73 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने फाइन लेग पोजिशन पर जोश हेजलवुड के हाथों कैच कराया। 73 रन की पारी के साथ रोहित भारत के लिए वनडे में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए। रोहित ने गांगुली को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 308 मुकाबलों में 11,221 रन बनाए थे। रोहित के नाम 11,249 रन हो गए हैं। सचिन तेंदुलकर पहले और विराट कोहली दूसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में रोहित के 1000 वनडे रन पूरे : रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी में दूसरा रन लेते ही अनोखा रिकॉर्ड बना लिया। वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में 1000 वनडे रन बनाने वाले भारत के पहले ही खिलाड़ी बने। उनके बाद कोहली ने 802 और सचिन ने 740 रन बनाए हैं।

एडिलेड ओवल स्टेडियम में भारत को 17 साल बाद वनडे मुकाबले में हार मिली। 19 फरवरी 2008 को आखिरी बार भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया ने 50 रन से हराया था।

बाबर आजम की 10 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी

नसीम शाह 11 महीने बाद लौटे; साउथ अफ्रीका सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम घोषित

नई दिल्ली।

पूर्व कप्तान बाबर आजम की करीब 10 महीने बाद पाकिस्तान की टी-20 टीम में वापसी हो गई है। उन्होंने अपना आखिरी टी-20 मैच 13 दिसंबर 2024 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बाबर के साथ तेज गेंदबाज नसीम शाह की भी लगभग 11 महीने बाद टी-20 टीम में वापसी हुई है। नसीम ने अपना पिछला टी-20 मुकाबला 16 नवंबर 2024 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में खेला था। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने साउथ

अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टी-20 सीरीज और अगले महीने होने वाली त्रिकोणीय सीरीज (ट्राई सीरीज) के लिए भी टीम का ऐलान किया है। इस त्रिकोणीय सीरीज में श्रीलंका और जिम्बाब्वे भी हिस्सा लेंगे।

टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से, त्रिकोणीय सीरीज 17 नवंबर से : पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच टी-20 सीरीज 28 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेले जाएगी। मैच रावलपिंडी और लाहौर में होंगे। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी 4 से 8 नवंबर तक फैसलाबाद के इकबाल स्टेडियम में खेली जाएगी। फिर 11 से 15 नवंबर तक श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज होगी, जबकि त्रिकोणीय टी-20 सीरीज 17 से 29 नवंबर तक आयोजित की जाएगी।

फखर जमान और सुफियान मुकीम हुए बाहर : अनुभवी ओपनर फखर जमान और रिस्ट स्पिनर सुफियान मुकीम को इस बार टीम से बाहर कर दिया गया है। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज उस्मान खान को शामिल किया गया है, जबकि मुहम्मद हारिस को टीम से बाहर कर दिया गया है।

अनकैप्ड खिलाड़ी उस्मान तारिक को भी टीम में जगह

टी-20 टीम में एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी (नया चेहरा) मिस्ट्री स्पिनर उस्मान तारिक को चुना गया है। वनडे टीम में फैसल अकराम, हरिस रऊफ और हसीबुल्लाह की वापसी हुई है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

https://epaper. pratidinrajdhani.in

वेदांता एल्युमीनियम ने एक नया मिश्र धातु (एलॉय) विकसित किया और उसका पेटेंट कराया, जो टिकाऊ धातु विज्ञान में नवाचार को आगे बढ़ाता है

सर्वप्रथम सीसा और टिन रहित बिस्मथ-एल्युमीनियम एलॉय, वेदांता एल्युमीनियम की नेट जीरो 2050 विज़न के प्रति स्थायी और घरेलू तकनीक के माध्यम से प्रतिबद्धता को मजबूत करता है

रायपुर।

भारत के सबसे बड़े एल्युमीनियम निर्माता, वेदांता एल्युमीनियम ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। कंपनी को अपने पहले नए उत्पाद विकास का पेटेंट मिला है, जो सीसा और टिन से मुक्त बिस्मथ-एल्युमीनियम एलॉय के लिए है। यह नवाचार दुनिया भर में खतरनाक तत्वों, जैसे- सीसा और टिन के चरणबद्ध निष्कासन का समाधान पेश करता है और महत्वपूर्ण उद्योगों के लिए सतत और आसानी से मशीनिंग योग्य समाधान उपलब्ध कराता है। यह पेटेंट सतत सामग्री नवाचार में एक महत्वपूर्ण सफलता है, जो इंजीनियरिंग कौशल को पर्यावरणीय जिम्मेदारी के साथ जोड़ता है। वेदांता एल्युमीनियम की इन-हाउस अनुसंधान एवं विकास टीम द्वारा विकसित यह एलॉय टिकाऊ धातु विज्ञान में एक बड़ा कदम है। इसमें खतरनाक तत्वों जैसे सीसा और टिन को बिस्मथ से बदला गया है, जिससे यह एलॉय न केवल वैश्विक पर्यावरण मानकों को पूरा करता है बल्कि बेहतर मशीनिंग क्षमता और मजबूत यांत्रिक शक्ति भी प्रदान करता है। यह एलॉय ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्सटाइल उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले पार्ट्स के लिए बनाया गया है, जहाँ मशीनिंग (कटिंग और शेपिंग) मुख्य उत्पादन प्रक्रिया होती है। इसका उपयोग ऑटोमोबाइल पार्ट्स, जैसे- एबीएस मैनिफोल्ड, हाइड्रोलिक मैनिफोल्ड, वाल्व ब्लॉक, ट्रांसमिशन स्लीव, एयर कंडीशनिंग के पुर्जे, स्टीयरिंग योग, ड्राइव शाफ्ट और इलेक्ट्रिकल कनेक्टर में किया जा सकता है। इसके अलावा, यह

इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स जैसे कैमरा और घड़ी के पुर्जे और मोबाइल फोन के हाउसिंग में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। वेदांता एल्युमीनियम के सीईओ, राजीव कुमार ने कहा, नवाचार और स्थिरता वेदांता एल्युमीनियम के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों का मुख्य हिस्सा हैं। ये हमें ऐसे समाधान बनाने के लिए प्रेरित करते हैं, जो हमारे पर्यावरणीय लक्ष्य आगे बढ़ाएँ और विश्व-स्तरीय नई उत्पाद उपलब्ध कराएँ। यह पेटेंट हमारे प्रयासों को मान्यता देता है कि हम सामग्री विज्ञान में नई सीमाएँ तय कर रहे हैं और हर स्टेज पर स्थिरता को शामिल कर रहे हैं। बिस्मथ-एल्युमीनियम एलॉय जिम्मेदार निर्माण का भविष्य दर्शाता है। इस नवाचार की प्रेरणा ग्राहकों की बढ़ती माँग से मिली, जो सीसा और टिन वाले पारंपरिक मशीन करने योग्य एलॉय जैसे एए6262 और एए6020 के लिए टिकाऊ और उच्च-प्रदर्शन विकल्प चाहते थे। इन एलॉय पर नियामक ध्यान होने के कारण, उद्योग अब एए6061 और एए6082 जैसे सामान्य ग्रेड का उपयोग कर रहे हैं, जिनमें खराब सतह गुणवत्ता, उपकरण की कम उम्र, अधिक कटाई भार और लंबा संचालन समय जैसी सीमाएँ हैं। वेदांता एल्युमीनियम द्वारा नया विकसित बिस्मथ-एल्युमीनियम एलॉय इन चुनौतियों का समाधान करता है। यह स्थिरता और प्रदर्शन को जोड़ता है, जिससे उद्योग पारदर्शी और अधिक प्रभावी सामग्री की ओर बिना किसी समझौते के बदल सकते हैं।

नए एलॉय के लैब परीक्षणों में असाधारण प्रदर्शन दिखा

- **अधिक ताकत और टिकाऊपन :** पारंपरिक ग्रेड की तुलना में 8% अधिक तन्यता शक्ति, 21% अधिक यील्ड स्ट्रेंथ और 17% अधिक कठोरता।
- **बेहतर मशीनिंग क्षमता :** छोटे और आसानी से टूटने वाले चिप्स काटने की दक्षता बढ़ाते हैं और संचालन समय कम करते हैं।
- **उपकरण की लंबी उम्र और बेहतर सतह गुणवत्ता :** उच्च गति मशीनिंग के दौरान भी 30% तक चिकनी सतह और उपकरण की जीवन अवधि में महत्वपूर्ण वृद्धि।

यह पेटेंटेड एलॉय वेदांता एल्युमीनियम की सतत उत्पाद विकास की प्रतिबद्धता को दर्शाता है और 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी राष्ट्रीय पहलों का समर्थन करता है, साथ ही घरेलू तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देता है। यह कंपनी की 2050 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन की दीर्घकालिक योजना में भी योगदान देता है। ऐसे नवाचारों के माध्यम से, वेदांता एल्युमीनियम भारत में टिकाऊ औद्योगिक विकास की ओर बदलाव में नेतृत्व करता है और पर्यावरण के प्रति जागरूक धातु विज्ञान और उन्नत निर्माण में नए मानक स्थापित करता है।

बैंक अकाउंट में अब 4 नॉमिनी जोड़ पाएंगे

इससे क्लेम सेटलमेंट आसान होगा, नया नियम 1 नवंबर से लागू होगा

नई दिल्ली।

बैंक कस्टमर अब अपने खाते में चार नॉमिनी जोड़ पाएंगे और ये भी तय कर पाएंगे कि किसे कितना हिस्सा मिलेगा और किसे पहले प्राथमिकता दी जाएगी। ग्राहक अपनी सुविधा के हिसाब से खाते में एक-एक करके या चारों नाम एक ही साथ जोड़ पाएंगे। सरकार ने बैंकिंग सिस्टम में क्लेम के एक समान और आसान निपटारे के लिए ये व्यवस्था शुरू की है। सेफ कस्टडी में रखी चीजों और सेफ्टी लॉकर्स के लिए सिर्फ एक्सेसिव नॉमिनेशन यानी एक के बाद एक नाम नॉमिनेट करने की इजाजत होगी। गुरुवार को वित्त मंत्रालय ने बताया कि बैंकिंग लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2025 के नॉमिनेशन से जुड़े मुख्य नियम 1 नवंबर से लागू होंगे। ये एक्ट 15 अप्रैल 2025 को नोटिफाई हुआ था।

सरकार बोली- इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी : मंत्रालय ने कहा, 'ग्राहक चार नॉमिनी बना सकते हैं और हर नॉमिनी का हिस्सा या प्रतिशत तय कर सकते हैं। इससे सभी नॉमिनी के बीच ट्रांसपैरेंट बंटवारा होगा। जो लोग डिपॉजिट, सेफ कस्टडी में सामान या लॉकर रखते हैं, वो चार नॉमिनी बना सकते हैं। अगर ऊपर वाला नॉमिनी नहीं रहा, तो अगला नॉमिनी काम करेगा। इससे निपटारा और उत्तराधिकार में क्लेरिटी रहेगी। अगले महीने से लागू हो रहे बैंकिंग कंपनियां

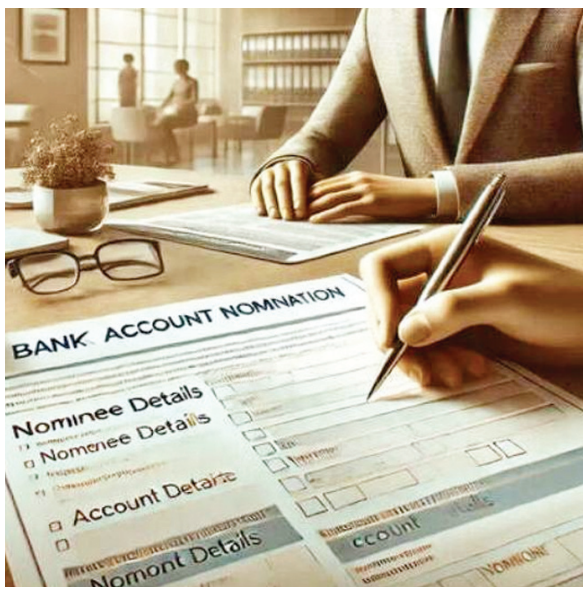

(नॉमिनेशन) नियम 2025 में नॉमिनेशन बनाने, रद्द करने या एक से ज्यादा नॉमिनी तय करने के लिए प्रोसेस औरस फॉर्म होंगे जल्द जारी होंगे।

इन बदलाव से आम आदमी को क्या मिलेगा?

- बैंकों का कामकाज ज्यादा पारदर्शी और तेज होगा।
- आपके पैसे और लॉकर की सुरक्षा बढ़ेगी।
- नॉमिनेशन के नए नियमों से आपके परिवार को आसानी होगी।
- पुराने नियमों को आज के समय के हिसाब से अपडेट किया गया है, जिससे बैंकिंग अनुभव बेहतर होगा।

नॉमिनी का मतलब क्या है?

नॉमिनी का मतलब वह व्यक्ति है, जिनका नाम बैंक खाते, निवेश या बीमा में नॉमिनी के तौर पर जुड़ा होता है और संबंधित व्यक्ति के अचानक निधन पर वह निवेश राशि क्लेम करने का हकदार होता है। मृत्यु के बाद नॉमिनी पैसों को क्लेम करेगा, लेकिन राशि नॉमिनी को तभी मिलेगी, जब उसमें कोई विवाद न हो। अगर मरने वाले के उत्तराधिकारी हैं, तो वे अपने हक के लिए उस राशि के लिए दावा कर सकते हैं। ऐसे में उसे राशि या प्रॉपर्टी के हिस्से सभी कानूनी वारिसों में बराबर बंटेंगे।

जोरदार शुरुआत के बाद मुनाफा वसूली के जाल में फंसा शेयर बाजार, मामूली बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली।

घरेलू शेयर बाजार ने गुरूवार को शानदार शुरुआत करने के बाद दिन के दूसरे सत्र में हुई मुनाफा वसूली के कारण मामूली बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। गुरूवार को के कारोबार की शुरुआत जोरदार तेजी के साथ हुई थी। 30 सितंबर 2024 के बाद गुरूवार को पहली बार सेंसेक्स 85,000 अंक और निफ्टी 26,000 अंक के ऊपर खुलने में सफल रहे। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद खरीदारी के सपोर्ट से इन दोनों सूचकांकों की चाल में और तेजी आ गई। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.15 प्रतिशत और निफ्टी 0.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। गुरूवार को दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी और टेक सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसके अलावा मेटल, एफएमसीजी और बैंकिंग इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस, इंफ्रास्ट्रक्चर और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरूवार को बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ गुरूवार को कारोबार का अंत किया। गुरूवार को शेयर बाजार की मजबूत क्लोजिंग के बावजूद मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के

कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 60 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को कारोबार के बाद घट कर 470.28 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि दिवाली की मुहूर्त ट्रेडिंग के बाद इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 470.89 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरूवार को कारोबार से करीब 61 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

गुरूवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,852 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,409 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 128 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में गुरूवार को 2,847 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,196 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,651 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 22 शेयर बढ़त के साथ और 8 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स गुरूवार को 727.81 अंक की मजबूती के साथ 85 हजार अंक के स्तर को पार करके 85,154.15 अंक के स्तर पर खुला?। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 863.72 अंक की तेजी के साथ 85,290.06 अंक के स्तर तक पहुंच गया।

दिन के दूसरे सत्र में बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। खासकर, कारोबार के आखिरी घंटे में हुई जोरदार बिकवाली की वजह से ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 850 अंक टूट कर 84,445.25 अंक के स्तर तक आ गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से थोड़ा सुधर कर 130.06 अंक की बढ़त के साथ 84,556.40 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने गुरूवार को 188.60 अंक की छलांग लगा कर 26,057.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

बाजार खुलने के कुछ देर बाद ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 235.60 अंक की तेजी के साथ 26,104.20 अंक तक पहुंच गया। दोपहर 1 बजे तक निफ्टी मामूली उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण गुरूवार को कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 240 अंक से अधिक लुढ़क कर 6.15 अंक की कमजोरी के साथ 25,862.45 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में दिन के सौदों के निपटारे की वजह से हुई खरीदारी के कारण निफ्टी निचले स्तर से रिकवरी करके 22.80 अंक की मजबूती के साथ 25,891.40 अंक के स्तर पर बंद हुआ। गुरूवार को दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से इंफोसिस 3.81 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजी 2.55 प्रतिशत, टीसीएस 2.21 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.07 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ गुरूवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, एटरनल 2.88 प्रतिशत, इंटरग्लोब एवियशन 2.10 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 1.91 प्रतिशत, भारती एयरटेल 1.74 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 1.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ गुरूवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

देहात की आकर्षक स्कीम देहात ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च

गुरुग्राम/ बिहार।

देश की सबसे बड़ी एग्रीटेक कंपनी देहात ने ग्रेट गेहूँ महोत्सव का दूसरा सीजन लॉन्च कर दिया है। इस स्कीम के तहत कुल 2001 विजेता किसानों को देहात के रीसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी पर बोलेरो, ट्रैक्टर, बुलेट समेत कई आकर्षक उपहार दिये जाएंगे। पिछले रबी सीजन के दौरान चलायी गयी इस स्कीम में देश भर के 1.5 लाख से अधिक किसानों ने भाग लिया था। जिसमें से 2,001 विजेता किसानों को विशेष इनामों से सम्मानित किया गया था। स्कीम का सबसे बड़ा इनाम भोपाल के जितेंद्र मीना (गब्बर) के नाम रहा, जिन्होंने महिंद्रा भूमिपुत्र ट्रैक्टर जीता। स्कीम दूसरा बड़ा इनाम मारुती ऑल्टो पटना के रहने वाले गोलू कुमार ने जीता था। इस अवसर पर देहात के सह संस्थापक व सीओओ श्याम सुंदर सिंह ने कहा, पिछले सीजन जिस तरह किसानों ने देहात पर अपना विश्वास जताकर स्कीम में भाग लिया वह काबिले तारीफ है। हमने ग्रेट गेहूँ महोत्सव के विजेताओं को ट्रैक्टर व ऑल्टो कार जैसे इनाम दिए। हमें न केवल किसानों की ओर से बीज को लेकर अच्छा फीडबैक मिला बल्कि वे स्कीम को लेकर भी काफी उत्साहित दिखें। बताते चलें कि, स्कीन में भाग लेना बेहद आसान है। किसानों को अपने नजदीकी देहात केंद्र से देहात के रिसर्च गेहूँ बीज की खरीददारी करना है और अपना लकी कूपन प्राप्त कर स्कीम के लिए रजिस्टर करना है।

वित्त वर्ष 2026 में भारत की जीडीपी 6.7-6.9 प्रतिशत बढ़ेगी, डेलॉइट इंडिया ने जताया अनुमान

नई दिल्ली।

बढ़ती मांग और नीतिगत सुधारों के बीच चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.7-6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है। डेलॉयट इंडिया ने गुरुवार को यह अनुमान जताया। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ी है। डेलॉइट इंडिया की %भारत का आर्थिक परिदृश्य% रिपोर्ट में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 6.7 से 6.9 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान लगाया गया है। इस वित्त वर्ष में इसका औसत 6.8 प्रतिशत है। यह डेलॉइट के पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक अधिक है। भारतीय अर्थव्यवस्था का यह प्रदर्शन न केवल लचीलेपन का संकेत देता है, बल्कि यह भी बताता है कि भारत अधिकांश देशों की तुलना में अधिक मजबूती से उभर रहा है। अगले वर्ष भी इसी तरह की वृद्धि दर की उम्मीद है, लेकिन व्यापार और निवेश से जुड़ी अनिश्चितताओं के कारण विविधता का दायरा व्यापक बना हुआ है। डेलॉयट जीडीपी वृद्धि का पूर्वानुमान आरबीआई के अनुमान के अनुरूप है। इसने वित्त वर्ष 2026 में आर्थिक वृद्धि 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था।

भाई दूज के दिन 6 हजार रुपये तक सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार मे चांदी के भाव में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है। आज भाई दूज के दिन भी इस चमकीली धातु की कीमत में 4 हजार से 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में चांदी 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूटा है, तो चेन्नई में इसकी कीमत में 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में चांदी की कीमत गिर कर 1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर,

सूरत और पुणे में चांदी 1,59,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,60,000 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,59,400 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट के बावजूद 1,74,000 रुपये के स्तर पर बनी हुई है। वैश्विक बाजारों में चांदी का हाजिर भाव 0.20 प्रतिशत गिर कर 48.43 डॉलर प्रति औंस पर आ गया है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि लंदन के सिल्वर मार्केट में चांदी की सप्लाई बढ़ने से उसकी उपलब्धता का संकट खत्म हो गया है। ऐसी स्थिति में वैश्विक बाजार में चांदी के भाव में 9.15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के कारोबारी जम कर मुनाफा वसूली कर रहे हैं। इस वजह से चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बन गया है।

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय चमड़ा उद्योग को लग सकता है झटका, राजस्व में 10 से 12% की गिरावट का अनुमान

नई दिल्ली।

अमेरिकी टैरिफ से इस वित्त वर्ष में भारतीय चमड़ा उद्योग के राजस्व में कमी आने की संभावना है। क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय चमड़ा उद्योग और संबद्ध उत्पाद कंपनियों के राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इस क्षेत्र के लिए अमेरिका एक प्रमुख बाजार है।

इन कारणों से गिरावट आने की संभावना : रिपोर्ट में कहा गया है कि निर्यात पर महत्वपूर्ण ध्यान दिए जाने के कारण जीएसटी के युक्तिकरण के बाद घरेलू मांग में मामूली सुधार के बावजूद कंपनियों की बिक्री में गिरावट देखी जाएगी। इसके अलावा अन्य कारक जैस कम आयकर, नरम मुद्रास्फीति और कम ब्याज दरें भी है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका की ओर से लगाया गया 50 प्रतिशत टैरिफ निर्यात की मात्रा में कमी लाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार इस उद्योग ने वित्त वर्ष 2025 में लगभग 56,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है और निर्यात से राजस्व में लगभग 70 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। बता दें कि निर्यात का बड़ा हिस्सा यूरोपीय संघ (50 प्रतिशत से अधिक) और अमेरिका (लगभग 22 प्रतिशत) को था।

अमेरिकी प्रतिबंधों से रिलायंस की रूसी तेल खरीद पर असर, सरकारी रिफाइनर फिलहाल सुरक्षित

नई दिल्ली।

अमेरिका की ओर से रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों पर लगाए गए नए प्रतिबंधों का असर भारत की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की कच्चे तेल की खरीद पर पड़ सकता है। यूक्रेन के मसले पर बातचीत के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन प्रतिबंधों के तहत अमेरिका में मौजूद रोसनेफ्ट और लुकोइल की सभी संपत्तियों को जब्त करना भी शामिल है। अमेरिका के इस सख्त कदम के बाद गुरुवार को को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में 4 फीसदी से अधिक का उछाल दिखा। रिलायंस रूस से भारत की कुल 1.7 मिलियन बैरल प्रतिदिन आयात का लगभग आधा हिस्सा खरीदती है। अमेरिका के नए प्रतिबंधों से अब कंपनी को अपनी तेल खरीद रणनीति पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है, क्योंकि वह सीधे रूस की कंपनी रोजनेफ्ट से कच्चा तेल खरीदती है।

वहीं, सरकारी तेल कंपनियों के लिए फिलहाल बड़ा झटका नहीं दिख रहा है। सूत्रों के मुताबिक, इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां अपने अधिकांश सौदे यूरोपीय ट्रेडर्स के माध्यम से करती हैं, जो अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में नहीं आते। इन कंपनियों ने बताया कि वे अनुपालन जोखिमों का आकलन कर रही हैं।

आयात कम करने के दबाव के बीच रूस की हिस्सेदारी घटने से भारत की कच्चे तेल की लागत बढ़ी, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2026 में अब तक दुबई बेंचमार्क की तुलना में भारत की औसत कच्चे तेल की आयात लागत में तेजी से वृद्धि हुई है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज ने अपनी ताजा रिपोर्ट में यह बात कही है। ब्रोकरेज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेल बास्केट में रूसी कच्चे तेल की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार वैकल्पिक कच्चे तेल के अधिक महंगा होने के कारण प्रीमियम भी ऊंचा रह सकता है और रिफाइनरों की लागत पर असर पड़ सकता है। कोटक के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में भारत की औसत तेल आयात लागत दुबई क्रूड की तुलना में लगभग 5 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल अधिक है। यह लागत हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट में इस इजाफे का कारण रूसी तेल का सस्ता होना, अन्य देशों से तेल का आयात महंगा होना, वेनेजुएल से कम तेल आयात अमेरिका

से अधिक तेल का आयात है। कोटक ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2026 में अब तक घटकर 34 प्रतिशत (वित्त वर्ष 2024 और वित्त वर्ष 2025 में 36 प्रतिशत) रह गई है। हालांकि अब भी भारत सबसे अधिक तेल रूस से खरीद रहा है पर हाल के महीनों में उसने इस मामले में संतुलन बनाने की कोशिश की है।

पिछले तीन वर्षों में रूस कच्चे तेल का बड़ा स्त्रोत : रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 2022 तक भारत के कच्चे तेल के आयात में रूस की हिस्सेदारी न के बराबर थी, लेकिन पिछले तीन वर्षों से रूस कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्त्रोत है। 2022 की शुरुआत में यूक्रेन संघर्ष के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत के रिफाइनरों ने भारी छूट का लाभ उठाते हुए मास्को से बड़ी मात्रा में तेल खरीदा। रूस के सस्ते बैरल ने भारत को अरबों डॉलर बचाने में मदद की है। कोटक ने अनुमान लगाया, अप्रैल 2022 से रूस से आयात के कारण 16.7 अरब अमेरिकी डॉलर (रूस से बाहर के आयात की तुलना में) की संभावित बचत हुई है।

रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान भारत ने भारी छूट का लाभ उठाया : 2022 की शुरुआत में यूक्रेन संघर्ष के बाद रूसी तेल पर प्रतिबंध लगने के बाद भारत के रिफाइनरों ने भारी छूट का लाभ उठाते हुए मास्को से खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि शुरू कर दी। मूल्य के लिहाज से, सस्ते बैरल ने भारत को अरबों डॉलर बचाने में मदद की है।

कलेक्टर ने ली समय-सीमा की बैठक

धान खरीदी और राज्योत्सव की तैयारी को लेकर दिए दिशा-निर्देश

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने गुरूवार को समय सीमा की बैठक में धान खरीदी की तैयारी की विस्तृत समीक्षा की और राज्योत्सव के आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने 15 नवंबर से शुरू हो रहे धान खरीदी हेतु समुचित व्यवस्था के निर्देश देते हुए कहा कि बाहर से धान की खपत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने धान की अवैध आवक को रोकने के लिए फील्ड स्तर पर कड़ी निगरानी हेतु समुचित तैयारी के निर्देश दिए। साथ ही राज्योत्सव के गरीमामयी आयोजन को लेकर भी दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को सौंपी गई जिम्मेदारियों का गंभीरता के साथ निर्वहन हेतु निर्देशित किया।

कलेक्टर ने बैठक में एग्रीस्टैक पोर्टल में किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी केन्द्रों में बारदाने की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों के बैंकों को ऋण स्वीकृति हेतु लंबित प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि हितग्राहियों को समय पर योजना का लाभ मिल सके। कृषि विभाग की समीक्षा करते हुए छूटे हुए हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने, हितग्राहियों का आधार सीडिंग का कार्य पूर्ण करने को कहा। शिक्षा विभाग को स्कूलों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु पीएम ई विद्या पोर्टल से ऑनलाइन पढ़ाई पर जोर दिया। साथ शत प्रतिशत बच्चों का अपार आईडी बनाने के कार्य में प्रगति लाने हेतु सभी बीईओ को सख्त निर्देश दिए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए आयुष्मान वय वंदन और आयुष्मान कार्ड में प्रगति लाने को कहा और आयुष्मान योजना अंतर्गत पंजीकृत नर्सिंग होम का नियमित निरीक्षण कर सभी आवश्यक सुविधाओं और गुणवत्ता की जांच करने के निर्देश सीएमएचओ को दिए ताकि आमजनों को निःशुल्क इलाज व्यवस्था का समुचित लाभ मिल सके। इसके अलावा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत निःक्षय मित्र की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई, अपर कलेक्टर श्री चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

फैबइंडिया मना रहा है छठ उत्सव का जश्न स्वर्णिम 2025 के साथ

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

त्योहारों के इस शुभ अवसर पर फैबइंडिया ने स्वर्णिम छठ पूजा कलेक्शन पेश किया है, जो लाल, मैजेंटा और गोल्ड जैसे चमकदार रंगों से प्रेरित है। इस कलेक्शन में हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला शामिल हैं साथ ही त्यौहार की सांस्कृतिक गहराई और उत्साह को दर्शाया गया है।

इस कलेक्शन का हर प्रोडक्ट, भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसमें पारंपरिक कलाओं से प्रेरित कलात्मक बुनाई शामिल हैं, जो परंपरा और डिज़ाइन के बीच के अटूट संबंध को खूबसूरती से उजागर करते हैं। खूबसूरत रंगो का सुन्दर मेल इस कलेक्शन को और भी शानदार बनाता है, जो पारिवारिक समारोहों, त्यौहारी अनुष्ठानों और उपहार के रूप में आदर्श विकल्प है।

ये कलेक्शन पूरे परिवार के लिए एक शानदार फेस्टिव रेंज प्रस्तुत करती है – महिलाओं के लिए इसमें सुंदर साडी, कुर्ता और दुप्पटा शामिल हैं, जिन्हें नाजुक कढ़ाईदार और गोल्ड से सजाया गया है। पुरुषों के लिए इस कलेक्शन में गहरे लाल और गहरे मैजेंटा शेड्स में क्लासिक कुर्ता और जैकेट उपलब्ध हैं। वही बच्चों के कलेक्शन को कम्फर्ट और सुंदरता को ध्यान में रख के तैयार किया गया है जिसमे हलके और हवादार फैब्रिक्स का इस्तेमाल किया गया है जिससे उनका हर उत्सव और भी आनंदमय बन सके। स्वर्णिम 2025 छठ पूजा कलेक्शन अब देशभर के सभी फैबइंडिया स्टोर्स और ऑनलाइन www.fabindia.com पर उपलब्ध है।

05 पी.एम. केयर्स बच्चों से मिले कलेक्टर उत्साहवर्धन किया और दी दीपावली की शुभकामनाएं

सूरजपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिले के कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन ने आज कोरोना महामारी के दौरान अनाथ हुए पांच बच्चों से मुलाकात की, जो प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के लाभार्थी हैं। कलेक्टर ने बच्चों से आत्मीय वार्तालाप करते हुए उनके शिक्षा, स्वास्थ्य और देखभाल की जानकारी ली।

मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने सभी बच्चों को कलेक्टर कार्यालय का भ्रमण कराया और दीपावली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं एवं सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, जीवन में आगे बढ़ने और समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री केयर्स फॉर चिल्ड्रन योजना के तहत कोरोना काल में अपने माता–पिता दोनों को खोने वाले बच्चों की समुचित देखभाल, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के नाम पर कलेक्टर के साथ संयुक्त खाते में 10 लाख की राशि जमा की गई है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद बच्चों को इस राशि का ब्याज लगभग 5,000 रुपये से 6,000 रुपये प्रतिमाह प्राप्त हो रहा है, जबकि 23 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें मूल राशि 10 लाख रूपये प्रदान की जाएगी, जिससे उनके आत्मनिर्भर जीवनयापन में सहायता मिल सके।

इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेंद्र पाटले, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री शुभम बंसल, जिला बाल संरक्षण अधिकारी श्री मनोज जायसवाल, लेखापाल वरुण सैंदाणे तथा सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अंजनी साहू उपस्थित रहीं।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले 'एकता मार्च' की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने ली तैयारियों के संबंध में ली जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक

जांजगीर–चांपा, प्रतिदिन राजधानी

भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री, भारत रत्न लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले यूनिटी मार्च की तैयारियों को लेकर आज जांजगीर–चांपा लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने सर्किट हाऊस जांजगीर में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा की गई और सभी विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल, श्री जगन्नाथ पाणिग्रही, श्री गुलाब सिंह चंदेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नंदिनी राजवाड़े, श्री पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह, श्री आशुतोष गोस्वामी, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर, एसडीएम जांजगीर श्री सुब्रत प्रधान सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित थे।

लोकसभा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि यह अभियान एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा युवाओं को सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्रनिर्माण के योगदान से जोड़ने का एक माध्यम होगी। उन्होंने कहा कि यूनिटी मार्च की सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाए। श्री जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि एकता, अखंडता और राष्ट्र सेवा के प्रतीक लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिले, यही इस आयोजन का उद्देश्य है। आयोजन में समाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि, एनजीओ, आमनागरिकों को अधिक से अधिक संख्या में शामिल करने कहा। पूर्व नेता प्रतिपक्ष श्री नारायण चंदेल ने यूनिटी मार्च के तैयारियों व व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी।

साथ ही जिले के सभी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में आत्मनिर्भर भारत, सरदार पटेल का जीवन एवं योगदान विषय पर वाद–विवाद, निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं संगोष्ठियों का आयोजन होगा। प्रत्येक विद्यालय में नशा मुक्त भारत की शपथ और 'गर्व से स्वदेशी अपनाने' का संकल्प दिलाया जाएगा। पदयात्रा से एक सप्ताह पूर्व तक सभी मार्गों एवं स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। साथ ही जनहित में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया जाएगा। यात्रा का समापन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पण और आत्मनिर्भर भारत की शपथ के साथ होगा। जिले से 5 अलग–अलग क्षेत्रों के उपलब्धि प्राप्त युवा जिले से यात्रा प्रारंभ कर नागपुर की ओर प्रस्थान करेंगे।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस

संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई–मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294-07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269-06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267-01259, 62642-74844

ए.एस. एसोसिएट्स
प्रथम तल, आनंद भवन गुरुनानक चौक, रायपुर
मो. 93020-77741, 98271-62101

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

https://epaper. pratidinrajdhani.in

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बिलासपुर बना चैंपियन

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

25वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता (सत्र 2025-26) का आयोजन बिलासपुर में हुआ। चार दिनों तक चले इस भव्य आयोजन में प्रदेश के पांचों संभागों से 1065 छात्र-छात्राओं सहित 150 से अधिक कोच, 200 अधिकारी एवं 200 खेल शिक्षक-कर्मचारी शामिल हुए। इस वर्ष बिलासपुर जिले को बेसबॉल, कबड्डी और कराते प्रतियोगिताओं के आयोजन की जिम्मेदारी मिली थी, जिनमें 14 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय आवासन एवं शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जब मैं विद्यार्थी था, हमारे गुरुदेव कहा करते थे

चार दिवसीय आयोजन में 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा, केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने बांटे पुरस्कार

कि खेलो ऐसे कि पढ़ाई बन जाए और पढ़ाई ऐसे करो कि पढ़ाई खेल बन जाए। यही जीवन का मूलमंत्र है। उन्होंने आगे कहा कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म को सर्वोपरि बताया है। खिलाड़ी जीत-हार की चिंता किए बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'खेलो इंडिया' के माध्यम से खेलों को नई ऊंचाई दे रहे हैं, वहीं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्यरत हैं। मंत्री ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनके साथ फोटो सेशन कर शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि खिलाड़ी मैदान में चोट की परवाह नहीं के विशिष्ट अतिथि बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि खिलाड़ी मैदान में चोट की परवाह नहीं करता, उसका ध्यान केवल जीत पर केंद्रित रहता है। खेल हमें अनुशासन, आत्मविश्वास और संघर्ष की सीख देता है। जीत-हार गौण है, महत्वपूर्ण यह है कि आप खेल में भाग लें और आगे बढ़ें।

समापन समारोह में जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष ललिता संतोष कश्यप, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, जिला पंचायत सभापति अंबिका साहू, सीईओ संदीप अग्रवाल, नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, शिक्षक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

बिना अनुमति रेत ढोने वालों पर एफआईआर कराई खनिज विभाग ने

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

खनिज विभाग की टीम ने मंगला पाठ बाबा घाट क्षेत्र में अवैध रेत परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्राली जब्त की हैं। विभागीय निरीक्षण के दौरान ये वाहन बिना खनिज पास के रेत ले जाते पकड़े गए। खनिज निरीक्षक राजू यादव की शिकायत पर तीन अलग-अलग मामलों में वाहन मालिकों और चालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

पहले मामले में भोला चौहान (चालक) और लखन सिंह चौहान (मालिक), दोनों निवासी धुरीपारा, मंगला घाट से बिना अनुमति रेत भरकर ले जा रहे थे। औचक निरीक्षण के दौरान वाहन को वहीं से जब्त कर सिविल लाइन थाने में रखवाया गया। दूसरे मामले में पाकुन साहू (ड्राइवर) और सनी यादव (मालिक), निवासी मंगला, अवैध रेत परिवहन करते पकड़े गए। इस ट्रैक्टर-ट्राली को भी पुलिस की अभिरक्षा में रख दिया गया है। तीसरे मामले में मनोज कुमार पटेल (चालक) और राज पटेल (मालिक), निवासी लोखंडी, को बिना खनिज पास के रेत परिवहन करते पकड़ा गया।

खनिज विभाग की टीम ने सीपत और रतनपुर क्षेत्रों में भी कार्रवाई की। ग्राम खैरा यज्ञशाला परिसर के पास नदी से रेत निकालते हुए एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया और उसे रतनपुर थाने में खड़ा कराया गया। तीन अन्य ट्रैक्टरों को गढ़वट क्षेत्र के पास जब्त किया गया।

सरकारी गाइडलाइन की अवहेलना

एनएसयूआई के विरोध के बाद वेदिक इंटरनेशनल स्कूल बंद

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी ,

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा जारी दीपावली अवकाश (20 से 25 अक्टूबर) के निर्देशों को नजरअंदाज करते हुए वेदिक इंटरनेशनल स्कूल ने बुधवार को ही स्कूल का संचालन शुरू कर दिया। इस कार्रवाई के विरोध में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के कार्यकर्ताओं ने स्कूल पहुँचकर धरना-प्रदर्शन किया और प्रबंधन को नियमों का पालन करने के लिए बाध्य किया।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए एनएसयूआई जिला अध्यक्ष आरिफ हुसैन ने बताया कि राज्य के सभी निजी स्कूल सरकारी गाइडलाइन का पालन कर रहे हैं, लेकिन वेदिक इंटरनेशनल स्कूल ने जानबूझकर नियमों की अवहेलना की। उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रिंसिपल से माँग की कि तत्काल स्कूल बंद कर शासनादेश का पालन किया जाए।

एनएसयूआई ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, ष्यह स्कूल लगातार विवादों के घेरे में रहता है। पूर्व में यहाँ एक छात्रा ने आत्महत्या की थी, लेकिन उसकी रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं हुई। हाल ही में यहाँ के एक शिक्षक स्टाफ की सन्दिग्ध हालत में लाश मिली थी, जिस मामले को रफा-दफा कर दिया गया। प्रिंसिपल के साथ हुई लंबी बहस के बाद, स्कूल प्रशासन को झुकना पड़ा और तत्काल प्रभाव से स्कूल को दीपावली छुट्टियों तक के लिए बंद करने का आदेश जारी किया गया।इसके बाद एनएसयूआई के कार्यकर्ता सीधे जिला शिक्षा विभाग पहुँचे, जहाँ उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपते हुए स्कूल के खिलाफ त्वरित कार्रवाई और जाँच बैठाने की माँग की। एनएसयूआई ने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि शीघ्र ही स्कूल के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई, तो वे शिक्षा विभाग के खिलाफ बड़े स्तर पर प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

अडानी के खिलाफ भड़का जनाक्रोश

पुरंगा कोल ब्लॉक जनसुनवाई रद्द करने ग्रामीणों ने घेरा कलेक्टोरेट

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी ,

पुरंगा कोल ब्लॉक में अडानी को दिए गए कोल ब्लॉक की जनसुनवाई रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को काफी संख्या में ग्रामीण जल, जंगल, जमीन, पशु को बचाने के लिए हाथों में तख्ती लेकर नारेबाजी करते हुए रैली निकाल कर रायगढ़ कलेक्टर ऑफिस पहुंचे। कलेक्ट्रेट परिसर में नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों द्वारा गेट खोलो, गेट खोलो के नारे लगाए। वहीं ग्रामीणों की मांग है कि जिला कलेक्टर ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उनकी मांग को सुने।

विदित हो कि रायगढ़ जिले के धर्मजगढ़ क्षेत्र में अदानी के कोल ब्लॉक की जनसुनवाई 11 नवंबर को प्रस्तावित है जिसका की प्रभावित गांवों के ग्रामीणों द्वारा पुरजोर विरोध किया जा रहा है, स्पष्ट उनका कहना है कि इस कोल माइन्स के खुल जाने से हमारे जमीन और जंगल के साथ ही पशुओं का भी सत्यानाश हो जाएगा और वह जनसुनवाई को रद्द करने की मांग पर अड़े हुए हैं।

धरमजयगढ़ विकासखंड के ग्राम पंचायत तेन्दुमुड़ी में नीति शनिवार को आयोजित पेशा कानून के तहत विशेष ग्राम सभा में ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से मेसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड, पुरुंगा (अडानी ग्रुप) की प्रस्तावित भूमिगत कोयला खदान परियोजना के विरोध में प्रस्ताव पारित करते हुए आगामी 11 नवंबर को निर्धारित पर्यावरणीय जनसुनवाई को निरस्त करने का निर्णय लिया। ग्राम सभा को प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंपनी द्वारा 869.025 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2.25 मिलियन टन प्रति वर्ष की उत्पादन क्षमता वाली भूमिगत कोयला खदान का प्रस्ताव दिया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र में 621.331 हेक्टेयर वन भूमि, 26.898 हेक्टेयर गैर-वन भूमि, एवं 220.796 हेक्टेयर निजी भूमि शामिल है। यह खदान ग्राम पंचायत तेन्दुमुड़ी, पुरुंगा और साम्हरसिंघा के क्षेत्र को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करेगी। ग्राम सभा की आपत्तियां ग्रामवासियों ने अपने प्रस्ताव में कहा कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के अंतर्गत ग्राम के निजी दावे अभी लंबित हैं, ऐसे में बिना स्वीकृति किसी भी परियोजना की कार्यवाही गैरकानूनी है।

घना जंगल और हाथियों का प्राकृतिक आवास

क्षेत्र पेशा कानून के अंतर्गत आता है, और ग्राम सभा ने इस परियोजना को स्वीकृति नहीं दी है। यह क्षेत्र पाँचवीं अनुसूची में शामिल है तथा छत्तीसगढ़ पेशा अधिनियम 2022 के तहत संरक्षित है। प्रस्तावित खनन क्षेत्र में कोकदार आरक्षित वन क्षेत्र आता है, जो अत्यंत घना जंगल है और हाथियों का प्राकृतिक आवास है। ग्रामवासियों ने चिंता व्यक्त की कि भूमिगत खनन से विशाल गड्ढों में जल भराव होगा, जिससे आस-पास के नदी-नालों के जल स्रोत सूख सकते हैं, और जैव विविधता पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। धरमजयगढ़ वनमंडल में अब तक 167 ग्रामीणों की मृत्यु हाथियों के हमलों में और 68 हाथियों की मौत दर्ज की जा चुकी है। वहीं छाल रेंज में 54 ग्रामीणों और 31 हाथियों की मौत हुई है। ग्रामीणों ने चेताया कि खनन शुरू होने से जंगली हाथियों के विचरण क्षेत्र में बाधा, ध्वनि और वायु प्रदूषण, तथा ग्रामवासियों की जान-माल को खतरा बढ़ जाएगा।

पेशा कानून के तहत अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड पुरुंगा अडानी की जनसुनवाई को पहले ही हुई निरस्त

ग्राम सभा ने किया पुरजोर विरोध

ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से लिया निर्णय पेशा कानून की मान्यता को ध्यान में रखते हुए ग्राम तेन्दुमुड़ी, मेसर्स अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित पुरुंगा भूमिगत कोयला खदान (869.025 हेक्टेयर एवं 2.25 क्षमता) परियोजना का विरोध करती है और इस परियोजना से संबंधित 11 नवंबर की पर्यावरणीय जनसुनवाई को निरस्त करती है।

ग्राम सभा ने प्रशासन एवं कंपनी को चेतावनी दी कि ग्राम क्षेत्र में खनन के समर्थन में किसी भी प्रकार की गतिविधि करना सख्त रूप से प्रतिबंधित रहेगा।अब देखना यह होगा कि पेशा कानून के तहत पारित इस विशेष ग्राम सभा के निर्णय के बाद प्रशासन जनसुनवाई को निरस्त करता है या विरोध के बीच सुनवाई आयोजित करता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा।

टार्च दिखाने की बात पर तीन ने मिलकर युवक को चाकू से गोदा, घायल

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी ,

महासमुंद कोतवाली थानांतर्गत ग्राम नांदगांव के हाई स्कूल मैदान में 20 अक्टूबर की रात टार्च दिखाने की बात पर तीन युवकों ने मिलकर एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक वार्ड-18 ग्राम नांदगांव निवासी चंद्रध्वज सिंह ने पुलिस को बताया कि 20 अक्टूबर को रात करीबन 9.30 बजे वे खाना खाकर घर में सहपरिवार बैठे थे। उसी समय बेटे भेसराज सिंह को उसके दोस्त रवि पटेल और डगेश्वर साहू लेकर आए। भेसराज की कमर के ऊपर में चोटे आई थीं। वह बातचीत करने की हालत में नहीं था। उसे तुरंत एंबुलेंस से खरोरा अस्पताल पहुंचाया गया। भेसराज के दोस्त रवि ने बताया कि रात करीब 9 बजे वह डगेश्वर साहू और भेसराज सिंह के साथ हाई स्कूल मैदान के पास बैठे थे। कुछ समय बाद बाइक से कीर्ति सतनामी, शुभम सतनामी भेसराज टार्च दिखाने लगा। कीर्ति सतनामी, शुभम सतनामी और शुभम धीवर ने टार्च दिखाने की बात पर विवाद करते हुए भेसराज की कमर में चाकू से हमला कर दिया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

तमनार वन परिक्षेत्र में हाथी की मौत, तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी ,

छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अंतर्गत रायगढ़ वनमंडल के तमनार वन परिक्षेत्र में हाथी की मौत के मामले में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए वन विभाग की टीम ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई वन मंत्री और प्रधान मुख्य वन संरक्षक के वन्य अपराधों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति और सख्त निर्देशों के तहत की गई है। मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) बिलासपुर मनोज पांडे और वनमंडलाधिकारी रायगढ़ अरविंद पीएम के मार्गदर्शन में टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए आरोपियों को हिरासत में लिया। कार्यवाही का नेतृत्व उपवनमंडलाधिकारी घरघोड़ा मनमोहन मिश्रा एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी विक्रांत कुमार द्वारा किया गया। आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 9 और 51 के अंतर्गत अपराध दर्ज कर विधिक प्रक्रिया अपनाई गई। गिरफ्तार आरोपियों में केराखोल निवासी बसंत राठिया एवं वीर सिंह मांझी तथा औराईमुड़ा निवासी रामनाथ राठिया शामिल है। तीनों आरोपियों को माननीय न्यायालय, घरघोड़ा में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिनों की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। वन विभाग द्वारा मामले की जांच अभी

जारी है और अन्य संभावित संलिप्त व्यक्तियों की तलाश की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। वन विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण में सहयोग करें। यदि किसी को वन्यजीवों के शिकार या अन्य अवैध गतिविधियों की जानकारी हो, तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें। आपकी जागरूकता ही वन्य जीवन की रक्षा का सबसे बड़ा साधन है।

ट्रेलर की ट्रॉली चोरी, ट्रांसपोर्टर ने लिखाई रिपोर्ट

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी ,

जिले के तमनार थाना क्षेत्र से चोरी की एक अनोखी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने कॉलोनी के सामने खड़ी एक ट्रेलर की ट्रॉली चोरी कर ली। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, मासूम अंसारी, निवासी कुंजेमुरा, जो ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करते हैं, ने तमनार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका ट्रेलर वाहन क्रमांक सीजी 13 एलए 4424 की ट्रॉली को उन्होंने हुकराडीपा चौक स्थित शारदा कॉलोनी के सामने खड़ा किया था। वह ट्रेलर का हार्स बनवाने के लिए गैरेज ले गए थे।

बताया गया कि ट्रॉली लगभग एक महीने से वहीं खड़ी थी, इसी बीच 13 और 14 अक्टूबर की रात अज्ञात चोरों ने मौके का फायदा उठाकर ट्रॉली चोरी कर ली। चोरी गई ट्रॉली की कीमत करीब 70 हजार रुपये बताई गई है। आसपास के इलाकों में खोजबीन करने के बाद भी ट्रॉली का कोई सुराग नहीं मिला। मासूम अंसारी की शिकायत पर तमनार पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि जल्द से जल्द चोरों तक पहुंचा जा सके।

प्रिंटर्स दुकान में आग, लाखों का सामान जलकर खाक

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

अनाथालय के पास स्थित यश प्रिंटर्स में दीपावली की रात भीषण आग लग गई, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि देखते ही देखते पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें और धुएं के गुबार दूर-दूर से दिखाई दे रहे थे।

स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस और दमकल विभाग को आग लगने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों के साथ-साथ जिंदल से भी एक फायर ब्रिगेड की गाड़ी घटनास्थल पर पहुंची। करीब दो दर्जन दमकल कर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी प्रिंटिंग दुकान जलकर खाक हो चुकी थी।

दुकान मालिक बंटी चोपड़ा और मोंटी चोपड़ा ने बताया कि लाखों रुपये का माल और प्रिंटिंग कीमती मशीनें जलकर राख हो चुकी हैं। प्रथम दृष्टया आग

लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। नुकसान का सही आकलन होने के बाद ही क्षति की वास्तविक राशि का पता चल पाएगा। राहत की बात यह रही कि स्थानीय लोगों और प्रशासन की तत्परता के चलते इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, वरना हादसा कहीं बड़ा हो सकता था।

थाने के शौचालय में लगाया मोदी-साय का पोस्टर, भाजपा ने घेराव कर थाना प्रभारी को हटाने की मांग की

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

सीपत थाना दीपावली के दिन राजनीतिक विवादों के घेरे में आ गया। मामला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पोस्टर थाने के सार्वजनिक शौचालय में दरवाजे के रूप में लगा पाने के बाद गरमाया। यह पोस्टर सुशासन पखवाड़ा का है। शौचालय का गेट टूट जाने के कारण पुलिस कर्मियों ने इसे अस्थायी रूप से दरवाजे की जगह उपयोग में ले लिया। मंगलवार को जैसे ही इसकी खबर भाजपा कार्यकर्ताओं को लगी, थाने में हंगामा मच गया।

भाजपा जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष राज्यवर्धन कौशिक, मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा, उपाध्यक्ष अभिलेष यादव, वरिष्ठ नेता मन्नू ठाकुर, मदनलाल पाटनवार, बसंत साहू, भाजयुमो अध्यक्ष तुषार चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और जमकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने थाना प्रभारी गोपाल सतपथी पर आरोप लगाया कि उनके संरक्षण में अवैध शराब कारोबार और आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। थाना परिसर में बंद कमरों में बाहरी लोगों को बुलाकर शराबखोरी भी की जाती है। सूचना मिलते ही डीएसपी निमितेश सिंह मौके पर पहुंचे और नाराज़ भाजपा कार्यकर्ताओं से चर्चा की। कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के पोस्टर को शौचालय में लगाने वाले पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। डीएसपी ने मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए। मौके पर भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें उर्विजेश कौशिक, नारायण साहू, अनिल साहू, ललित यादव, वैभव तंबोली, विशाल तंबोली, पुष्पेंद्र दास, रिंकू शर्मा, विक्रम राजपूत, जयशंकर साहू, मनीष जायसवाल, दिनेश विजय, परमेश्वर साहू, प्रमोद शर्मा, कुलदीप यादव, शुभम यादव, सोनू रजक और अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। भाजपा नेताओं ने कहा कि जब तक थाना प्रभारी को हटाकर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, वे शांत नहीं बैठेंगे। डीएसपी ने बताया कि पुलिस प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है और जल्द ही दोषियों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे। भाजपा सीपत मंडल अध्यक्ष दीपक शर्मा ने आरोप लगाया है कि थाना लोकार्पण के दौरान लगाया गया शिलालेख अब परिसर से हटा दिया गया है। उन्होंने इसे भी बड़ी अनियमितता बताते हुए जांच और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती पर विशेष लेख

सुशासन की नई पहलः समयबद्ध छात्रवृत्ति से शिक्षा की राह हुई आसान

डॉ. ओम प्रकाश डहरिया
सहा. जनसम्पर्क अधिकारी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर राज्य के शैक्षणिक संस्थानों, आश्रम–छात्रावासों और तकनीकी एवं प्रोफेशनल पाठ्यक्रम में पढ़ाई करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति का भुगतान निर्धारित समय–सीमा में उनके बैंक खाते में ऑनलाईन होने से अब उक्त वर्ग के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की राह आसान हो गई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने हाल ही में मंत्रालय, महानदी भवन से इन वर्गों के लगभग 2 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में 84.66 करोड़ रूपए की शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति ऑनलाईन अंतरित की है।

उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को शिष्यवृत्ति और छात्रवृत्ति ऑनलाईन भुगतान की शुरूआत मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के हाथों पहली बार 10 जून 2025 को हुई। राज्य में संचालित सभी प्री. मैट्रिक छात्रावासों एवं आश्रमों में प्रवेशित बच्चों को शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पूर्व ही शिष्यवृति की प्रथम किश्त राशि 77 करोड़ रूपए एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में अध्ययनरत छात्रों हेतु भोजन सहाय की प्रथम किश्त के रूप में राशि 8.93 करोड़ रूपए, इस प्रकार कुल 85 करोड़ रूपए की राशि जारी कर एक अभिनव पहल की गई थी। इसके ठीक बाद दूसरे चरण में 17 जून 2025 को 8370 विद्यार्थियों को छात्रवृति की राशि 6.2 करोड़ रूपए का ऑनलाइन अंतरण किया गया था।

मुख्यमंत्री श्री साय के हाथों आश्रम–छात्रावासों के 1 लाख 86 हजार 50 विद्यार्थियों को शिष्यवृति की द्वितीय किश्त की राशि 79 करोड़ 27 लाख रूपए एवं पो. मैट्रिक छात्रवृत्ति के 12 हजार 142 विद्यार्थियों को 5 करोड़ 38 लाख 81 हजार रूपए उनके बैंक खातों में राशि अंतरित की गई है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिक्षा को सबके लिए

आसान बनाने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ा वर्ग तथा कमजोर वर्गों के छात्र–छात्राओं की शिक्षा चिंता की और उन्होंने आदिमजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्प संख्यक कल्याण विभाग द्वारा संचालित आश्रम –छात्रावास में रहकर शिक्षा अध्ययन कर रहे के बच्चों के शिक्षा को आसान बनाने के लिए यह नयी पहल की है। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम के नेतृत्व और विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा के गहन प्रयासों से कमजोर वर्गों के विकास एवं उन्हें विकास की मुख्यधारा में लाने बिना रूकावट के शिक्षा ग्रहण हेतु सुविधा प्रदान करने का यह प्रयास सार्थक हो रहा है।

आदिम जाति कल्याण विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा के प्रयासों से प्री. मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति तथा शिष्यवृत्ति भुगतान के लिए नयी व्यवस्था में माह जून, सितंबर, अक्टूबर एवं दिसंबर में विद्यार्थियों को अब ऑनलाईन भुगतान किया जा रहा है। इस पहल से विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के दौरान होने वाली आर्थिक समस्या से निजात मिली है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस नयी व्यवस्था से पूर्व विद्यार्थियों को दिसंबर एवं फरवरी–मार्च में वर्ष में एक बार छात्रवृति एवं शिष्यवृति की राशि प्रदान की जाती थी।

दरअसल आश्रम छात्रावास में रहकर शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी हो या यहां रहकर अध्ययन कर चुके विद्यार्थी हो अथवा आश्रम छात्रावासों में रहकर उच्च पदों में कार्य कर रहे विद्यार्थी क्यों न हो। वे समय पर स्कॉलरशिप नहीं मिलने के कारण की परेशानियों से भलीभांति वाकिफ हैं। वास्तव में एक विद्यार्थी को अध्ययन सामग्री क्रय करने के लिए जब पैसे की जरूरत हो उस वक्त छात्रवृत्ति और शिष्यवृत्ति की राशि उनके बैंक खातों में पहुंचना बेहद महत्वपूर्ण होता है। छात्रावासी विद्यार्थियों की इस परेशानी को दूर करने के लिए प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा सहित विभागीय अमलों ने संवेदनशीलता के साथ कितनी मशक्कत की होगी यह किसी से छिपा नहीं है। इसी का परिणाम है कि विभाग आश्रम छात्रावास के बच्चों के छात्रवृत्ति के लिए की गई तय सीमा से लाखों विद्यार्थियों को लाभ मिलना लाजिमी है।

छात्रावास में रहने वाले बच्चों की अधिकतर आवश्यकताएँ सरकार द्वारा पूरी की जाती हैं, लेकिन छात्रवृत्ति उन्हें व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने की स्वतंत्रता देती है। इससे वे किताबें, स्टेशनरी व अन्य जरूरी सामान स्वयं खरीद सकते हैं। जब यह सहायता समय पर मिलती है, तो विद्यार्थी बिना किसी चिंता के अपनी पढ़ाई जारी रख पाते हैं और उनका ध्यान पढ़ाई से भटकता नहीं है। समय पर छात्रवृत्ति मिलने से बच्चों का आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

समय पर छात्रवृत्ति मिलने से न केवल बच्चों की शैक्षिक यात्रा आसान होती है, बल्कि उन्हें उच्च शिक्षा की ओर बढ़ने का प्रोत्साहन भी मिलता है। वे यह सोचने लगते हैं कि यदि अभी उन्हें सहायता मिल रही है तो आगे भी मिलेगी, जिससे वे कॉलेज या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की ओर अग्रसर होते हैं। इससे राज्य में एक शिक्षित, आत्मनिर्भर और जागरूक युवा पीढ़ी का निर्माण होता है। अंत में, यह कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर स्कॉलरशिप देने की प्रक्रिया से छत्तीसगढ़ में समावेशी शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे विशेषकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा ग्रहण करने में आसान होगी।

ताइवान के आस–पास चीनी सैन्य गतिविधि तीन विमानों और चार जहाजों की घुसपैठ दर्ज

एजेंसी, नई दिल्ली। ताइवान ने ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार सुबह ताइवान के क्षेत्रीय जल के आसपास तीन चीनी सैन्य विमानों और चार चीनी नौसैनिक जहाजों की गतिविधि का पता लगाया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इनमें से एक उड़ान ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के उत्तरी हवाई रक्षा पहचान क्षेत्र में प्रवेश किया। मंत्रालय ने कहा कि ताइवान ने स्थिति की निगरानी की और आवश्यक प्रतिक्रिया दी।

मंत्रालय ने एक्स के समान प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि तीन उड़ानों में से एक उड़ान ने ताइवान के उत्तर में प्रवेश किया। इसके एक दिन पहले, बुधवार को ताइवान ने दो चीनी सैन्य विमान, चार नौसैनिक जहाज और एक आधिकारिक चीनी जहाज देखा।

इनमें से दोनों उड़ानों ने मध्य रेखा पार कर ताइवान के एडीआईजेड में प्रवेश किया। ताइवान ने स्थिति पर नजर रखी और जवाबी कार्रवाई की।

संबंध और तनाव

यह घुसपैठ चीन द्वारा ताइवान पर जारी सैन्य दबाव अभियान का नया अध्याय है। बीजिंग ताइवान को अपने क्षेत्र का हिस्सा मानता है, जबकि ताइवान स्वतंत्रता बनाए रखने पर अड़ा हुआ है। लगातार होने वाली ये घटनाएँ दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाती हैं। सैन्य और समुद्री गतिविधियों के कारण क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताएं बढ़ गई हैं।

नाभिकीय क्षमताओं का खतरा

सुरक्षा विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि चीन की तेज़ी से बढ़ती और विविध होती नाभिकीय क्षमता पश्चिमी देशों के लिए नाभिकीय ब्लैकमेल या संघर्ष की संभावना पैदा कर सकती है। चीन ने 3 सितंबर को तियानमेन स्क्वायर पर आयोजित सैन्य परेड में तीन मिसाइलें प्रदर्शित कीं, जिनमें जेएल–1 एयर–लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल, जेएल–3 सबमरीन–लॉन्च इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल और डीएफ-61 सतह से सतह इंटरकॉन्टिनेंटल मिसाइल शामिल हैं।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि चीन लगातार अपने सैन्य दबाव को बढ़ा रहा है। इससे दक्षिण–पूर्व एशिया और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षा चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। ताइवान की निगरानी और तैयारियां लगातार जारी हैं, ताकि किसी भी संभावित खतरे का समय रहते जवाब दिया जा सके।

राजनाथ ने नौसेना की शक्ति और तैयारी को सराहा कहा- आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका

एजेंसी, नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारतीय नौसेना की दृढ़ और प्रभावशाली तैनाती ने पूरी दुनिया को भारत की समुद्री ताकत का एहसास कराया। उन्होंने कहा कि नौसेना की रोकथाम क्षमता ने पाकिस्तान को अपने बंदरगाहों में ही सीमित रहने पर मजबूर कर दिया। रक्षा मंत्री गुरुवार को नौसेना कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर भारत की क्षमता का प्रतीक था और यह संदेश था कि भारत हर चुनौती का जवाब देने के लिए हमेशा तैयार है।'

ऑपरेशन सिंदूर- जवाबी तैयारियों की तैयारी

पाहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय नौसेना ने उत्तरी अरब सागर में अपने विमानवाहक युद्ध समूह, पनडुब्बियों और नौसैनिक विमानों को पूरी तरह तैनात किया था। नौसेना पूरी तैयारी में थी कि जरूरत पड़ने पर समुद्र या जमीन पर चुनिंदा लक्ष्यों, यहां तक कि कराची तक, पर सटीक वार किया जा सके।

क्षेत्रीय सुरक्षा में भारत की भूमिका

राजनाथ सिंह ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) अब वैश्विक राजनीति का केंद्र बन चुका है। यह क्षेत्र अब निष्क्रिय नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धा और सहयोग दोनों का केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा, 'भारतीय नौसेना की मौजूदगी हमारे मित्र देशों के लिए भरोसे का प्रतीक है और उन लोगों के लिए असुविधा का कारण है जो इस क्षेत्र को अस्थिर करना चाहते हैं।'

नौसेना की उपलब्धियां

पिछले छह महीनों में भारतीय नौसेना ने अभूतपूर्व पैमाने पर जहाजों, पनडुब्बियों और विमानों की तैनाती की है। इस दौरान नौसेना ने लगभग 335 व्यापारी जहाजों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया, जिनमें करीब 1.2 मिलियन मीट्रिक टन माल था, जिसकी कुल व्यापारिक कीमत करीब 5.6 अरब अमेरिकी डॉलर आंकी गई। रक्षा मंत्री ने कहा, 'यह दर्शाता है कि भारत अब वैश्विक समुद्री अर्थव्यवस्था में एक भरोसेमंद और सक्षम साझेदार बन गया है।'

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में अग्रसर नौसेना

राजनाथ सिंह ने नौसेना को आत्मनिर्भर भारत का ध्वजवाहक बताते हुए कहा कि पिछले 10 वर्षों में नौसेना के करीब 67 प्रतिशत पूंजीगत खरीद अनुबंध भारतीय उद्योगों के साथ हुए हैं। उन्होंने बताया कि नौसेना 194 नवाचार और स्वदेशीकरण परियोजनाओं पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, 'आज हमारी नौसेना आत्मनिर्भरता, नवाचार और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में देश की अग्रणी शक्ति बन गई है।'

तीन स्तंभ- क्षमता, जनशक्ति और साझेदारी

रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना की भविष्य की सफलता इन तीन स्तंभों पर निर्भर है– क्षमता (तकनीक और ताकत), जनशक्ति (नाविक और उनके परिवार), और साझेदारी (उद्योग, शिक्षा जगत व अंतरराष्ट्रीय सहयोग)। उन्होंने कहा, 'जब ये तीनों एक साथ चलते हैं, तब हमारी नौसेना और भी भरोसेमंद और शक्तिशाली बनती है।'

60 दवाओं के सैंपल फेल, 52 मानक के नीचे... लैब रिपोर्ट से खुले फार्मा कंपनियों के काले कारनामे

एजेंसी, नई दिल्ली। देश में मिलावटी और घटिया गुणवत्ता वाली दवाओं पर बड़ी कार्रवाई की गई है। केंद्रीय औषधि प्रयोगशालाओं ने सितंबर महीने में विभिन्न कंपनियों द्वारा बनाई गई 52 दवाओं को मानक गुणवत्ता से कम पाया है। वहीं, राज्य औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने भी 60 दवा सैंपल को अस्वीकार्य गुणवत्ता का बताया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार, यह जांच नियमित नियामक निगरानी के तहत की जाती है। हर महीने की तरह इस बार भी सितंबर 2025 के लिए मानक से कम और नकली दवाओं की सूची केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन की वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। मंत्रालय ने कहा कि ये दवाएं देशभर के अलग–अलग राज्यों में

निर्मित की गई थीं, और कई बड़ी फार्मा कंपनियां भी इस सूची में शामिल हैं।

जांच के नतीजे और कार्रवाई

अधिकारियों ने बताया कि एनएसक्यू की पहचान दवा के एक या अधिक गुणवत्ता मानकों में असफल रहने के आधार पर की जाती है। यह असफलता केवल उस विशिष्ट बैच की होती है जिसकी जांच की गई, इसलिए इसका असर अन्य बैचों पर नहीं माना जाना चाहिए।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ राज्य से एक सैंपल नकली दवा के रूप में चिन्हित किया गया है। यह दवा एक ऐसी कंपनी द्वारा बनाई गई थी, जिसने किसी दूसरी कंपनी के ब्रांड नाम का अवैध रूप से उपयोग किया था। फिलहाल यह मामला जांच के अधीन है और संबंधित नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही है।

सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम

स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहती है ताकि बाजार में मौजूद असुरक्षित, घटिया या नकली दवाओं को पहचानकर हटाया जा सके। केंद्र सरकार ने राज्य औषधि नियंत्रकों के साथ मिलकर कड़े नियामक कदम उठाने शुरू किए हैं। ऐसे मामलों में कंपनियों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने से लेकर कानूनी कार्रवाई तक की जा सकती है।

उपभोक्ताओं के लिए चेतावनी

विशेषज्ञों ने कहा कि यह जरूरी है कि लोग दवाएं केवल पंजीकृत और प्रमाणित दवा दुकानों से ही खरीदें। सरकार का यह कदम देश में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध दवा या गलत पैकेजिंग वाली दवा की तुरंत रिपोर्ट स्थानीय औषधि निरीक्षक को दें।

न्यायपालिका संविधान के मूल्यों की रक्षा और जनता के विश्वास की प्रहरी: सीजेआई

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने कहा है कि अदालतों की सांविधानिक शासन प्रणाली में सक्रिय और अपरिहार्य भूमिका है और वे संविधान के उद्देश्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। भूटान के रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्थित जिग्मे सिंगे वांगचुक लॉ स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में 'कोर्ट्स एंड कॉन्स्टिट्यूशनल गवर्नेंस' विषय पर मुख्य भाषण देते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि जनता का विश्वास ही न्यायपालिका की सबसे मूल्यवान संपत्ति है। न्यायालय तभी

प्रभावी होते हैं जब नागरिक यह मानते हैं कि न्याय बिना किसी भय या पक्षपात के किया जाएगा।

सीजेआई ने कहा कि न्यायपालिका का सबसे मूल्यवान संसाधन जनता का विश्वास है। न्यायालय केवल संविधान की व्याख्या करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे संस्थाओं के मध्य मध्यस्थ, मौलिक अधिकारों के संरक्षक और पर्यावरण एवं सामाजिक कल्याण के रक्षक के रूप में भी कार्य करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि हर निर्णय, चाहे वह लोकप्रिय हो या न हो, निष्पक्षता और नैतिक साहस प्रदर्शित करना चाहिए। गवई ने कहा कि न्यायपालिका का प्रभाव केवल मुकदमे के पक्षों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकतांत्रिक जागरूकता और सांविधानिक शिक्षा का माध्यम भी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने छठ घाटों का निरीक्षण कर छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायज़ा

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आगामी छठ महापर्व के मद्देनज़र पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अंबिकापुर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शंकरघाट और गोधनपुर स्थित घाटों पर चल रही तैयारियों का बारीकी से जायज़ा लिया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने अधिकारियों एवं स्थानीय प्रतिनिधियों से घाटों की साफ़–सफ़ाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, पेयजल, शौचालय तथा यातायात प्रबंधन जैसी आवश्यक सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की

असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएँ समय पर पूर्ण कर ली जाएँ।

श्री अग्रवाल ने कहा कि छठ पूजा जन–आस्था का पवित्र पर्व है, जिसमें लाखों श्रद्धालु सूर्य उपासना के माध्यम से परिवार और समाज के कल्याण की कामना करते हैं। इसलिए सरकार की प्राथमिकता है कि इस पर्व का आयोजन स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित वातावरण में सम्पन्न हो। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि घाटों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जाएँ, ताकि रात्रि में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही जलस्तर और सुरक्षा की दृष्टि से निगरानी दल तैनात किए जाने को भी कहा गया। श्री अग्रवाल ने कहा कि सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें ताकि अंबिकापुर में छठ पर्व उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के साथ सम्पन्न हो और श्रद्धालु निर्बाध रूप से पूजा–अर्चना कर सकें।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 24 अक्टूबर 2025

https://epaper. pratidinrajdhani.in

उप मुख्यमंत्री साव ने राज्योत्सव व प्रधानमंत्री के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की

अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री अरुण साव उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने गुरुवार को नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप तथा वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी के साथ राज्योत्सव तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नवा रायपुर प्रवास की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राज्योत्सव की तैयारियों में जुटे अधिकारियों के साथ विभिन्न व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने अधिकारियों को संपूर्ण आयोजन में किसी भी तरह की कोताही न बरतते हुए पूरी क्षमता और योग्यता से समय पूर्व सभी तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की स्थापना के रजत जयंती वर्ष में राज्योत्सव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगमन को ऐतिहासिक और यादगार बनाना है। इसके लिए तैयारियों में कोई कोर–कसर न छोड़ें। प्रधानमंत्री के प्रवास के दौरान सभी कार्यक्रमों के भव्य और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए तेजी से कार्य करते हुए सभी व्यवस्थाओं को मूर्त रूप दें।

उप मुख्यमंत्री श्री साव तथा मंत्रीद्वय श्री केदार कश्यप और श्री ओ.पी. चौधरी ने राज्योत्सव के लिए विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम स्थल पर सेक्टर्स की स्थिति, बैठक क्षमता, परिक्रमा पथ के लोकेशन एवं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था व पेयजल व्यवस्था के साथ ही वीवीआईपी सेक्टर की क्षमता, सुव्यवस्थित पहुंच मार्ग तथा सभी कार्यक्रमों के व्यवस्थित आयोजन की रुपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा हुई। आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, रायपुर के कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य, रायपुर नगर निगम के आयुक्त विश्वदीप और लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

तीरथगढ़ में बांस की नाव पर रोमांच

इको टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा : वन मंत्री केदार कश्यप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध तीरथगढ़ जलप्रपात क्षेत्र में अब पर्यटकों के लिए एक नया आकर्षण जुड़ गया है। यहां बांस से बनी नावों पर राफ्टिंग की शुरुआत की गई है, जो रोमांच और प्राकृतिक सुंदरता का अनोखा संगम पेश करती है।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने तीरथगढ़ पहुंचकर इस नई पहल का जायजा लिया और मूंगाबाहर नाले में स्वयं बांस की नाव (बांबू राफ्टिंग) और कायाकिंग का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की गतिविधियाँ इको टूरिज्म को बढ़ावा देंगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण और वन क्षेत्रों में पर्यटन के माध्यम से आजीविका के साधन उपलब्ध कराने प्रतिबद्ध है, जिससे स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर प्राप्त हों।

इस अवसर पर वन मंत्री श्री कश्यप ने इको विकास समिति के सदस्यों से बातचीत करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं के तहत बस्तर संभाग में पर्यटन को नए स्वरूप में विकसित किया जा रहा है। तीरथगढ़ जैसे प्राकृतिक स्थलों में इको टूरिज्म की पहल न केवल क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाएगी, बल्कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक और सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान देगी।

मृत हाथी का मामला सुलझा : वन विभाग की तत्परता से पकड़े गए तीन आरोपी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी

वनमंत्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार वन विभाग ने तत्परता से रायगढ़ वनमंडल के अंतर्गत ग्राम केराखोल में एक मृत हाथी का मामला सुलझा लिया गया है। सूचना मिलते ही वनमंडलाधिकारी रायगढ़ के नेतृत्व में वन अमला तत्काल मौके पर पहुँचा और घटना स्थल का निरीक्षण करने पर प्राथमिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि हाथी की मृत्यु बिजली के तार की चपेट में आने से हुई है। स्थल पर जांच के दौरान तार, सूखे पत्ते, मिट्टी के निशान तथा संदिग्ध वस्तुएं मिलीं। साथ ही मृत हाथी के पेट में घाव के निशान, जिसमें लगे हुए स्प्रेयर को भी जब्त किया गया। उल्लेखनीय है कि वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने वन्य अपराध में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं।

वन विभाग की तीन सदस्यीय पशुचिकित्सा टीम ने मृत हाथी का पोस्टमार्टम किया। प्रारंभिक रिपोर्ट में मृत्यु का कारण विद्युत करंट बताया गया। घटना के बाद पुलिस विभाग को सूचित किया गया तथा तत्काल जांच शुरू की गई। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ के दौरान तीन आरोपियों की पहचान हुई, जिसमें वीर सिंग मांझी पिता मेहत्तर मांझी आयु 28 वर्ष, ग्राम केराखोल, रामनाथ राठिया पिता महेश्वर राठिया आयु 42 वर्ष, ग्राम औराईमुड़ा और बसंत राठिया पिता ठाकुर राम राठिया आयु 40 वर्ष, ग्राम केराखोल शामिल है। पूछताछ में आरोपी वीर सिंग मांझी ने स्वीकार किया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर खेत की रखवाली के लिए बिजली के तार लगाकर जंगली जानवरों को मारने का प्रयास किया था। उसी दौरान हाथी करंट की चपेट में आ गया। आरोपियों ने तार और लोहे का सामान खुद खरीदा था।

तीनों आरोपियों को वन अपराध के तहत गिरफ्तार

वन अपराध में लिप्त तीनों आरोपियों को वन अपराध के तहत गिरफ्तार किया गया है। इनके विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9 एवं 51 के अंतर्गत 20 अक्टूबर को अपराध दर्ज कर 21 अक्टूबर को तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है।

वित्त मंत्री चौधरी ने किया गजमार पहाड़ के सौंदर्यीकरण कार्यों का निरीक्षण

विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के दिए निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने रायगढ़ के गजमार पहाड़ स्थित प्रसिद्ध हनुमान मंदिर परिसर में जारी सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। इस अवसर पर कलेक्टर रायगढ एवं डीएफओ रायगढ़ उपस्थित रहे।

पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित होगा

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि शासन की योजनाओं का केवल निर्माण तक सीमित रहना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन ही असली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य जनसामान्य को वास्तविक लाभ पहुंचाना है और इसके लिए योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। उन्होंने कहा कि हनुमान मंदिर परिसर में हो रहे सौंदर्यीकरण कार्यों से न केवल धार्मिक पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि यह क्षेत्र धार्मिक पर्यटन के एक नए केंद्र के रूप में भी विकसित हो सकेगा। उन्होंने कहा कि गजमार पहाड़ी रायगढ़ की शान है। ऐसा स्थल शहर के बीच इतनी ऊँचाई और प्राकृतिक सौंदर्य के साथ बहुत कम जगहों पर देखने को मिलता है।

वित्त मंत्री श्री ओ.पी.चौधरी की पहल पर रायगढ़ जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक और आस्था का केंद्र गजमार पहाड़ी स्थित हनुमान धाम अब आधुनिक स्वरूप में इको पार्क और इको टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित होगा। बीते दिवस वित्त मंत्री श्री चौधरी ने 08 करोड़ रुपए की लागत से यहां होने वाले विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया था।

रानाटोला जलाशय और चुहरीनाला बांध के कार्यों के लिए 5.82 करोड़ रुपये स्वीकृत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के विकासखण्ड–मोहला की रानीटोला जलाशय के लाईनिंग कार्य कराने 2 करोड़ 37 लाख 91 हजार रुपये स्वीकृत किये हैं। इस सिंचाई योजना के कार्य हो जाने पर योजना की रूपांकित सिंचाई 273 हेक्टेयर के विरूद्ध 120 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा जल से 90 हेक्टेयर में अतिरिक्त सिंचाई सहित कुल 282 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

राजनांदगांव जिले के विकासखण्ड–डोंगरगांव की चुहरीनाला बांध की मरम्मत एवं नहीं लाईनिंग कार्य के लिए 3 करोड़ 44 लाख 17 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं। प्रस्तावित कार्यों के पूर्ण हो जाने पर रूपांकित सिंचाई क्षमता 308 हेक्टेयर के विरूद्ध 210 हेक्टेयर की हो रही कमी की पूर्ति तथा बचत जल से 20 हेक्टेयर क्षेत्र मे अतिरक्त सिंचाई सहित कुल 328 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से दोनो सिंचाई योजनाओं के कार्यों को पूर्ण कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

छत्तीसगढ़ के जशपुर में सजेगा 'जशपुर जम्बूरी 2025' ... रोमांच, संस्कृति और परंपरा का अद्भुत उत्सव

6 से 9 नवम्बर तक जशपुर में होगा 'जशपुर जम्बूरी 2025' का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ का पर्वतीय और हरियाली से आच्छादित जिला जशपुर एक बार फिर उत्सव, संस्कृति और रोमांच का केंद्र बनने जा रहा है। यहाँ आगामी 6 से 9 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले 'जशपुर जम्बूरी 2025' में प्रदेश और देशभर से पर्यटक प्रकृति की गोद में रोमांचक अनुभवों, जनजातीय परंपराओं और सामुदायिक उत्सव के रंगों का आनंद लेंगे। यह आयोजन प्राकृतिक सौंदर्य, जनजातीय परंपराओं और आधुनिक रोमांच का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेगा।

प्रकृति की गोद में चार दिन का उत्सव

जशपुर अपनी प्राकृतिक सुंदरता, झरनों, पहाड़ियों और हरे–भरे जंगलों के कारण पहले से ही पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। इन चार दिनों में यह जिला उत्साह, उमंग और अनूठे अनुभवों का जीवंत मंच बन जाएगा। देशभर से आने वाले सैलानी यहां रोमांचक खेलों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और जनजातीय लोकपर्वों की रंगीन झलक का आनंद लेंगे।

हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग का रोमांच

इस वर्ष का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा हॉट एयर बलून और पैरामोटरिंग शो, जिसमें प्रतिभागी मधेश्वर पहाड़ियों के ऊपर से उड़ान भरकर जशपुर की भव्यता को नई ऊँचाई से देख सकेंगे। नीले आसमान और हरी वादियों का यह संगम एक अविस्मरणीय अनुभव बनेगा।

कयाकिंग, एटीवी और मोटर बोटिंग से मिलेगा एडवेंचर का आनंद

फेस्टिवल में कयाकिंग, मोटर बोटिंग और एटीवी राइड्स जैसी गतिविधियाँ रोमांच प्रेमियों को अपनी सीमाओं को परखने का अवसर देंगी। झरनों की धारा में कयाकिंग और जंगलों के बीच मिट्टी के रास्तों पर एटीवी चलाने का रोमांच हर आगंतुक के लिए यादगार रहेगा।

फॉरेस्ट ट्रेकिंग और प्राकृतिक अनुभव

प्रकृति प्रेमियों के लिए विशेष फॉरेस्ट ट्रेकिंग ट्रेल्स तैयार की गई हैं। घने पेड़ों के बीच, फूलों की महक और पक्षियों की चहचहाहट में चलना जशपुर की जैव विविधता से गहरा जुड़ाव कराएगा। यह पर्यावरण और पर्यटन के बीच सामंजस्य का प्रतीक है।

खुले आसमान तले स्टार गेज़िंग सेशन्स

रात्रिकालीन आयोजनों में स्टार गेज़िंग सेशन्स विशेष आकर्षण होंगे। तारों से सजे जशपुर के निर्मल आसमान में सैकड़ों नक्षत्रों को निहारने का अनुभव आगंतुकों को अद्भुत शांति और विस्मय का एहसास कराएगा।

लोककला, संगीत और बोनफायर नाइट्स से सजेगा हर शाम का माहौल

हर शाम बोनफायर नाइट्स में जनजातीय लोकनृत्य, संगीत और हँसी से भरी संध्याएँ होंगी। पारंपरिक गीतों की धुन और आग की लपटों के बीच साझा होती मुस्कानें इस आयोजन को आत्मीयता का नया अर्थ देंगी।

फेस्टिवल में स्थानीय व्यंजनों का विशेष स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेगा। स्थानीय पारंपरिक पकवानों के स्वाद से पर्यटक छत्तीसगढ़ की मिट्टी की असली महक महसूस करेंगे।

'जशपुर जम्बूरी' केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं, बल्कि जनजातीय गौरव और सांस्कृतिक आत्मसम्मान का उत्सव भी है। पारंपरिक हस्तशिल्प, लोककला प्रदर्शनी और आदिवासी परिधानों की झलक इस आयोजन को विशिष्ट बनाएगी।

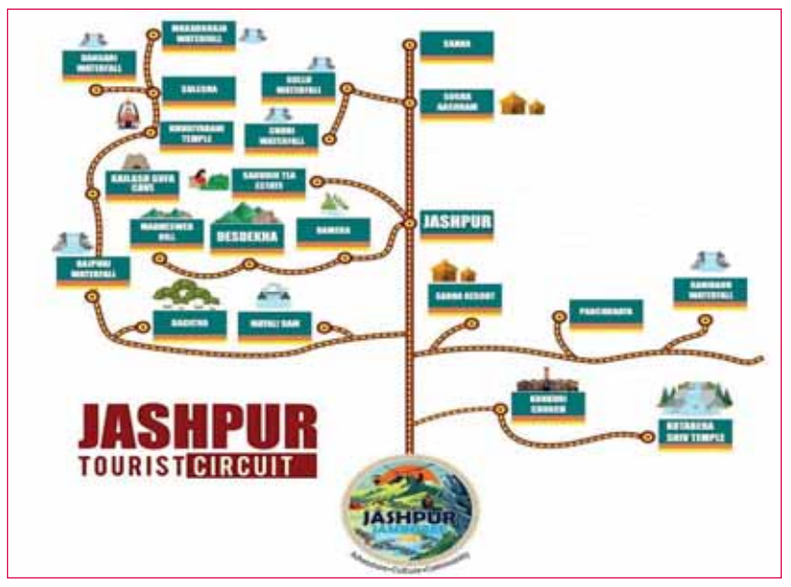

जशपुर प्रशासन और पर्यटन विभाग ने पर्यटकों की सुविधा के लिए ठहरने, खानपान, सुरक्षा और स्वच्छता की संपूर्ण व्यवस्था की है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी बढ़ेगी पहचान

इस आयोजन में देशभर से एडवेंचर प्रेमी, फोटोग्राफर, ट्रैवल ब्लॉगर और इनफ्लुएंसर भाग लेंगे, जिससे जशपुर की पहचान राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल माध्यमों से और सशक्त होगी।

हमारा प्रयास है कि जशपुर की प्रकृति और संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान मिले। जशपुर जम्बूरी 2025' न केवल छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को प्रखर करेगा, बल्कि पर्यटन, उद्यमिता और सामुदायिक सहभागिता को नई ऊर्जा देगा। यह आयोजन राज्य के लिए गौरव और विकास दोनों का प्रतीक बनेगा। ऐसे आयोजन न केवल पर्यटन को बढ़ावा देते हैं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी पैदा करते हैं। जशपुर के लोग जितने सादगीपूर्ण हैं, उतने ही उत्साही और साहसी भी हैं।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771–2223399, मो.–6262904444